धनबाद
गुरूवार 09.01.2025
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-316 पृष्ठ- 12
पौष शुक्ल पक्ष-10
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

विशाखापट्टनम में लगेगी सुप्रीम कोर्ट की 'फुल कोर्ट' सीजेआई समेत 25 जज न्यायपालिका के मुद्दों पर करेंगे मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट में एक नई पहल शुरू की है. चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट के २५ जज दो दिनों तक आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 'चिंतन ' करेंगे. खास बात ये है कि ऐसा अदालती खर्च पर नहीं होगा, बल्कि जज अपना एलटीसी (अवकाश यात्रा रियायत) लेकर वहां जाएंगे. इस दौरान छुट्टी मनाने के साथ जज सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका से जुड़े कई मुद्दों पर विचार करेंगे. अभी तक इस तरह सुप्रीम कोर्ट की फुल कोर्ट मीटिंग में ही विचार होता रहा है.

पहली बार सुप्रीम कोर्ट के इतने जज १० जनवरी की रात को वहां पहुंचेंगे. इसके बाद ११ जनवरी और १२ जनवरी को सीजेआई संजीव खन्ना और बाकी जज न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका से जुड़े कई मुद्दों पर विचार करेंगे, बल्कि अपने परिवारों के साथ कई पर्यटन स्थलों पर भी जाएंगे.

'प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट' पर १२ दिसंबर को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट, सीजेआई ने गठित की स्पेशल बेंच।

सुप्रीम कोर्ट में 11 से 14 जनवरी तक छुट्टी

सुप्रीम कोर्ट में ११ से १४ जनवरी छुट्टी है. ११ और १२ जनवरी शनिवार और रविवार है, जबकि १३-१४ जनवरी भी कोर्ट बंद रहेगा. सुप्रीम कोर्ट के टॉप सूत्रों के मुताबिक, सीजेआई संजीव खन्ना ने विचार किया कि क्यों ना सभी जज देश के किसी हिस्से में चलें और वहां घूमने- फिरने के अलावा कुछ मुद्दों पर विचार भी किया जाए. उगख खन्ना ने इसका जिक्र जस्टिस भूषण आर गवई और जस्टिस सूर्यकांत से किया. दोनों सीनियर जजों ने भी इससे सहमति जताई.

जजों ने तय किया कि वो एलटीसी लेकर जाएंगे. अपने साथ परिवार को भी लेकर जाएंगे. इसी दौरान विशाखापट्टनम जाने का कार्यक्रम तय किया गया. ये भी योजना बनाई गई कि विशाखापट्टनम के अलावा कुछ अन्य जगहों पर भी जाया जा सकता है. सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद उगख खन्ना ने सभी जजों से बात की. ज्यादातर जज इसके लिए तैयार हो गए. बाकी जजों ने पहले से ही तय निजी कार्यक्रम का हवाला देकर असमर्थता जताई.

क्या हैं एलटीसी के नियम?

सरकारी योजना के अनुसार कर्मचारी २ साल में एक बार अपने गृह नगर में एलटीसी और ४ साल में एक बार पूरे भारत में एलटीसी का लाभ उठा सकते हैं. हालांकि, एलटीसी का लाभ बाहर जाने और परिवार के साथ समय बिताने के लिए लिया जाता है, लेकिन इस बार जजों ने एक अनूठे तरीके से एलटीसी लिया है. बतौर सीजेआई जस्टिस खन्ना का कार्यकाल सिर्फ ६ महीने का है. उन्होंने १० नवंबर को कार्यभार संभाला था. ६४ साल के जस्टिस खन्ना १३ मई २०२५ को रिटायर होंगे.

असम के कोयला खदान में पानी भरने से एक की मौत, 8 लोग फंसे

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम को रेस्क्यू में आ रही कठिनाई

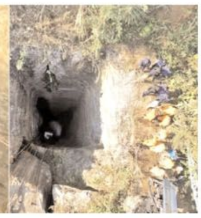

दीमा हासाओ (ईएमएस): असम के दीमा हासाओ जिले में फंसे कोयला खदान से बुधवार तड़के खदान में पानी भरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि ८ अभी भी उसमें फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। करीब ४८ घंटे बाद भारतीय सेना के २१ पैराशूट डाइवर्स ने शव को खदान से बाहर निकाला है। वहीं बचाव अभियान में भारतीय सेना, नौसेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने मंगलवार से ही काम शुरू कर दिया था।

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा- हमारे विचार और प्रार्थनाएं शोकग्रस्त परिवार के साथ हैं। सीएम ने बताया कि सेना और एनडीआरएफ के डाइवर्स खदान में प्रवेश कर चुके हैं और नौसेना के कर्मी भी तैयार हैं ताकि वे बचाव कार्य में शामिल हो सकें। एसडीआरएफ द्वारा पानी निकालने के लिए पंप भेजे जा रहे हैं और तेल और प्राकृतिक गैस निगम के पंप भी एयरलिफ्ट किए जा रहे हैं।

इन खनिकों के ३०० फीट नीचे फंसे होने का अनुमान है और उनका रेस्क्यू ऑपरेशन में कठिन हो रही है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि नौ लोग खदान में फंसे हुए हैं जबकि ▶▶ 8

वी नारायणन इसरो के नए चेयरमैन बनाए गए

रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट ऑपरेशन के हैं एक्सपर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने स्पेस साइंटिस्ट वी.नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। उन्हें स्पेस डिपार्टमेंट का सचिव भी बनाया गया है। वे १४ जनवरी को इसरो चीफ एस। सोमनाथ की जगह लेंगे। नारायणन का कार्यकाल २ साल का रहेगा। फिलहाल वे वलियामाला स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर के डायरेक्टर हैं। नारायणन के पास ४० साल का अनुभव है। वे रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट ऑपरेशन के एक्सपर्ट हैं।

एस. सोमनाथ का रिटायरमेंट 14 जनवरी को

इसरो के मौजूदा चेयरमैन एस. सोमनाथ ने १४ जनवरी २०२२ को इसरो चेयरमैन का पद संभाला था। वे ३ साल के कार्यकाल के बाद रिटायर हो रहे हैं। उनके कार्यकाल में इसरो ने इतिहास रचा। इसरो ने न केवल चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान-३ की लैंडिंग कराई, बल्कि धरती से १५ लाख किमी ऊपर लैगरेंज पॉइंट पर सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल१ भी भेजा।

हाईकोर्ट ने संभल मस्जिद की सुनवाई पर रोक लगाई

प्रयागराज/संभल (ईएमएस): संभल की जामा मस्जिद मामले में जिला कोर्ट में चल रही सुनवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। बुधवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस मामले के सभी पक्षकारों से ४ हफ्ते में जवाब मांगा है। पक्षकारों के जवाब पर मस्जिद कमेटी को दो हफ्ते में अपना रिज्वांइडर यानी प्रत्युत्तर दाखिल करना होगा। अब इस मामले में २५ फरवरी को सुनवाई होगी।

दरअसल, जामा मस्जिद की तरफ से इंतजामिया कमेटी ने ४ जनवरी को याचिका दाखिल की थी। इसमें सर्वे रोकने की मांग की थी। हाईकोर्ट से जिला अदालत में चल रही मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगने से मुस्लिम पक्ष को फौरी राहत मिली है।

कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश तक कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

प्रत्येक वाहन चालक का होगा डेढ़ लाख का दुर्घटना बीमा : नितिन गडकरी

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए 'कैशलेस' या नकदी-रहित इलाज के लिए मार्च तक संशोधित योजना लाएगी। इसके तहत प्रति दुर्घटना प्रति व्यक्ति अधिकतम १.५ लाख रुपये तक 'कैशलेस' इलाज की सुविधा मिलेगी। गडकरी ने कहा कि यह योजना किसी भी श्रेणी की सड़क पर मोटर वाहनों के कारण होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने १४ मार्च, २०२४ को सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 'कैशलेस' उपचार प्रदान करने के लिए एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया था। चंडीगढ़ में शुरू किए गए पायलट कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को समय पर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए एक माहौल तैयार करना था। पायलट परियोजना को बाद में छह राज्यों तक बढ़ाया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए), पुलिस, अस्पताल और राज्य स्वास्थ्य एजेंसी आदि के समन्वय से कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन एजेंसी होगी। कार्यक्रम को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (ईडीएआर) एप्लिकेशन और एनएचए की लेनदेन प्रबंधन प्रणाली की कार्यक्षमता को मिलाकर एक आईटी मंच के माध्यम से चलाया जाएगा। पायलट कार्यक्रम की व्यापक रूपरेखा के अनुसार पीड़ित दुर्घटना की तारीख से अधिकतम ७ दिन की अवधि के लिए प्रति व्यक्ति अधिकतम १।५ लाख रुपये तक 'कैशलेस' उपचार के हकदार हैं।

गडकरी ने यह भी कहा कि सरकार पायलटों की तर्ज पर वाणिज्यिक चालकों के लिए काम के घंटे तय करने की नीति बनाने के लिए श्रम कानूनों का अध्ययन कर रही है, क्योंकि ▶▶ 8

श्रीजगन्नाथ की जमीन पर अवैध कब्जे

ओडिशा सरकार कब्जाधारियों को जमीन बेचकर 10000 करोड़ जुटाएगी

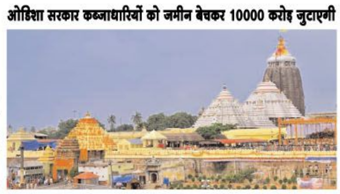

भुवनेश्वर (ईएमएस): चार धामों में से एक, ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की जमीन संकट में है। यहां भगवान की जमीन पर कब्जा और अवैध खरीद-फरोख्त का मामला पिछले कुछ महीने से सुर्खियों में है। राज्य में भगवान जगन्नाथ की कुल ६० हजार ४२६ एकड़ जमीन है। इसके एक बड़े हिस्से पर सालों से अवैध कब्जा बना हुआ है।

खुद राज्य सरकार ने विधानसभा में माना है कि भगवान की जमीन पर अवैध कब्जे के ९७४ मामले दर्ज हैं। अब सरकार इन कब्जाधारियों को जमीन बेचकर ८ से १० हजार करोड़ रुपए फंड जुटाने की तैयारी कर रही है। हालांकि जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी इसका विरोध कर रहे हैं। ताजा विवाद तब शुरू हुआ जब मंदिर प्रशासन ने कब्जाधारियों पर मंदिर से दो किलोमीटर दूर भगवान की ६४ एकड़ जमीन बेचने का आरोप लगाया। यानी, सरकार से पहले कब्जाधारी ही भगवान की जमीन बेचकर पैसा कमाने में जुट गए।

भारत की भूमि पर कब्जा, बांग्लादेशी मीडिया को बीएसएफ ने दिखा दी उसकी औकात

भारत की एक भी इंच जमीन पर न कब्जा है और न ही किया जाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस): बांग्लादेश ने दावा किया कि उसकी सेना ने भारत की सीमा में घुसकर भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। जैसे ही यह खबर आई, भारत ने बांग्लादेश की पोल दुनिया के सामने खोल दी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' (बीजीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारत की पांच किलोमीटर भूमि पर नियंत्रण करने का दावा करने वाली खबरों को ''निराधार और गैर जिम्मेदाराना'' बताया है।

बीएसएफ साउथ बंगाल फ्रंटियर' ने कहा कि बांग्लादेशी मीडिया में छपी रिपोर्ट ''सत्य नहीं'' हैं। बयान में कहा गया है, यह क्षेत्र उत्तर २४ परगना जिले के बागदा ब्लॉक के रणघाट गांव में भारतीय सीमा में है। अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) कोडालिया नदी के साथ-साथ है, इसके दोनों तरफ संदर्भ स्तंभों द्वारा अच्छी तरह से सीमांकित किया है। दरअसल बीएसएफ ने उन दावों का खंडन किया कि बीजीबी कर्मियों ने १९ दिसंबर से मोटर चालित नावों और एटीवी का उपयोग करके क्षेत्र में २४ घंटे गश्त शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, ''ये रिपोर्ट मनगढ़ंत कहानियों के अलावा कुछ नहीं हैं।

बीएसएफ और बीजीबी नदी के अपने-अपने किनारों पर अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। यह नदी आईबी के रूप में कार्य करती है। बीएसएफ ने कहा कि क्षेत्र में बाड़ नहीं है और बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा तस्करी और घुसपैठ का खतरा रहता है। ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। बीएसएफ के बयान में कहा गया हैं कि भारत की एक भी ▶▶ 8

शीर्ष कैडर हो रहा खत्म ..बौखलाए नक्सली

बस्तर में सक्रिय एक हजार सशस्त्र नक्सली सरकार के लिए बड़ी चुनौती

रायपुर (ईएमएस): नक्सल विरोधी मुहिम के बीच छत्तीसगढ़ के बस्तर में सक्रिय एक हजार सशस्त्र नक्सली सरकार के लिए बड़ी चुनौती हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार, साल भर पहले बस्तर में ढाई हजार नक्सली सक्रिय थे। इनमें से २२० से अधिक नक्सलियों को सुरक्षा बल के जवानों ने गत १३ महीनों में मार गिराया है। करीब १,२०० से अधिक नक्सली या तो आत्मसमर्पण कर चुके हैं या गिरफ्तार किए जा चुके हैं। गिरफ्त में आए नक्सलियों ने पुलिस को बताया है कि नक्सलियों की नई भर्तियां रुकी हुई हैं। पुराने और वरिष्ठ कैडर के नक्सली या तो आत्मसमर्पण कर रहे हैं या फिर गिरफ्तार किए जा रहे हैं। इसी के चलते नक्सली बौखलाए हुए हैं। हालांकि, नक्सल विशेषज्ञों का मानना है कि सक्रिय नक्सलियों के अलावा बस्तर में नक्सलियों के ओवर ग्राउंड वर्कर व समर्थकों की संख्या चार हजार के आस-पास है। समय-समय पर नक्सली इन समर्थकों को बंदूक उठाने या अपने मिशन में इस्तेमाल भी करते हैं।

तेज करना होगा अभियान- बीजापुर जिले में नक्सलियों ने आइईडी लगाकर जवानों के वाहन को विस्फोट कर उड़ा दिया, जिसमें डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के आठ जवान बलिदान हो गए और और एक वाहन चालक की शहादत हुई है। इसके बाद एक बार फिर बस्तर में जवानों के मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता महसूस हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मार्च २०२६ तक नक्सलवाद खत्म करने के तय किए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभियान तेज करना होगा।

नक्सली कमांडर पापाराव निशाने पर- छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बीते सोमवार को हुए नक्सली हमले को नक्सलियों के भैरमगढ़ वेस्ट एरिया कमेटी ने अंजाम दिया था। हमले में ५० किलो आईईडी विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। खुफिया सुरक्षा ▶▶ 8

केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2020-21 में शुरू की गई नई आयकर व्यवस्था में कर रही बदलाव पर विचार

15 लाख सालाना कमाई पर मिल सकती है टैक्स में छूट

नई दिल्ली (ईएमएस): वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण १ फरवरी को देश का आगामी बजट पेश करेंगी। इस बीच, चर्चा है कि केंद्र सरकार इस बजट में आम लोगों के लिए बड़ी छूट का ऐलान कर सकता है। केंद्रीय बजट २०२५ में १५ लाख रुपये तक सालाना इनकम वालों को टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है। टैक्स में छूट के ऐलान से डिस्पोजेबल इनकम में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जिससे खपत बढ़ेगी।

जानकारी के अनुसार सरकार वित्त वर्ष २०२०-२१ में शुरू की गई नई आयकर व्यवस्था में बदलाव पर विचार कर रही है, जिसने सरल स्ट्रक्चर के कारण ७० फीसदी से ज्यादा टैक्सपेयर्स को अपनी तरफ आकर्षित किया है। मौजूदा समय में नई व्यवस्था के तहत ३ लाख रुपये तक की आय टैक्स फ्री है, जबकि ३ लाख से ६ लाख रुपये के बीच की आय पर ५ प्रतिशत, ६-९ लाख रुपये पर १० प्रतिशत, ९-१२ लाख रुपये पर १५ प्रतिशत, १२-१५ लाख रुपये पर २० प्रतिशत और १५ लाख रुपये से अधिक पर ३० प्रतिशत टैक्स लगता है। ७५,००० रुपये की स्टैंडर्ड डिडक्शन यह तय करती है कि ७.७५ लाख रुपये तक की इनकम टैक्स फ्री है। वहीं ७ लाख तक सालाना इनकम होने पर कोई टैक्स देने की जरूरत नहीं होगी।

टैक्स स्लैब में क्या हो सकता है बदलाव

जानकार बताते हैं कि मूल छूट सीमा ३ लाख रुपये से बढ़कर ४ लाख रुपये हो सकती है। साथ ही अन्य स्लैब में भी समायोजन किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, ५ प्रतिशत स्लैब में ४ लाख रुपये से ७ लाख रुपये तक की इनकम शामिल हो सकती है, जिससे १४ लाख रुपये तक की इनकम वालों के लिए यह टैक्स व्यवस्था अधिक फायदेमंद हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, सरकार का फोकस १३-१४ लाख रुपये सालाना कमाने वाले व्यक्तियों पर बोझ को कम करने पर है। खासकर शहरी क्षेत्रों में जहां महंगाई ने खरीदारी की ▶▶ 8

भारत में ही रहेंगी शेख हसीना!

उधर बांग्लादेश में पासपोर्ट रद्द, इधर बढ़ा वीजा

नई दिल्ली (ईएमएस): बांग्लादेश में पांच अगस्त को हुए तख्तापलट के बाद से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में शरण लिए हुए हैं। इस बीच खबर है कि भारत में उनके वीजा की अवधि को बढ़ा दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि भारत सरकार ने शेख हसीना की वीजा अवधि बढ़ा दी है, जिसके बाद से भारत में उनके प्रवास को लेकर फिलहाल किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। बांग्लादेश से भागकर शेख हसीना भारत के हिंडन एयरबेस पहुंची थीं, जहां से कथित तौर पर उन्हें दिल्ली में किसी सेफहाउस में रिलोकेट कर दिया गया है। इस बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर २३ दिसंबर भारत सरकार से अनुरोध किया था।

सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भारत में शरणार्थी कानून नहीं होने की वजह से अभी तक शेख हसीना को कोई शरणार्थी दर्जा नहीं दिया गया है। इससे पहले मंगलवार को बांग्लादेशी अधिकारियों ने शेख हसीना सहित ९७ लोगों के पासपोर्ट रद्द कर दिए थे। इनमें से २२ लोग कथित अपहरण में शामिल होने के आरोपों का सामना कर रहे हैं, जबकि ७५ अन्य लोगों पर पिछले वर्ष छात्र विरोधी आंदोलनों के दौरान हत्या के आरोप हैं। बता दें कि पिछले साल पांच अगस्त को शेख हसीना की सरकार ▶▶ 8

घबराने की कोई जरूरत नहीं, एचएमपीवी वायरस पर बोले स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी

रांची (एजेंसी): झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मंगलवार (७ जनवरी) को कहा कि राज्य ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण से अप्रभावित बना हुआ है और देश के अन्य हिस्सों में ऐसे मामले सामने आने पर घबराने की जरूरत नहीं है. अंसारी ने कहा कि वह स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं. उन्होंने यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''देश के कई हिस्सों से एचएमपीवी संक्रमण की खबरें आई हैं, लेकिन झारखंड में इसका कोई असर नहीं है. मैं स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हूं. घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि राज्य में अब तक एचएमपीवी संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है.''

'अधिकांश मामले में मरीज अपने आप हो जाते हैं ठीक'

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस उन वायरस में से एक है, जो सभी उम्र के लोगों में संक्रमण पैदा कर सकता है, खासकर सर्दियों में और वसंत के मौसम के शुरूआती दिनों के दौरान. वायरस का संक्रमण आमतौर पर हल्का होता है और अधिकांश मामले में मरीज अपने आप ठीक हो जाते हैं.

केंद्र के दिशानिर्देशों का कर रहे हैं इंतजार

देश में पांच मामले सामने आने के बाद केंद्र ने राज्यों को आईएलआई और एसएआरआई सहित श्वसन संबंधी बीमारियों के लिए निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी संक्रमण की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है. अंसारी ने कहा कि वे वायरस के संक्रमण की रोकथाम पर केंद्र के दिशानिर्देशों का इंतजार कर रहे हैं. उन्होंने कहा, ''मैंने स्वास्थ्य सचिव से सभी सिविल सर्जन से चर्चा करने और दिशानिर्देश जारी करने को कहा है, ताकि वे इसका पालन कर सकें.''

एचएमपीवी क्या है?

एचएमपीवी एक वायरल रोगाणु है जो सभी उम्र के लोगों में श्वसन संक्रमण का कारण बनता है. इसका पता पहली बार २००१ में चला. यह पैरामाइक्सोविरिडे परिवार से संबंधित है और 'रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस' (आरएसवी) से निकटता से संबंधित है. एचएमपीवी खांसने या छींकने से निकलने वाली सांस की बूंदों के साथ-साथ दूषित सतहों को छूने या संक्रमित व्यक्तियों के सीधे संपर्क में आने से फैलता है. यह वायरस श्वसन संबंधी मामली परेशानी से लेकर गंभीर जटिलता से जुड़ी बीमारियों तक का कारण माना जाता है, विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में.

किसानों को मिलेगा फसल बीमा योजना का लाभ

धनबाद (कासं) : बुधवार को डीआरडीए निदेशक राजीव रंजन की अध्यक्षता में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में हुई।

इस दौरान निदेशक डीआरडीए ने किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ देने और इसका क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि फसल बीमा के लिए प्राप्त आवेदनों की दस्तावेजों की जांच करें। इसके लिए जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर टीम गठित करें। योग्य किसानों का चयन कर उन्हें फसल बीमा का लाभ प्रदान करें। साथ हीं बीमा कंपनी बजाज के प्रतिनिधि को १५ दिनों के अंदर बीमा से संबंधित सभी दस्तावेज जिला सहकारिता कार्यालय में उपलब्ध कराने को निर्देशित किया गया।

इसके अलावा वित्तीय वर्ष २०२४२५ में राज्य योजनान्तर्गत प्रखण्ड स्तर पर उत्कृष्ट कार्य कर रहे पैक्स/व्यापार मंडल को ५०० एमटी क्षमता के गोदाम वाला मॉडल पैक्स के रूप में विकसित करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई। इस दौरान ३ प्रस्ताव में से लटानी फतेहपुर पैक्स, पूर्वी टुंडी एवं पलानी पैक्स, बलियापुर को स्वीकृति प्रदान की गई। इसकी कुल लक्ष्य सात में से दो पैक्स को स्वीकृति प्रदान की गई। लक्ष्य पूरा करने के लिए बाकी गोदाम की भूमि संबंधित अंचलाधिकारियों से पत्राचार कर जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देशित किया गया।

साथ हीं वित्तीय वर्ष २०२४२५ के लिए कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) द्वारा प्रस्तावित ०५ एमटी क्षमता के सौर उर्जा चलित मिनी कोल्ड रूम के निर्माण को पैक्सों के चयन के स्वीकृति के संबंध में चर्चा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप कुल ६ पैक्स को स्वीकृति प्रदान की गई। जिसमे पुटकी पैक्स धनबाद, रंगुनी पैक्स बाघमारा, बरियो पैक्स गोविंदपुर, परासी पैक्स गोविंदपुर, पलानी पैक्स बलियापुर एवं लेदाहरिया पैक्स कलियासोल सम्मिलित है। मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश, जिला कृषि पदाधिकारी शिव कुमार राम, जिला खेल पदाधिकारी सह जिला सांख्यिकी पदाधिकारी उमेश लोहरा, एलडीएम अमित कुमार समेत, जिला पशुपालन कार्यालय, जिला गव्य कार्यालय, जिला मत्स्य कार्यालय, धनबाद प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, जिला विकास प्रबंधक, नावार्ड, लैम्पस/पैक्स के दो कृषक प्रतिनिधि, धनबाद बजाज एलयंज जेनरल इन्श्योरेन्स के प्रतिनिधि मौजूद रहें।

फास्टफूड दुकान में तोड़ फोड़

कालीमेला (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डुमरी दो नम्बर चौक पर स्थित फास्टफूड के दुकान को सुरक्षा कर्मियों ने पुलिस के मौजूदगी में को तोड़फोड़ किया गया और दुकान को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस कार्यवाही के बाद स्थानीय दुकानदार और ग्रामीणों ने विरोध प्रर्दशन किया है। होटल व फास्टफूड संचालक डब्लू कुमार, राजेश कुमार गुप्ता दोनों भाईयों ने बताया कि अपने पुस्तैनी दुकान के खाली जमीन पर चार महीने से फास्टफूड का भी दुकान चला रहे हैं। जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों में मनोज कुमार गुप्ता अन्य पैसा की मांग किया जा रहा था। बुधवार को कंपनी के दर्जनों सुरक्षा कर्मियों ने जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा के उपस्थित में दुकान में तोड़फोड़ की पूरा दुकान को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

राहगीरों द्वारा घटना की वीडियो बनाया तो पुलिस उससे भीड़ गए और पकड़ कर थाना लाया जिसके बाद स्थानीय लोगों ने भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विजय साव के नेतृत्व में थाना पहुंच कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की जिसके बाद पुलिस ने पकड़े हुए युवक को छोड़ दिया। श्री साव ने बताया कि डुमरी मोड़ पर राजेश कुमार अपने दुकान के आगे खाली परती जमीन जो पूर्वजों ने खरीदा था उस पर शेड बनाकर फास्टफूड दुकान चला रहे थे। दर्जनों सुरक्षा कर्मियों ने जबरन दुकान को तोड़फोड़ कर गिरा दिया है जिसे करीब २ लाख रुपये का नुकसान हुआ की है। घटना के बाद ग्रामीणों ने विरोधप्रदर्शन किया।

किन्नर समाज के महाअधिवेशन में शामिल हुई डीसी

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा बुधवार को अखिल भारत किन्नर समाज के महाअधिवेशन में शामिल हुईं। इस अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ने थर्ड जेंडर के अधिकारों को लागू करने और उसकी निगरानी करने के लिए एक अलग सेल का गठन किया है। इसलिए थर्ड जेंडर को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। सबके लिए समान व्यवहार, समान अधिकार और समान अवसर प्रदान करने तथा समाज के अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं को क्रमशः लागू करने के लिए सरकार के साथ साथ धनबाद जिला प्रशासन भी प्रतिबद्ध है।

साथ ही कहा कि समाज के लोग दुनिया भर में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। इससे अन्य लोग प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि अधिवेशन में जो सीखा है, उसे अपने जीवन में अवश्य उतारें।

महाअधिवेशन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सहयोग प्रदान करने के लिए किन्नर समाज ने उपायुक्त को धन्यवाद दिया। साथ ही शॉल ओढ़ाकर और मोमेंटो प्रदान कर उपायुक्त को सम्मानित किया गया।

मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, किन्नर समाज की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी नायक, आलव्या नायक, बबीता नायक, ज्योति नायक, जोधाबाई नायक, अरुणा नायक, लालन नायक, मुन्नी नायक, श्वेता किन्नर, निर्मला किन्नर, रेखा किन्नर व राखी किन्नर आदि मौजूद थे।

माफियाओं के इशारे पर नाच रही बीसीसीएल : ढुल्लू

धनसार (ससे) : झरिया इलाके में माफियाओं के गलत मानसिकता के कारण मैनुअल ट्रक लोर्डिंग का कार्य बंद हो गया है। जिससे सैकड़ों गरीब परिवार का रोजगार छीन गया है। इसे चालू कराया जाएगा। यह बातें धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने चांदमारी कांटाघर के समीप आयोजित एटक की सभा में बुधवार को कहीं। कहा कि दिन प्रतिदिन कोयलांचल में माफिया हो गए है। जिसके चलते गरीबों का हक अधिकार छीना गया। अब इसका आवाज उठाने वाले कम हो गए है।

माफिया लोर्डिंग प्वाइंट बंद करा गरीबों के पेट में लात मारा है। इन्होंने एटक के कार्यकर्ताओं व गरीबों को आह्वान करते हुए कहा कि अब आप तैयार हो जाइए अपने अधिकार व हक के लिए। क्योंकि आपका भाई और बेटा ढुल्लू सांसद बन गया है। माफियाओं के इशारे पर बीसीसीएल नाच रहा है। अगर प्रबंधन नहीं चेता तो उसकी भी खैर नहीं। अब यहां माफियावाद नहीं चलेगी। अब हर हाल में

मैनुअल लोर्डिंग शुरू होगी। कहा कि यह सच्चाई है कि जब मजदूर व किसान का बेटा आगे बढ़ा है तब उसे झूठे केस में फंसाकर जेल भेज दिया गया। आर्थिक कमजोरी के कारण केस नहीं लड़ने के कारण अंत में चुप हो जाते हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अब कोई भी अपने आप को कमजोर नहीं समझे। चांदमारी के स्थानीय लोगों ने पानी और बिजली की समस्या से जूझ रहे है इसको लेकर सांसद को अवगत कराया। सांसद ने एरिया ९ के महाप्रबंधक पर फोन से बात कर पानी और बिजली की समस्या को ठीक करने को कहा।

कार्यकर्ताओं ने ढुल्लू महतो को माला पहनाकर स्वागत किया। मौके पर अतिथि के रूप में रामाधार यादव, रामस्वरूप यादव, जगनारायण यादव, बस्ताकोला क्षेत्रीय अध्यक्ष संतोष यादव, रामाशीष यादव, विकाश मुखर्जी, कंचन सिंह, जगदीश साव, आर एस उपाध्याय, प्रमोद कुमार पंडित सहित अन्य थे।

डीसीडीए के हाथों सम्मानित हुई छमछम देवी व श्वेता किन्नर

धनबाद (कासं) : में आयोजित किन्नर समाज का अखिल भारतीय सम्मेलन में धनबाद

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन धनबाद की टीम ने बुधवार को अखिल भारतीय किन्नर समाज की प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी और धनबाद नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर रह चुकी श्वेता किन्नर को सम्मानित किया। छमछम देवी और श्वेता किन्नर ने धनबाद जिले के सभी दवा दुकानदारों को पूरे भारतवर्ष से आए हुए किन्नर समाज के तरफ से बहुतबहुत शुभकामनाएं दी। दवा दुकानदारों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर समाज में किन्नर समाज का उनके योगदान और महत्व पर चर्चा की गई। सम्मेलन में यह संदेश दिया गया कि किन्नर समाज का अभिन्न हिस्सा है और उनके अधिकारों और सम्मान को सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

समाज में समानता और समावेशिता के इस प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए डीसीडीए धनबाद की भूमिका सराहनीय रही। इस अवसर पर अध्यक्ष ललित अग्रवाल, सचिव धीरज दास, कोषाध्यक्ष विकास अग्रवाल, राजेश सिंह, प्रकाश गोयल, अजय तुल्स्यान, सतीश सिंह, अभिषेक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

भाजपा ने चलाया सदस्यता अभियान

धनबाद (कासं) : भारतीय जनता युवा मोर्चा धनबाद महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल के नेतृत्व में कई जगह सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें काफी संख्या में लोगों को भाजपा का

सदस्य बनाया गया।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज बुधवार को धनबाद महानगर पहुंचे उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसी संदर्भ में बुधवार को बाघमारा विधानसभा के जेएनएम कॉलेज ग्राउंड में सदस्यता अभियान कार्यक्रम हुई, जिसमें ४७६ सदस्य बनाए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा शामिल हुए। कि भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने अपने संबोधन में कहा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी के साथ सदस्यता अभियान में लग चुके है। धनबाद महानगर अपने पूर्व के रिकार्ड को तोड़े, आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी ओर सदस्यता वाला दल भाजपा ही है, जनता भाजपा की सदस्यता लेना चाहती है। यह देखने को मिल रहा है। शरद महतो ने अपने संबोधन में कहा सदस्यता वहां पर अपने सभी को शामिल होना चाहिए। भाजपा के सदस्य बनने से कोई छुटे नहीं या ध्यान रहे भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो लगातार कार्यक्रम करती है।

भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने कहा संगठन पर्वत सदस्यता अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ना है। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री तमाल राय ने किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा ने अपने विचार व्यक्त किये एवं कार्यकर्ताओ मे ऊर्जा भरने का कार्य किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेश पासवान, कतरास अध्यक्ष भाजपा सूर्यदेव मिश्रा, कंचन चौरसिया, धर्मेंद्र गुप्ता, आमोद साहू, विवेक हजारी, डॉ.मधुबाला, शुभम बनर्जी, पुरषोत्तम स्वर्णकार, साकेत श्रीवास्तव समेत सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंईयां योजना से वंचित महिलाओं का विरोध प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : धनबाद के अंचल कार्यालय में बुधवार को मंईयां सम्मान योजना से वंचित सैकड़ों महिलाओं ने जमकर प्रदर्शन किया। योजना का लाभ न मिलने से नाराज महिलाओं ने

चिरागोडाहीरापुर मुख्य सड़क को जाम कर दिया और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने योजना के प्रचारप्रसार वाले पोस्टरों को फाड़कर आग के हवाले कर दिया।

महिलाओं का आरोप है कि योजना की घोषणा के बावजूद अब तक उन्हें इसका लाभ नहीं मिला है। बारबार आवेदन देने और कार्यालय के चक्कर काटने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। अंचल कार्यालय के सीओ की गैरमौजूदगी से महिलाओं का आक्रोश और बढ़ गया।

महिलाओं ने कहा कि या तो मंईयां सम्मान योजना का लाभ सभी पात्र महिलाओं को मिले या फिर किसी को भी न दिया जाए। यह योजना महिलाओं को आर्थिक सहयोग और सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, लेकिन सही लाभार्थियों तक न पहुंच पाने के कारण यह विवादों में है।

किन्नर समाज ने किया दिलीप सिंह को सम्मानित

धनबाद (कासं) : धनबाद में २ जनवरी से चल रहे अखिल भारतीय किन्नर समाज के महाधिवेशन में बुधवार को युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष दिलीप सिंह ने शिरकत की। समाज की प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी व सचिव श्वेता किन्नर से उनका आशीष लिया। किन्नर समाज की ओर से दिलीप सिंह को अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

दिलीप सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बड़े ही हर्ष का विषय है कि किन्नर समाज के इस भव्य महाधिवेशन में देश भर से हजारों हजार किन्नरों का जुटान हुआ है। किन्नर समाज आज कोयलांचल वासियों पर दिल खोल कर अपना आशीष लूटा रहे हैं। ज़ब देश-दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में था तो अखिल भारतीय किन्नर

समाज ने यह मन्नत मांगी थी कि देशवासी कोरोना महामारी से उबर जाए तो निश्चित ही एक बड़ा सम्मेलन किया जायेगा। आज वह पल भी आ गया। जिसमे देश भर से ५ हजार किन्नर महाधिवेशन में जुटे हैं।

वेतन भुगतान को लेकर श्रमिकों का धरना जारी

गोविंदपुर (ससे) : भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कांड्रा के आउटसोर्सिंग १४ कर्मी बकाया वेतन का भुगतान एवं नियमित करने की मांग को लेकर ७ से १० जनवरी तक परियोजना निदेशक कार्यालय के गेट पर धरनाप्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन के दूसरे दिन बुधवार को आंदोलन कर रहे कर्मियों ने बताया कि अगर मांगें पूरी नहीं हुई तो ११ से १३ जनवरी तक सभी ठेका कर्मी भूख हड़ताल पर बैठने को विवश होंगे।

आंदोलन कर रहे विनोद कुमार सिंह, पंकज कुमार झा, इकबाल अंसारी, निसार अंसारी, टिंकल कुमार पासवान, तबरेज अंसारी, मोतीलाल दास, धणजीत सिंह, अख्तर अंसारी, वासुदेव नापित, कृष्ण कुमार पासवान, कार्तिक बाउरी, घनश्याम गोप, सुगवा देवी आदि शामिल है। उन्होंने बताया कि सभी मेसर्स साइंटिफिक सिक्योरिटी मैनेजमेंट सर्विसेज ने इन्हें एकाएक जुलाई २०२४ से काम से बैठा दिया था। इसके बाद बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के नेता विधायक अरुप चटर्जी ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और केंद्रीय सहायक श्रमायुक्त के समक्ष मामला रखा गया। इसके बाद उन्हें काम पर दोबारा रखा गया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन द्वारा प्रत्येक माह जल्द भुगतान करने तथा नियमित सेवा का आश्वासन दिया जा रहा है परंतु ऐसा नहीं हो रहा है। पिछले ६ माह से मजदूरी का

भुगतान नहीं होने तथा पहले की तरह काम पर रखने का पत्र नहीं मिलने से इन्हें आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि यदि मांगें पूरी नहीं की गई तो भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। विधायक अरूप चटर्जी ने उनकी मांगों का समर्थन किया है और आंदोलन में सहयोग का आश्वासन दिया है।

लूट के खिलाफ रांची में सम्मेलन करेंगी माकपा

सिंदरी (ससे) : बुधवार को सम्प्रदायिककॉरपोरेट गठजोड़ की लूट और नफरती मुहिम के खिलाफ और एक बेहतर झारखंड के लिए, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का तीन दिवसीय झारखंड राज्य सम्मेलन, ९ से ११ जनवरी तक एटीसी नामकुम रांची में होगा। सम्मेलन में पूरे राज्य के २४ जिलों से निर्वाचित ७५ महिला सहित ३५० प्रतिनिधि और दर्शन शामिल होंगे। धनबाद जिला से जिला सम्मेलन में निर्वाचित १६ प्रतिनिधि जिला सचिव संतोष घोष के नेतृत्व में सम्मेलन में शामिल होंगे। जिसमें चार प्रतिनिधि सिंदरी बलियापुर लोकल कमिटी से सचिव विकाश कुमार ठाकुर, संतोष महतो, गौतम प्रसाद एवं रानी मिश्रा शामिल है। यह जानकारी सीपीआई(एम) धनबाद जिला कमिटी सदस्य गौतम प्रसाद ने दिया। उन्होंने कहा सम्मेलन स्थल का नाम कामरेड सीताराम यचूरी नगर, कामरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य सभागार, शहीद कामरेड सुभाष मुंडा मंच, दिवंगत साथियों के सम्मान में रखा गया है।

९ जनवरी को खुला सत्र का आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्य वक्ता पार्टी के पोलिट ब्यूरो सदस्य झारखंड प्रभारी कामरेड वृंदाकारात, पूर्व सांसद पोलिट ब्यूरो सदस्य डॉक्टर रामचंद्र डोम, राज्य सचिव प्रकाश विप्लव एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष जानेमाने साहित्यकार रणेन्द्र होंगे। उन्होंने कहा अगले तीन दिनों तक पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राज्य की मेहनतकश जनता के ज्वलंत मुद्दों पर गहन विचारविमर्श कर आने वाले तीन सालों के लिए संघर्षों का रूपरेखा तैयार करेगा।

बीसीसीएल में विक्रेताओं की बैठक

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन में अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विक्रेताओं की बुधवार को बैठक हुई। बैठक महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) पी एस राम की अध्यक्षता में हुई। जिसमे बीसीसीएल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और बीसीसीएल के विक्रेताओं ने भाग लिये। महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) डॉ एस त्रीपाठी, महाप्रबंधक (पद्धति) डीपी मिश्रा, एजीएम (वाशरी डिवीजन) देवज्योति अधिकारी, उप प्रबंधक विक्की आनंद, प्रबंधक आलोक कुमार और प्रबंधक सोनू गुप्ता सहित अन्य

अधिकारी एवं कर्मचारी बैठक में उपस्थित थे।

बैठक के दौरान विक्रेताओं को बीसीसीएल की खरीद और आपूर्ति प्रक्रियाओं की बारीकियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विक्रेताओं के लिए ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट) में छूट और आरक्षित वस्तुओं की सूची पर विस्तार से चर्चा की गई।

समाधान पोर्टल, प्रोविजनल रिसीप्ट सर्टिफिकेट और ज्समेःसमाधान पोर्टल के माध्यम से शिकायत निवारण की प्रक्रिया, प्रोविजनल रिसीप्ट सर्टिफिकेट की उपयोगिता, और प्लेटफॉर्म की सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गई।

विक्रेताओं की समस्याओं का समाधानःअनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विक्रेताओं द्वारा उठाई गई विभिन्न समस्याओं और शंकाओं का समाधान किया गया।

बैठक न केवल ज्ञान और अनुभव के आदानप्रदान का माध्यम बनी, बल्कि बीसीसीएल के साथ व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए एक प्रभावी मंच साबित हुई। बीसीसीएल अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विक्रेताओं के सशक्तिकरण के लिए सदैव तत्पर है। इस तरह के आयोजनों से न केवल पारदर्शिता बढ़ती है, बल्कि विक्रेताओं के साथ कंपनी के संबंध और भी प्रगाढ़ होते हैं।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़फाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

28 दिन बाद मिला महिला का शव, पति समेत 4 गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : जिले में एक महिला का शव बरामद किया गया है। महिला २८ दिनों से लापता थी। महिला के मायके वालों ने ससुरालवालों पर दहेज प्रताड़ना और अपहरण का मामला भी दर्ज कराया था। जिसके बाद से पुलिस महिला की तलाश कर रही थी। परिजनों के आरोप के बाद पुलिस ने महिला के पति समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, धनबाद के मधुबन थाना क्षेत्र निवासी नीरज झा पर अपनी ही पत्नी अपराजिता की हत्या कर शव को नदी किनारे पुल के नीचे फेंकने का आरोप है। आरोप लगाया गया है कि नीरज ने पहले अपनी पत्नी की हत्या की और फिर उसके शव को नदी में फेंक दिया। इसके बाद अपराजिता के मातापिता को उसके लापता होने की सूचना दी।

अपराजिता का मायका बरौनी में है। नीरज की बात पर मायके वाले को भरोसा नहीं हुआ। जिसके बाद २३ दिसंबर को अपराजिता की मां गिरीश देवी मधुबन थाना पहुंची। मां गिरीश देवी ने अपराजिता के अपहरण और दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने आज अपराजिता का शव राजगंज थाना क्षेत्र के कतरी नदी पुल के नीचे से बरामद किया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

अपराजिता के चाचा ने बताया कि अपराजिता की शादी २०२२ में हुई थी। दहेज के तौर पर ८ लाख रुपये नकद दिए गए थे। शादी बड़े धूमधाम से हुई थी। शादी के बाद से नीरज अपराजिता के साथ दहेज के लिए मारपीट और प्रताड़ित करता था। अपराजिता के लापता होने के बाद पति समेत छह लोगों को आरोपी बनाते हुए थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। हम लोग पिछले पांच दिनों से धनबाद में हैं। सांसद मदद कर रहे हैं। थाने में दबाव डालने के बाद यह शव बरामद हुआ।

परिजनों का आरोप है कि अर्पिता की हत्या की गई है। हत्या के बाद उसे जंगल में ले जाकर फेंक दिया गया। उन्होंने बताया कि अपराजिता का पति १० तारीख को हत्या करने के बाद १२ तारीख को वह हमारे घर बरौनी पहुंचा था। वह स्कॉर्पियो खरीदने के लिए पैसे की मांग कर रहा था। जिसके लिए उन्होंने नीरज को ५० हजार रुपये भी दिए थे।

परिजनों का आरोप है कि अपराजिता को उसका पति अपने परिजनों से फोन पर बात नहीं करने देता था। पति नीरज कहता था कि अगर अर्पिता के घर से कोई मेरे पास आया तो हम लोग आत्महत्या कर लेंगे। वह हमेशा धमकी देता था।

अपराजिता की मां गिरीश देवी ने बताया कि पति नीरज १२ दिसंबर को आया था। उसने कहा कि तुम्हारी बेटी घर से भाग गई है। उसने धमकी देकर ५० हजार रुपए लिए कि बेटी भाग गई है। लेकिन यहां आने के बाद पता चला कि उनलोगों ने मिलकर बेटी को मार डाला।

वहीं मामले को लेकर बाघमारा एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने बताया कि २३ दिसंबर को अपराजिता की मां गिरीश देवी ने अपहरण और दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया था। अपराजिता का शव राजगंज थाना क्षेत्र के कतरी नदी के पुल के नीचे से बरामद किया गया। गिरीश देवी की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अपराजिता के पति नीरज झा, अपराजिता की सास और दो ननद को गिरफ्तार किया गया है।

अमृत प्रवचन में उमड़ी नरनारियों की भीड़

धनबाद (कासं) : श्याम गुणगान महोत्सव के ५०वें वर्षगांठ पर धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में प्रसिद्ध कथावाचक सह आध्यात्मिक कथा वाचक जया किशोरी का तीन दिवसीय कथा महोत्सव शुरू हो गया है। जया किशोरी प्रभु श्याम के गुणगान और श्री कृष्ण की माधुर्य लीलाओं के साथ तनाव पूर्ण जीवन को सहज बनाने के विषय पर चर्चा करेंगे।

वहीं, दूसरे दिन बुधवार को यह भव्य कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति से भरा रहा। यहाँ जुटी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ कथा का आनंद लेते हुए अध्यात्म में डूबी रही। कथा की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का गुणगान से हुई। इस दौरान जया

किशोरी ने अपने मधुर प्रवचनों से जीवन के मूल्यों, भक्ति, और सद्गुणों पर प्रकाश डाला। कथा के दौरान श्रद्धालु भावविभोर होकर भजनकीर्तन में शामिल हुए।

आयोजकों ने बताया कि कथा का उद्देश्य आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाना और समाज में भक्ति और संस्कारों का प्रसार करना है।

आयोजन के पहले दिन महोत्सव का आनंद लेने पहुंचे धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने कथा वाचक जया किशोरी जी को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की भव्यता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि गोल्फ ग्राउंड में जर्मन हैंगर पंडाल का निर्माण कराया गया है, जिसमें पांच हजार भक्त बैठक कर एक साथ श्याम प्रभु को रिझा रहे है। भक्तों की संख्या बढ़ने पर पंडाल के बाहर भी व्यवस्था की गई है। श्याम गुणगान महोत्सव के ५०वें वर्ष पर आयोजित इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में भक्त जया किशोरी जी के मुखारविंद से होर रहे श्याम गुणगान से लगातार तीन दिनों तक अभिभूत होते रहेंगे।

देशभर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो : राष्ट्रीय पत्रकार संघ

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय पत्रकार संघ (भारत) के धनबाद जिला अध्यक्ष व पदाधिकारी शिव शंकर यादव ने उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंप कर देशभर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की है। उपायुक्त को दिए ज्ञापन में कहा गया है कि इन दिनों देशभर में पत्रकारों पर हमले एवं हत्या का सिलसिला जारी है। पत्रकार अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

इसका ताजा मामला छतीसगढ़ का है। जहां सड़क घोटाले का समाचार लिखे जाने पर पत्रकार मुकेश चंद्राकार की नृशंश हत्या कर दी गई। नौ सूत्री

मांगों में पत्रकारों की सुरक्षा की गारंटी देना, सुरक्षा के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न की रोकथाम, पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करना, सुरक्षा के उपाय करना, पत्रकार के खिलाफ थाने में केस दर्ज करने से पहले मामले की जिला पुलिस द्वारा जांच करना तथा पत्रकारों को स्वास्थ्य सेवा, रेल, बीमा, आवास तथा पेंशन की व्यवस्था सुनिश्चित करना आदि शामिल है।

सरकारी जमीन पर कब्जे का मामला गर्माया

धनबाद (कासं) : धैया स्थित रानीबाँध तालाब के पास सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे

की शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित भूखंड पर जेसीबी से सफाई कार्य शुरू किया गया।

एसडीएम के निर्देश पर अंचल अधिकारी ने अमीन को मौके पर जांच के लिए भेजा। हालांकि, शुरुआती कार्रवाई न होने के कारण स्थानीय लोगों ने नगर आयुक्त से शिकायत की। इसके बाद सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार के निर्देश पर इंस्पेक्टर अनिल कुमार मौके पर पहुंचे और सफाई कार्य रुकवाया। उन्होंने दूसरे पक्ष से जमीन से संबंधित कागजात प्रस्तुत करने को कहा और जांच पूरी होने तक कार्य बंद रखने के निर्देश दिए।

इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि उक्त भूखंड (खाता संख्या १९६) पूरी तरह से खास जमीन है। संबंधित पक्षों को दस्तावेजों के साथ कार्यालय बुलाया गया है। जांच के बाद ही कोई ठोस निर्णय लिया जाएगा।

दूसरे पक्ष के लोगों का दावा है कि उक्त जमीन पर कोर्ट से डिग्री उनके पक्ष में हुई है। उनके अनुसार, उन्होंने कोर्ट के आदेश के आधार पर कार्य शुरू किया है। वे सभी संबंधित दस्तावेज अधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे। सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार ने बताया कि जमीन गैरमजरूआ आम की श्रेणी में आती है। अंचल अधिकारी पूरे मामले की जांच करेंगे और उचित कार्रवाई की जाएगी।

अब सभी पक्षों से प्राप्त दस्तावेजों की जांच के बाद ही यह तय होगा कि जमीन पर किसका अधिकार है और प्रशासनिक कार्रवाई किस दिशा में बढ़ेगी।

सड़क सुरक्षा माह पर ऑन रोड कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत रोज ऑन रोड का कार्यक्रम जिले के सिटी सेंटर, रणधीर वर्मा चौक, श्रमिक चौक पर रखा गया, जिसमें ट्रैफिक डीएसपी परिवहन पदाधिकारी व ट्रैफिक जवानों ने बुधवार को मिलकर अभियान चलाया और बिना हेलमेट ओर बिना सीट बेल्ट लगाए लोगों को ट्रैफिक डीएसपी परिवहन पदाधिकारी द्वारा गुलाब का फूल ओर माला पहना कर गांधीगिरी कर हेलमेट ओर सीट बेल्ट लगाने का आग्रह किया। वहीं दो पहिया वाहन चालक डबल सीट पर दोनों व्यक्तियों के द्वारा डबल हेलमेट पहनने पर ट्रैफिक डीएसपी ने रोक कर उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि आप दोनों ने समाज को अच्छा संदेश देने का काम किया है। ट्रैफिक डीएसपी ने कहा सड़क सुरक्षा सप्ताह १ तारीख से ३१ जनवरी तक चलाया जा रहा है। इसी को देखते हुए लोगों को जागरूक करने के लिए यह अभियान चलाया गया।

विधायक के पत्र पर रेल प्रबंधक ने लिया संज्ञान

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने क्षेत्र के प्रधानखंता स्थित बंद रेलवे फाटक से रेलवे लाइन के किनारे होते हुए छाताकुली गांव तक जाने वाली जर्जर सड़क निर्माण के लिए धनबाद के मंडल रेल प्रबंधक को अनापत्ति हेतु आवेदन दिया था।

विधायक श्री महतो के

आवेदन को मंजूरी देते हुए धनबाद के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने विधायक श्री महतो को इस आशय का एक पत्र प्रेषित कर उक्त पथ के निर्माण हेतु अनापत्ति प्रदान कर दी है। अब उक्त जर्जर पथ के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जिससे छाताकुल्ही एवं अगलबगल गांव के लोगों में हर्ष है। मालूम हो कि उक्त पथ का निर्माण कार्य अब तक नहीं होने से लोगों को उबड़ खाबड़ रास्ते से गुजरना पड़ता था। जिससे लोगों को काफी दिक्कतें होती थी। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने अपनी जीत के बाद ही पिछले १७ दिसंबर २०२४ को इस आशय को लेकर धनबाद मंडल रेल प्रबंधक को एक पत्र लिख कर उक्त पथ के निर्माण हेतु अनापत्ति की मांग की गई थी।

किन्नर को मिला विवाह का आमंत्रण

धनबाद (कासं) : सर्वधर्म सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह उनकी धर्मपत्नी जया सिंह ने बुधवार को बरामुड़ी स्थित वेडिंग वेल मैरिज गार्डन में चल रहे अखिल भारतीय किन्नर समाज के महाअधिवेशन में पहुंच कर आगामी १५ जनवरी को होने वाले १०१ जोड़े का सामूहिक में आने का आमंत्रण प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी को दी। छमछम देवी व किन्नर समाज के लोगों ने आशीर्वाद देते हुए विवाह में शामिल होने की बात कही।

धर्मजीत सिंह ने चलाया सदस्यता अभियान

बलियापुर (ससे) : मोको खेरबाड़ी में बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मजीत सिंह के नेतृत्व में भाजपा सदस्यता अभियान चलाया गया। १५० से भी अधिक लोगों को आनलाइन भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। श्री सिंह ने कहा कि देश में भाजपा ही स्थायी सरकार दे सकती है। भाजपा को मजबूत बनाने की जरूरत है। मौके पर मंडल अध्यक्ष विश्वजीत मुखर्जी आदि मौजूद थे।

बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

धनबाद (कासं) : बुधवार को धनबाद के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मे नेहरू युवा केंद्र भारत सरकार द्वारा बालिका

कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे एसपी क्लब धनबाद को विजेता घोषित किया गया।

वही प्रखंड कबड्डी संघ निरसा उप विजेता रही तथा तृतीय स्थान डीवाई पाटिल स्कूल ने प्राप्त किया। उक्त मौक़े पर जिला युवा पदाधिकारी एनवाईके के रवि मिश्रा पीके राय कॉलेज के हिंदी विभाग के प्रोफेसर बी एन यादव जिला कबड्डी संघ धनबाद के सचिव मिंटू ठाकुर, खुशबु, पप्पु कुमार यादव, झारखण्ड प्रदेश मूलनिवासी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यानंद किस्कू, मौजूद रहे। निर्णायक कि भूमिका मे जिला कबड्डी संघ के जिला कोच पप्पु कुमार यादव, दीपांकर प्रधान, सुमित, मोनिका टुडू, रही। जिला युवा पदाधिकारी श्री मिश्रा ने कहा कि जल्द जिला टीम गठित कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेगी। विजेता उप विजेता को जिला सचिव मिंटू ठाकुर जिला युवा पदाधिकारी रवि मिश्रा, प्रोफेसर यादव, सत्या नंद किस्कू, जिला कोच पप्पु कुमार यादव ने प्राइज वितरण किया।

पांडेयडीह में सोहराय पर्व संपन्न

बलियापुर (ससे) : पांडेयडीह गांव में बुधवार को सोहराय पर्व संपन्न हो गया। बुढ़ा बुढ़ी थान में आदिवासी महिला व पुरुषों ने नृत्य गीत प्रस्तुत किया। मौके पर पूर्व मुखिया समीर कुमार मुर्मू, कौशल्या देवी, तारा देवी, सुनीता देवी, मंगली देवी, गीत देवी, सरिता कुमारी, सुमन कुमारी, सूर्या कुमारी, कल्याणी देवी, मांझी हाड़ाम रघु किस्कू, नायकी हाड़ाम बुधू किस्कू, मनोहर हेम्ब्रम, सुधीर हांसदा, धरनी प्रसाद किस्कू, जयदेव हांसदा, नुनूलाल हेंब्रम आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने की जय बापू, जय भीम अभियान की शुरुआत

निरसा (ससे) : बुधवार को निरसा प्रखंड क्षेत्र बेनागोढ़िया पंचायत में बाबासाहेब अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुरुआत की गई। जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी मुख्य रुप से हुए उपस्थित थें। जहां फूल माला पहनाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया उनका स्वागत। बेनागोढ़िया मोड़ से जोगीतोपा मोड़ तक कांग्रेस का हाथ में झंडा बैनर लेकर कार्यकर्ता नारा लगा रहे थे। बाबासाहेब का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, बाबू हम शर्मिंदा हैं तेरे कातिल जिंदा हैं।

धनबाद जिला अंर्तगत सभी प्रखंड नगर में जय बापू, जय भीम अभियान, जय संविधान अभियान कार्यक्रम के उपरांत नुक्कड़ सभा हुआ। जिसकी अध्यक्षता निरसा प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष डीएन यादव ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार के द्वारा जिस प्रकार से संविधान पर लगातार

हमले किए जा रहे हैं। साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा हैं। संविधान से लगातार छेड़छाड़ किया जा रहा है। इस संदेश को जनजन तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध है। आगामी २६ जनवरी से पहले सभी प्रखंडों व नगर में जय बापू जय भीम अभियान जय संविधान अभियान कार्यक्रम को किया जा रहा है।

कार्यकारी जिलाध्यक्ष राशिद रजा अंसारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। संविधान में विश्वास नहीं है। अगर कुछ इधर हाल की घटनाओं पर नजर डालें, पार्लियामेंट सेशन पर नजर डालें। जो कुछ भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने किया हैं। वह फासिज्म का जीता - जागता नमूना हैं।

यह फांसीवाद का जीता-जागता नमूना है और इसीलिए मैं यह कहता हूं कि भाजपा एक फासीवादी पार्टी है। ये लड़ाई गांधी और गोडसे के चाहने वालों के बीच हैं। ये लड़ाई अहिंसा और हिंसा के बीच की है, ये लड़ाई सत्य और असत्य के बीच की लड़ाई है। इसमें हमारी जीत सुनिश्चित है।

बैठक को संबोधित करते हुए उन्होने कहा हम अपनी मांग को दोहराते हैं और तब तक कायम रहेंगे कि माफी मांगे। जब हम रामायण के रचयिता बाल्मिकी जी को भगवान बाल्मिकी मानते हैं तो संविधान के रचयिता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर को भगवान मानने में अमित शाह जी को क्या आपत्ति है। भाजपा के लोगों ने हर हर मोदी घर घर मोदी के नारे लगाकर भगवान का अपमान किया तो अमित शाह ने कोई आपत्ति नहीं उठाई। कार्यक्रम में. मुख्य रूप से निरसा प्रखंड के पर्यवेक्षक वकील बाउरी, असद कलिम, डीएन प्रसाद यादव, राम कृपाल गोस्वामी, अर्जुन भुईयां जियाउल हुसैन, श्यामल भंडारी हैदर अंसारी, उमेश रविदास, छात्रवली भुईयां, नंदन भुईयां, सचिन महतो, राम दास, आलम अंसारी, रोहिणी दास, बबलू दास, नीतियां दास, इकबाल सह, बबलू दास, दीपक दास, निजाम अंसारी, फॉरेस्ट दास, रखो हरिदास, सपन बाउरी, तपन भंडारी, किशन दास, बसु दास, सातो बुईयां, अर्जुन भुईयां, कारू कुमार, सचिन महतो, सुधांसु कुमार, रामचंद्र कुमार, नंदन कुमार आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

राज्य पेंशनर समाज का वनभोज

धनबाद (कासं) : बुधवार को झारखण्ड राज्य पेंशनर समाज प्रखण्ड शाखा कतरास, बाघमारा, धनबाद का मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन तोपचांची झील में हुआ। समारोह की अध्यक्षता हराधन मंडल ने किया। जिला संगठन की ओर से सचिव बासुदेव गोस्वामी, संयुक्त सचिव श्यामा नन्द लाल त्यागी एवं सेवा निवृत्त प्र अ अनिल कुमार सिंह शामिल हुए। वनभोज के आयोजन में अरुण चन्द्र मंडल, दर्शन प्र सिंह, निरंजन मोदक, हरि प्र रवानी आदि ने भाग लिया। जिला संगठन की ओर से ८० साल उम्र के पेंशनरों को साल एवं पुष्प माला देकर सम्मानित किया गया। अरुण चन्द्र मंडल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

उषा महतो ने किसानों के बीच बांटे बीज

बलियापुर (ससे) : बाघमारा में बुधवार को उद्यान विभाग धनबाद की ओर से किसान लाभुकों के बीच वितरण किया गया मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य उषा महतो ने लाभुकों को रवि फसल कद्दू, करेला, टमाटर, नेनुआ, बैंगन का बीज वितरण किया। कहा कि सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई समेत अन्य सुविधाएं दिया जाना चाहिए। इस दौरान किसानों को ज्यादा से ज्यादा फसल उत्पादन करने की बातें कही। मौके पर उद्यान विभाग कृषक मित्र सारथी मंडल, किसान ललीता देवी, चिन्तामणी देवी, विमला देवी, उषा देवी, शशिकला महतो, चायना देवी समेत काफी संख्या में लाभुक मौजूद थे।

संपादकीय

नक्सलियों का गढ़ बना हुआ है छत्तीसगढ़

देश के विभिन्न नक्सल प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे शांति देखी जाने लगी है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड आदि में अब पहले की तरह नक्सली हमलों में कमी दर्ज हुई है। मगर छत्तीसगढ़ अब भी नक्सलियों का गढ़ बना हुआ है। उन पर काबू पाने के लिए राज्य और केंद्र के अभियान लगातार चलाए जाते हैं। इसमें अक्सर नक्सलियों के मारे जाने की खबरें आती रहती हैं। मगर इससे नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम लगा पाना अब भी चुनौती बना हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि अगले साल तक नक्सलवाद का सफाया कर दिया जाएगा। इसके मद्देनजर छत्तीसगढ़ के सघन वनों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिए गए हैं। मगर सुरक्षाबलों की कार्रवाई के जवाब में नक्सली भी बड़े हमले करने की साजिशें रचने में कामयाब देखे जाते हैं। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुआ ताजा नक्सली हमला इसी का एक उदाहरण है।

बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले सुरक्षाबलों के अभियान के जवाब में नक्सलियों ने यह हमला किया। जब दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर का संयुक्त दल तलाशी अभियान से वापस लौट रहा था, तब घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने उनके वाहन पर हमला कर दिया। इसमें आठ सुरक्षाकर्मी और एक वाहन चालक मारे गए।

इस हमले में आईईडी विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। इसकी शक्ति आम विस्फोटकों से कई गुना अधिक होती है। सरकार अक्सर दावा करती है कि नक्सलियों का लगभग सफाया कर दिया गया है और अब वे कुछ सीमित इलाकों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर यह समझना मुश्किल है

कि इतनी चौकसी के बावजूद नक्सलियों के पास अत्याधुनिक हथियार और विस्फटोक किस तरह और कहां से पहुंच पा रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर और दंतेवाड़ा क्षेत्र में सघन जंगल होने की वजह से नक्सलियों के खिलाफ अभियान में मुश्किलें आती हैं। उनकी तलाशी और उन पर नजर रखना कठिन है। यही इलाका नक्सलियों का गढ़ बना हुआ है और सबसे अधिक इसी क्षेत्र में वे सुरक्षाबलों पर हमले करने में कामयाब होते हैं। मगर यह समस्या कोई नई नहीं है। इसके लिए हेलीकाप्टर से टोह लेने की योजना बनी थी। वैसे भी आजकल इतने अत्याधुनिक टोही उपकरण उपलब्ध हैं कि उनसे जंगलों में चल रही गतिविधियों का पता लगाना मुश्किल नहीं माना जा सकता। इसके बावजूद अगर नक्सली सुरक्षाबलों की योजनाओं और गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए रख पा रहे हैं, विस्फोटक और हथियार हासिल करने में कामयाब हो जा रहे हैं, तो इससे सुरक्षाबलों को अपनी रणनीति में बदलाव की अपेक्षा की जाती है। नक्सलवाद का उभार आदिवासी इलाकों में जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के लिए हुआ था, मगर अभी वह जिस रूप में अपनी जड़ें जमा चुका है, वह आतंकी गतिविधियों की शक्ल अख्तियार करता गया है। अब तो उनमें सरकार के साथ बातचीत का रुख भी नजर नहीं आता। अगर उन तक अत्याधुनिक हथियार और विस्फोटक पहुंच रहे हैं, तो जाहिर है, उनके पास बाहर से वित्तीय मदद भी पहुंच रही है।

इन सबके रास्ते सुरक्षाबलों और खुफिया तंत्र की नजर से कैसे ओझल बने हुए हैं, समझ से परे है। नक्सलवाद के खात्मे का भरोसा तब तक नहीं किया जा सकता, जब तक कि उन तक पहुंचने वाली वित्तीय मदद, हथियार, विस्फोटकों और अत्याधुनिक सूचना तकनीक आदि पर अंकुश न लगा ली जाए।

सच के लिए जोखिम उठाने वाले पत्रकार की कर दी गई हत्या

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की घटना से एक बार फिर यही साबित हुआ है कि व्यवस्थागत पारदर्शिता और कानून-व्यवस्था के तमाम दावों के बावजूद आज भी अवैध गतिविधियों को उजागर करना और दुनिया को सच बताना जोखिम का काम है। एक कमजोर पृष्ठभूमि वाले परिवार से निकले मुकेश चंद्राकर ने पत्रकारिता का पेशा चुना और कई बार खबरों के लिए जोखिम उठाते थे। मगर उनका यही साहस शायद कुछ लोगों की आंखों में खटकने लगा था। एक जनवरी की रात से वे लापता थे और बाद में उनका शव एक ठेकेदार के परिसर के सेप्टिक टैंक से बरामद किया गया। पोस्टमार्टम से पता चला कि उनकी बहुत बर्बरता से हत्या की गई थी। अब हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। खबरों के मुताबिक, इस हत्या का संबंध सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार से जुड़ी उस खबर से हो सकता है, जिसमें मुख्य आरोपी ठेकेदार को कठघरे में खड़ा किया गया था। इस प्रकरण से साफ है कि देश में दूरदराज के इलाकों में सच की खोज और उसका खुलासा किस स्तर तक एक जोखिम भरा काम हो चुका है। सवाल है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की क्या स्थिति है कि कोई ठेकेदार बिना किसी बाधा के अपनी भ्रष्ट गतिविधियां चलाता है और उसे किसी तरह की कानूनी रोकटोक का सामना नहीं करना पड़ता। यही नहीं, सच के लिए जोखिम उठाने वाले एक पत्रकार की हत्या कर दी गई। साफ है कि यह एक ओर भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार के ढीले-ढाले रवैये का सूचक है, तो दूसरी ओर, राज्य की कानून-व्यवस्था की लाचारगी का भी सबूत कि बर्बरता से पत्रकार की हत्या करने वालों को किसी का खौफ नहीं था। यह घटना बताती है कि दूरदराज के इलाकों में खबरें निकालने के काम में जुटे पत्रकारों पर हर समय किस स्तर का खतरा मंडराता रहता है। सरकार की लाचारगी और कानून-व्यवस्था के खोखलेपन का आलम यह है कि वह न तो भ्रष्ट और आपराधिक तत्त्वों पर नकेल कस पाती है और न ही उनकी गतिविधियों को दुनिया के सामने लाने वाले पत्रकारों की सुरक्षा मुहैया करा पाती है। ऐसे में, सच के सामने पैदा हो रहे जोखिम का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आज का कार्टून

आपने वोट दिया है इसका मतलब ये नहीं है कि आप मेरे मालिक हैं: अजीत पवार

युद्ध एवं आतंक से जूझती दुनिया में शांति का उजाला हो

“पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। यह समय मानवता के दुष्काल एवं आपातकाल का समय है, जिसमें युद्धरत होते देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर हो, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। सारे संसार में जिस तरह लोकतंत्र का हरण और पूंजीवाद का उत्कर्ष हो रहा है, उसमें शांति के लिए प्रयास धुंधले पड़ रहे हैं। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति, समाजव्यवस्था और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता।”

ललित गर्ग

नव वर्ष 2025 की शुरुआत दुनिया के लिए शांति, अमनचैन, अयुद्ध और समृद्धि का वर्ष बनने की कामना के साथ हुई लेकिन अमेरिका में नए साल के पहले ही दिन हुए आतंकी ट्रक अटैक में 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले ने शांति एवं अमनचैन के दुनिया के मनसूंबों पर पानी फेर दिया। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस आतंकी हमले को 42 वर्षीय अमेरिकी नागरिक शम्सुद्दीन जब्बार ने अंजाम दिया, जिसे इस्लामिक स्टेट-आईएसआईएस समर्थक माना जा रहा है क्योंकि उसकी गाड़ी से इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े कुछ दस्तावेज मिले हैं। इस हमले की जांच 'आतंकवादी कृत्य' के रूप में कर रहे हैं। जब्बार पुलिस की गोलीबारी में मारा गया।

बात केवल अमेरिका में हुए इस आतंकी हमले की नहीं है। समूची दुनिया युद्ध और शांति, आतंक एवं आनन्द, हिंसा और अहिंसा, भय और अभय के बीच झूलस रही है। दुनिया में कई सत्ताएं युद्धरत हैं, जबकि ज्यादातर लोग शांति चाहते हैं। अजीब अंतर्विरोध एवं विरोधाभास देखने को मिल रहा है। शांति का मतलब सिर्फ़ युद्ध का अभाव नहीं होता, बल्कि एक ऐसा वातावरण होता है जहां गतिशील, मज़बूत, सौहार्दपूर्ण और संपन्न समाज का निर्माण होता है। ऐसे समाजों में मानव क्षमता का अधिकाधिक इस्तेमाल होता है और जीवन शांति एवं सहजीवन के रूप में व्यतीत होता है। विडम्बना देखिये कि ज्यादातर लोग शांति, अमन-चैन चाहते हैं फिर भी युद्ध प्रेमी सत्ताएं व्यापक जन-समर्थन हासिल करती जा रही है।

विश्व में उथल पुथल कई मोर्चों पर चली रहती है जिस पर दुनिया का ध्यान आकर्षित होता रहता है। साथ में ही इसका प्रभाव शेष विश्व पर भी पड़ता है, लेकिन विश्व में शांति के लिए संघर्ष जिस बड़े पैमाने पर हो रहे हैं युद्ध एवं आतंक भी उससे बड़े पैमाने पर पनप रहे हैं। इस समय कम से कम दो लंबे युद्ध चल रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को तीन साल होने वाले हैं, जबकि गाजा और इस्राइल के युद्ध को भी एक साल से ज्यादा का समय हो चुका है। संसार लगभग चुपचाप, लाचार यह नरसंहार देख रहा है। युद्ध में केवल बर्बरता, लाशें, आग, मलबा और रॉकेट दिख रहे हैं। लोग बेबस हैं, बच्चे अचंभित हैं, औरतों के साथ बर्बरता हो रही है। फिर भी, इन युद्धों को रोकने की कोई सार्थक एवं प्रभावी पहल नहीं हो रही। क्या संसार ने युद्ध की अनिवार्यता और शांति की असंभावना को स्वीकार कर लिया है?

पूरा विश्व इस बीच दो गुटों में बंट चुका है। कुछ देश शांति का समर्थन कर रहे है तो कुछ मौन होकर युद्ध की अनिवार्यता को स्वीकार रहे हैं। लेकिन युद्ध के मुख्य किरदार एक-दूसरे के अस्तित्व को ही मिटाने की जिद में गोला-बारूद दाग रहे हैं। मानो एक-दूसरे का नामोनिशान ही मिटा देंगे, लेकिन इस बीच खुद को बचाने के लिए कुछ लोग बंकरों में छिप रहे हैं तो कुछ मातृभूमि की रक्षा के लिए युद्ध के मैदान में लड़ रहे हैं। युद्ध किसी का भी हो, जख्म बच्चों, महिलाओं एवं निर्दोषों को ही ज्यादा मिलते हैं। युद्ध दो देशों के बीच भले हो, लेकिन इससे समूचा विश्व आहत है, प्रभावित

है। इतने व्यापक विनाश, क्रूरता, हिंसा की संसार अनदेखी कैसे कर रहा है, यह प्रश्न मानव के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़ा होकर भी इतना सून कैसे हैं?

वैसे युद्ध एवं आतंकवाद किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है क्योंकि उसमें जीत-हार तो बाद की बात है, पहले इसमें मानवता को हानि और क्षति होती है। इसलिए युद्ध एवं आतंक न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक विक्षिप्तता का कारण बनते हैं, विकास का अवरोध होता है, पर्यावरण-विनाश का कारण होता है। इक्कीसवीं सदी अपनी निष्ठुरता, अमानवीयता एवं क्रूरता में इतना बेमिसाल और अभूतपूर्व होगी, ऐसी उम्मीद शायद ही किसी ने की हो। शांति की तलाश में लगी दुनिया के लिये युद्ध इतने अनिवार्य कैसे हो गये, यह एक गंभीर प्रश्न है।

पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। यह समय मानवता के दुष्काल एवं आपातकाल का समय है, जिसमें युद्धरत होते देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर हो, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। सारे संसार में जिस तरह लोकतंत्र का हरण और पूंजीवाद का उत्कर्ष हो रहा है, उसमें शांति के लिए प्रयास धुंधले पड़ रहे हैं। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति, समाजव्यवस्था और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है, इसका उदाहरण यूक्रेन-रूस तथा इजरायल-हमास युद्ध के परिणामों से विश्व मानवता पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से आंकना होगा। यह जंग सिर्फ अब रॉकेट और मिसाइल के दम पर नहीं लड़ी जा रही है, बल्कि यह जंग साइबर वर्ल्ड में भी पहुंच चुकी है, जो अधिक घातक है।

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कोई जंग असल दुनिया से लेकर साइबर वर्ल्ड तक पहुंची हो। यूक्रेन और रूस के युद्ध में भी हमने साइबर अटैक के कई मामले देखे हैं। ऐसा ही कुछ हमास और इजरायल के बीच होता दिख रहा है। हाल में हमास ने इजरायल पर अचानक हमला किया। इस हमले में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। इनमें सैनिकों से लेकर आम आदमी तक सभी शामिल हैं। उनके ऊपर कई साइबर अटैक हुए हैं। फोन ऐप को टार्गेट किया गया। इसके अलावा कई दूसरे मामले भी देखने को मिले हैं। इजरायल का रेड अलर्ट फोन ऐप सिस्टम भी साइबर अटैक का शिकार हुआ है। इस ऐप की मदद से इजरायल में रॉकेट और मिसाइल हमले के वक्त रियल टाइम अलर्ट मिलता है। ये चीजें बताती हैं कि जंग का अंजाम कितना घातक होता है।

अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा भी बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। इसलिये दुनिया अब युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहती है। दुर्भाग्य को मिटाकर सौभाग्य का उजाला करना होगा, जिसमें मानवीय संबंध, संवाद, सहकार, टीवी चैनल, सिनेमा, त्योहार, साहित्य, कलाएं- सभी शांति की विधाएं बनने लगे। नववर्ष में इसकी सार्थक शुरुआत हो एवं नये शांति के सूरज का अभ्युदय हो।

जीवन के इंद्रधनुष में हर कुछ भिन्न...

“सच यह है कि कुदरत को हमेशा सरलता तथा ईमानदारी पसंद आती है। वह यही चाहती है कि हम जैसे हैं, खुद को स्वीकार करें। अपना विकास करें। किसी ने जीवन के अनुभवों से यही सब सीख कर कहा होगा कि सुनो सबकी, लेकिन करो अपने मन की। इसलिए अपनी तरफ से अपने मनपसंद क्षेत्र में काम करते हुए सौ फीसद मेहनत करनी चाहिए। इसके बाद उसका परिणाम कुदरत पर छोड़ देना चाहिए। जिस कुदरत ने अपनी इस विविधता को इस तरह सहेज रखा है, वही सबका खयाल रखती है। मेहनत से ज्यादा और समय से पहले कभी किसी को कुछ नहीं मिला है।”

संदीप पांडे 'शिष्य'

अगर हम कुदरत के करिश्मे को गौर से देखें तो हैरानी होती है। हालांकि यह हैरानी हमारी समझने और खोज पाने की सीमा के कारण है। सच यह है कि सारा जगत ही इस हद तक विविधतापूर्ण है, जहां के बारे में हमें अंदाजा तक नहीं हो पाता। कुदरत से फितरत तक। संसार का कोई फूल हूबहू दूसरे फूल जैसा नहीं। नदी, पहाड़, झरना- कोई एक दूसरे जैसा नहीं है। कहीं-कहीं दिखने में समान होने का भ्रम भले हो। यानी हर कोई बेजोड़ ही है। फल मंडी में फल देखा जाए तो और भी अधिक हैरानी होती है। हर फल किसी न किसी पेड़ पर ही फलता और फूलता है। मगर सब अलग-अलग रस और स्वाद के। एक ही बगीचे में एक-सी माटी पर उगे दो अमरूद के पौधे भी जब फलदार वृक्ष बनते हैं तो उस पेड़ की शक्ल से लेकर उनके फल का जायका अलग-अलग हो सकता है। इंसान भी इसी तरह है। आज तक दुनिया मे किसी की अंगुली के निशान यानी 'फिंगर प्रिंट' दूसरे से मिलता हुआ नहीं पाया गया है। एक ही घर के एक ही माता-पिता की संतानें गुण और आदत में कितनी भिन्न होती हैं। यह भी हैरानी की ही बात है। जो इस सच को महसूस कर लेता है, वह न तो नकलची बनता है, न घिसे-पिटे रास्ते पर चलता है। वह मौलिक बनता है। वही सचमुच

में सार्थक जीवन जी रहा है, जो अपने अनोखे होने पर यकीन करता है।

ठीक इसी तरह अगर हम खुद के होने पर भरोसा करेंगे तो हमें अपनी खुशियों के लिए कभी भी किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, क्योंकि तब हम खुद ही खुद को खुश रख पाएंगे और अपने आप में खुशी ढूंढ़ने से पहले हम जैसे हैं, वैसे ही स्वयं को स्वीकार करें। दूसरों को देखकर खुद से उम्मीद करने से कहीं बेहतर है खुद से शिकायत कम और अपने आप पर भरोसा ज्यादा किया जाए। इससे संबंधित एक संदर्भ कथा है। एक व्यक्ति की मानसिकता का अंदाजा लगाने के लिए उससे पूछा गया कि 'विश्व में मनुष्यों के बीच बहुत तरह की असमानताएं हैं। कई तरह के भेदभाव हैं। उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है?' व्यक्ति ने उत्तर दिया कि 'ऐसा करने की आवश्यकता क्यों है? अगर हम पर्वतों को तोड़कर उन्हें समतल कर देंगे तो ऋतु चक्र प्रभावित होगा। उस इलाके के पर्यावरण पर असर होगा।

कई तरह के जीव-जंतुओं का आश्रय समाप्त हो जाएगा। अनेक तरह की वनस्पतियां खत्म हो जाएंगी।फिर नदियां कैसे निकलेंगी? फिर मछलियां कैसे जीवित रहेंगी? विश्व इतना विशाल और विस्तृत है कि ये असमानताएं ही उसे पूर्णता प्रदान करती हैं। हालांकि यह एक पक्ष हो सकता है कि भिन्नता और विविधिता में संसार की खूबसूरती है, लेकिन इस तर्क पर मनुष्य के समाज में असमानता या विषमता को सही नहीं ठहराया जा सकता। कुदरत की विविधता को असमानता के रूप में नहीं देखा जा सकता। विविधता जहां सौंदर्य है, वहीं असमानता अन्याय का प्रतीक।

सच यह है कि कुदरत को हमेशा सरलता तथा ईमानदारी पसंद आती है। वह यही चाहती है कि हम जैसे हैं, खुद को स्वीकार करें। अपना विकास करें। किसी ने जीवन के अनुभवों से यही सब सीख कर कहा होगा कि सुनो सबकी, लेकिन करो अपने मन की। इसलिए अपनी तरफ से अपने मनपसंद क्षेत्र में काम करते हुए सौ फीसद मेहनत करनी चाहिए। इसके बाद उसका परिणाम कुदरत पर छोड़ देना चाहिए। जिस कुदरत ने अपनी इस विविधता को इस तरह सहेज रखा है, वही सबका खयाल रखती है। मेहनत से ज्यादा और समय से पहले कभी किसी को कुछ नहीं मिला है।

जो भी परिपक्वता के बाद प्रकट होता है, वह शाश्वत रहता है। उसमें एक गरिमा होती है। महात्मा गांधी का सरोकार देश और यहां के लोगों को कहां लेकर आया। उन्होंने सत्याग्रह पर अनगिनत प्रयोग किए। वकालत को त्याग दिया। अंग्रेजों से लोहा लिया। एक शस्त्र न उठाया। मगर अंग्रेज उनसे कांपते थे। उसकी वजह थी उनकी स्थिरता और परिपक्वता। गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर कहते थे कि आप अपने कर्म करते हुए बस एक अच्छे और सच्चे इंसान बन जाओ। आगे की हर बात बहुत ही मनभावन तथा अच्छी होती जाएगी। अगर मन में कपट है तो फिर कुछ भी संतुलित नहीं रहेगा। चीजें पटरी से उतरती जाएंगी। जीवन का रंग खिलकर निखर न सकेगा। अगर व्यक्ति के मन में स्वार्थ होगा, तो उसका प्रभाव उसके सार्वजनिक आचार-व्यवहार पर पड़ेगा। हो सकता है कि कुछ समय तक वह कुछ लोगों की नजर में अच्छा या लाभकारी साबित हो, लेकिन कुछ समय बाद उसके विचार और व्यवहार जमीनी स्तर पर ऐसे प्रभाव पैदा करने लगते हैं कि उससे किसी को नुकसान भी हो सकता है। इसी वजह से धीरे-धीरे लोग उससे दूर होने लगते हैं। स्वार्थी व्यक्ति किसी के लिए न उपयोगी बन पाते हैं और न जीवन में उन्हें अच्छे अवसर मिलते हैं। सवाल है कि स्वार्थ की छिपी मंशा को कब तक छिपाया जा सकता है। एक न एक दिन लोग उसे पहचानने ही लगते हैं और ऐसे लोगों से कटना शुरू कर देते हैं। स्वार्थ के परिणाम अंतिम तौर पर ऐसे ही निकलते हैं। यह भी सच है कि जगत में चीजें हमेशा बदलती हैं। जो कल था, वह आज नहीं है और जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। मगर हम उम्मीद करें कि जीवन और जगत को देखने का हमारा नजरिया हमेशा मानवीय तथा लोक कल्याणकारी रहे। इससे हमारे आसपास के लोगों का परिदृश्य भी बदलेगा और वह बदलाव बेहतरी के लिए ही होगा।

उपायुक्त ने की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने बुधवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की। मौके पर सिविल सर्जन (सीएस) डा. ए बी प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी (डीएसडब्ल्यूडी) डा. सुमन गुप्ता, सभी प्रखंडों के प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी (एमओआइसी), सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी दीपक कुमार, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

इस दौरान उपायुक्त ने क्रमवार गर्भवती महिलाओं का एएनसी निबंधन/ एएनसी जांच, हेमोग्लोबिन जांच, कैल्सियम, अल्मेंडाजोल, फोलिक एसिड की दवाओं के वितरण, पोस्टपारटम चेकअप, फैमली प्लानिंग, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) के तहत मां और बच्चों का उचित देखभाल - भोजन उपलब्ध कराने को लेकर प्रखंडवार विस्तृत समीक्षा की। इस क्रम में लक्ष्य अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने को लेकर नावाडीह, कसमार एवं गोमिया प्रखंड के प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी (एमओआइसी), प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीएम) एवं योजनाओं के ससमय क्रियान्वयन प्रदर्शन बेहतर करने को लेकर निगरानी/अपने स्तर पर समीक्षा बैठक नहीं करने/क्षेत्र भ्रमण नहीं करने को लेकर सिविल सर्जन एवं डीपीएम से स्पष्टीकरण पूछने* का निर्देश दिया। वहीं, अगले आदेश तक के लिए सभी संबंधितों का वेतन स्थगित करने को कहा।

उपायुक्त ने सभी को प्रदर्शन में अविलंब सुधार लाने को कहा। उन्होंने प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारियों को अपने प्रखंड मुख्यालय में ही आवासन करने का निर्देश दिया। कहा कि इसमें किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एमओआइसी को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की निगरानी करते हुए लक्ष्य अनुरूप प्रदर्शन का निर्देश दिया। गर्भवती महिलाओं का एएनसी रजिस्ट्रेशन करने, उनका सही समय पर एएनसी जांच करने, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएस एनडी) पर आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध एएनसी कीट का इस्तेमाल करते हुए नियमित जांच करने, संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लिए निर्धारित मानक अनुरूप प्रदर्शन करने को कहा।

समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय करते हुए कसमार, नावाडीह एवं गोमिया प्रखंड में अभियान चलाकर विशेष कैंप का आयोजन करने को कहा। वहीं, डीएसडब्ल्यूओ, संबंधित एमओआइसी, डीपीएम - आईईसी इंचार्ज को शिविर में शामिल होने को कहा। समीक्षा क्रम में जिला समन्वयक एवं आईईसी इंचार्ज द्वारा विभाग के संचालित योजनाओं का सही ढंग से प्रचार - प्रसार नहीं करने, कार्य - दायित्व में दिलचस्पी नहीं लेने को लेकर स्पष्टीकरण पूछने एवं अगले आदेश तक वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने समीक्षा क्रम में गर्भवती महिलाओं को निजी क्लिनिकों में निःशुल्क अल्ट्रासाउंड कराने को लेकर हुए एमओयू का व्यापक प्रचार - प्रसार करने को कहा। साथ ही, निजी क्लिनिक द्वारा प्रतिदिन कितने ऐसे गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया गया, उसका प्रतिवेदन जिला को उपलब्ध कराएंगे। परिवार नियोजन के दिशा में भी लक्ष्य अनुरूप कार्य नहीं होने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। वहीं, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) के तहत अस्पताल में इलाजरत महिलाओं को नास्ता - भोजन, अस्पताल आने और जाने के लिए खर्च उपलब्ध कराने आदि का निर्देश दिया। मरीजों के लिए भोजन की व्यवस्था के लिए सभी एमओआइसी को बीडीओ के साथ समन्वय करते हुए व्यवस्था करने को कहा।

इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा करते हुए जरूरी दिशा - निर्देश दिया। सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग के तहत सभी संचालित योजनाओं में जिले का प्रदर्शन बेहतर करने को लेकर कहा।

उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार कक्षा १० के छात्र - छात्राओं के लिए ०७ जनवरी को आयोजित जिला स्तरीय प्रि-बोर्ड परीक्षा में छात्रों की उपस्थिति कम होने को लेकर संबंधित २८ मध्य विद्यालय एवं उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/लप्रभारी प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण पूछा है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) ने जारी पत्र में कहा है कि जिला स्तरीय प्रि-बोर्ड परीक्षा के संबंध में सभी प्रधानाध्यापकों/ प्रभारी प्रधानाध्यापक को निदेशित किया गया था। परीक्षा विषय में बच्चों को सूचित करने एवं शत-प्रतिशत उपस्थित सुनिश्चित करने हेतु निदेशित किया गया था। इस संबंध में दिनांक ०६.०१.२०२५ को सभी प्रधानाध्यापकों/ प्रभारी प्रधानाध्यापक साथ ऑन लाईन बैठक करते हुए आवश्यक दिशा - निर्देश भी दिया गया था।

बावजूद, दिनांक ०७.०१.२०२५ को आयोजित परीक्षा के प्रथम दिन जिले के २८ विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति ५० प्रतिशत एवं उससे कम पाई* गई है। कसमार प्रखण्ड में कुल ११ में से ०५ विद्यालयों में उपस्थिति कम पाई गई जो कि अत्यनत ही खेदजनक है। इस बाबत विभिन्न अखबारों में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया है।

डीईओ ने सभी प्रधानाध्यापकों/ प्रभारी प्रधानाध्यापकों से पूछा है कि किस परिस्थिति में आपके विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम हुई ? छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु आपके द्वारा क्या प्रयास किया गया। उन्होंने पत्र प्राप्ति के ०३ दिनों के अंदर कार्यालय को जवाब उपलब्ध कराना सुनिश्चत करेंगे, अन्यथा अग्रेतर की जाएगी।

बुधवार को जिला सहकारिता भवन सभागार में न्यादर्श निबंधन प्रणाली के अंतर्गत जिले के सभी अंशकालिक प्रगणकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में उप निदेशक पर्णलेखा दास गुप्ता एवं सहायक निदेशक गजेन्द्र गुप्ता के द्वारा सभी प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान जिला सांख्यिकीय पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी अशोक कुमार खलको एवं जनगणना कार्य निदेशालय, रांची के सांख्यिकीय अन्वेषक ग्रेड-खख सकलदेव प्रसाद के द्वारा सभी अंशकालिक प्रगणकों को संबंधित इकाइयों में होने वाले जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं को मोबाइल एप के द्वारा दर्ज करने से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

तंबाकू के दुष्प्रभाव पर सेमिनार का आयोजन

बोकारो (ससे): गोमिया प्लस टू हाई स्कूल एवं होसीर हाई स्कूल में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य द्वारा की गई। जिला परामर्शी मो० असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधी परिणाम, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोडने के उपाय, परामर्शी सेवा लेने की सुविधा, टाल फ्री नम्बर १८००-११-२३५६ एवं तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के मुख्य बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला परामर्शी ने बच्चों को बताया कि तंबाकू के अंदर ४००० से अधिक जहरीले तत्व होते हैं जो मानव शरीर में विभिन्न प्रकार की बीमारियां उत्पन्न करती है निकोटीन की वजह से सोचने समझने की क्षमता में कमी आता है सेमिनार के दौरान सभी बच्चों को बताया कि तंबाकू का सेवन पहले खुद ना करें और साथ ही ऐसी जगह से बचें जहां धूम्रपान का सेवन किया जाता है क्योंकि यदि आप उस जगह पर खड़े रहते हैं तो पैसिव स्मोकिंग की वजह से आपको भी नुकसान हो सकता है तो ऐसी जगह से बचें जहां खुले में धूमपान किया जाता है लाता है तम्बाकू में पाया जाने वाला निकोटीन, कार्बन मोनोआक्साईड, टार, बेंजीन आदि रसायनिक गैसें भी हमारे आने वाले पीढी को कितना नुकसान कर सकते है आप अन्दाजा नही लगा सकते। ऐसे मे हम सभी से अनुरोध करना चाहते है कि यदि आप तम्बाकू का उपयोग करते है तो तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र से सम्पर्क कर तम्बाकू छोड कर तम्बाकू मुक्त समाज का निर्माण करें और बच्चों से अनुरोध है कि यदि आपके माता पिता भी इसका उपयोग करते है तो उन्हें भी तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दे।

कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य लल्लन प्रसाद जिला परामर्शी मो० असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

मरम्मत कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप

दुमका (ससे): शिकारीपाड़ा हैप्पी क्लब के अध्यक्ष विकास भगत प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि वर्तमान में दुमका रामपुरहाट मरम्मत का कार्य चल रहा है मरम्मत कार्य में लापरवाही एवं अनियमितता बरती जा रही हैं मरम्मत का कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है दर्जनों जगह ३ महीने पूर्व में स्कायर कटिंग किया गया है परंतु अब तक बिटुमिनस का कार्य नहीं हुआ है स्कायर कटिंग करके छोड़ देना जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ गई है.

सड़क साइड शोल्डर की गड्ढा में मिट्टी भराव का कार्य नहीं किया जा रहा है दुमका रामपुरहाट रोड छक१४- मे सीमानीजोर से लेकर से लेकर बंगाल बॉर्डर तक कई जगह सड़क के किनारे डस्ट (गिट्टी का चूर्ण) का ढेर लगा दिया गया है उपरोक्त डस्ट को हटाने की आवश्यकता है रोड साइड में रखा डस्ट दुर्घटना का कारण बन सकता हैं डस्ट के कारण कई मोटरसाइकिल वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं कार्यपालक अभियंता के द्वारा गलत भ्रामक जानकारी दी जा रही है डस्ट हटा दिया गया है सिर्फ सरंसडंगाल से डस्ट हटाया गया है रोड के दोनों साइड सोल्डर पर जंगली झाड़ जंगल की सफाई नहीं की जा रही है . सड़क के दोनों साइड २५ फीट तक उगे जंगली घास झाड़ी की साफ सफाई की जाए दुमका रामपुरहाट रोड में सैकड़ो जगह सड़क के ऊपर मिट्टी से जम गई उपरोक्त मिट्टी को हटाने की आवश्यकता है.

मिट्टी जमीं होने के कारण व्हाइट ट्रैफिक लाइन एवं रेडियम रिफ्लेक्टर नहीं दिख रहे हैं सूखे पेड़ों की कटाई चार-पांच सालों से मुख्य अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता के अनुसार पेंडिंग है सूखे पेड़ों की कटाई अत्यंत आवश्यक है सूखे पेड़ों को काटा नहीं जा रहा है फोर लाइन का बहाना बनाया जा रहा है नए सिरे से ट्रैफिक लाइन किये जाए उपरोक्त बातों पर ध्यान नहीं दिया गया तो हैप्पी क्लब शिकारीपाड़ा के सदस्य सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस संबंध में एन एच के किसी भी पदाधिकारी से संपर्क स्थापित नहीं हो सका।

शेख भिखारी व टिकैत उरांव का मना शहादत दिवस

डुमरी (ससे): कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने डुमरी किसान भवन में बुधवार को शेख भिखारी और टिकैत उरांव का शहादत दिवस मनाया।इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उपरोक्त दोनों के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को आत्मसात करने एवं देशहित व समाजहित में किये गये कार्यों याद किया जबकि

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष महेश भगत ने शेख भिखारी और टिकैत उरांव के जीवनी पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल युवा कांग्रेस के जिला सचिव सरफराज अहमद उर्फ गुड्डु प्रखड महासचिव सादिक अली प्रखड उपाध्यक्ष सनाउल्लाह अन्सारी,फुलमनी देवी,करीम बक्स,सिन्टू कमार आदि उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर में 42 यूनिट रक्त संग्रह

डुमरी (ससे): गिरिडीह रक्त अधिकोष में रक्त की कमी एवं अधिकोष में नियमित रूप से रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देशानुसार सदर अस्पताल गिरिडीह के द्वारा बुधवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ४२ यूनिट रक्त संग्रह किया गया।शिविर गिरिडीह सदर अस्पताल के डॉ सोहेल अख्तर के नेतृत्व में हुआ जिनके सहयोग के लिए एलटी संत कुमार एलटी उज्ञवल मंडल एलटी विनिता मराण्डी एमएसडबल्यू आनंद सिंह व डीओ सुधीर कुमार कर रहे थे।

शिविर में मुखिया सुबोध यादव,निशांत,संतोष महतो,उमेश ठाकुर,नीतीश,नरेश कुमार,आनंद कुमार,विक्रम कुमार, आदित्य कुमार आदि ने रक्तदान कर अन्य लोगों को भी प्रेरित किया।शिविर का मॉनिटरिंग सीओ डुमरी शशिभूषण वर्मा बीडीओ अन्वेषा ओना डुमरी रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश महतो कर रहे थे।अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान कर हम किसी जरूरतमंद की जीवन बचा सकते हैं।कहा कि रक्तदान को ले आमजनों में जो भ्रांतियां हैं। वे सब निराधार है। कार्यक्रम में रेफरल अस्पताल के बीपीएम पूजा कुमारी बीएएम राम प्रवेश बीटीटी मानिकचन्द महतो प्रखण्ड कार्यालय के हेमंत कुमार आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने एक को भेजा जेल

डुमरी (ससे): निमियाघाट थाना कांड संख्या ९८/२४ दिनांक १७.१२.२०२४ धारा ३०९(६) बीएनएस के प्राथमिकी अभियुक्त जितेन्द्र प्रसाद महतो (३२) (पिता खेमलाल महतो) साकिन कुलगो टोला बड़वाटांड थाना डुमरी को निमियाघाट पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को गिरिडीह जेल भेज दिया।ज्ञातव्य हो कि मछली लदे गाड़ी को पकड़ कर उससे ९० हजार रुपये ऑनलाइन लेकर छोड़ने के मामले में उक्त कांड अंकित किया गया था।

अतिक्रमण के नाम पर अवैध वसूली शुरू

दुमका (ससे): अतिक्रमण के नाम पर अंचल अधिकारी शिकारीपाड़ा द्वारा अवैध राशि की वसूली शुरू कर दी गई है यदि सड़क के किनारे कोई सरकारी भूमि अतिक्रमित कर रोजी रोजगार कर रहा है तो उसे अंचल अधिकारी शिकारी पाड़ा को सुविधा शुल्क पहुंचानी होगी यदि सुविधा शुल्क नहीं पहुंचा तो उसके विरुद्ध तुरंत कार्रवाई की जाएगी अगर शुल्क पहुंचा दिए तो किसी प्रकार का कोई अतिक्रमण उन्हें दिखाई नहीं देगा इस इसका जीता जागता उदाहरण शिकारीपाड़ा बाजार में देखने को मिल रहा है।

अतिक्रमण को हटवाना अंचल अधिकारी की करवाई काबिले तारीफ है लेकिन पूर्ण रूप से अतिक्रमण पदाधिकारी द्वारा हटाया जाता है तो। लेकिन अंचल अधिकारी शिकारी पाड़ा द्वारा शिकारी पाड़ा बाजार में मात्र ६ व्यक्तियों के विरुद्ध ही अतिक्रमण की कार्रवाई की गई है इससे यह स्पष्ट होता है कि अन्य लोगों द्वारा या तो सुविधा शुल्क देकर उन्हें चुप किया गया है या अंचल अधिकारी व्यक्ति विशेष को चुनकर अतिक्रमण की कार्रवाई कर रहे हैं। शिकारी पाड़ा केसाथ-साथ अंचल के राष्ट्रीय उच्च पथ में चिरू डीह मकड़ा पहाड़ी एवं सरस डंगाल पिनर गढ़िया तथा हरिपुर से

बेना गढ़िया होते हुए आसान बनी पी डब्लू डी पथ मैं हरिपुर चित्रा गढ़िया बास पहाड़ी के किनारे पथ से सेट क्रेशर ब्रिज जिस धर्म कांटा भी कहा जाता है एवं पत्थर खदानें अवस्थित हैं यह अतिक्रमण अंचल अधिकारी शिकारी पद को कभी दिखाई नहीं देता है क्योंकि यहां से उन्हें प्रतिमा एक मोटी राशि उन्हें पहुंचाने की बात कही जाती है।

इस संबंध में अंचल अधिकारी का पक्ष जानने के लिए कपिल देव ठाकुर से काफी प्रयास के बावजूद भी उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका क्योंकि मोबाइल की घंटी बजती रही और कपिल देव ठाकुर ने फोन रिसीव नहीं किया।

एक्सप्रेस में मिला 25 लाख से भरा बैग

आगरा,(ईएमएस): यूपी की ताज नगरी आगरा जिले में केरला एक्सप्रेस में एक नोटों से भरा हुआ बैग मिला। इस बैग में करीब २५ लाख रुपए थे और यह पूरी रकम ५०० रुपए के नोट थे। यह बैग आगरा कैंट जीआरपी की एस्कॉर्ट टीम को मिला। हालांकि जब अधिकारियों ने बैग के मालिक का पता लगाने की कोशिश की लेकिन पता नहीं लगा सका कि यह बैग किसका था।

स्वदेशी मेला में उमड़ी लोगों की भीड़

बोकारो (ससे): यहां के सेक्टर ४ स्थित मजदूर मैदान में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित इस्पतांचल स्वदेशी मेला मे यूपी के सहारनपुर की हैंडीक्राफ्ट तथा गया के हैंडीक्राफ्ट की वस्तुओं हर उम्र के लोगों को लुभा रही है। यहां लकड़ी के बने खिलौने मिल रहे हैं। जो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को आकर्षित कर रही है। लोग अपने परिवार के लिए लकड़ी से बने सामानों की जमकर बिक्री कर रहे हैं।

इधर मेला घूमने आए नगरवासियों के लिए आयोजित ज्ञान, ध्यान व गान संध्या में आर्ट ऑफ़ लिविंग के लोगों ने अपने उम्दा कला के प्रदर्शन से लोगों को आनन्दित किया। आर्ट ऑफ लिविंग के डीडीसी राम नारायण जी ने बताया कि आर्ट ऑफ़ लिविंग से जुड़कर तनाव मुक्त जीवन व हिंसा मुक्त समाज की स्थापना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के १८० देश में लोग आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़े लाखों लोग अपने जीवन के साथ साथ सामाजिक जीवन में बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग के बाद बताए हुए सिद्धांतों को एम्स, नशा, वर्ल्ड साइकाइट्रिक संगठन और वर्ल्ड साइंटिस्ट संगठन ने यह प्रमाणित किया है की इनके सिद्धांतों को अपना करके आप अपने जीवन में उन्नति और सुधार कर वसुधैव कुटुंबकम की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं।

मालूम हो कि स्वदेशी मेला में मंच द्वारा घूमने आए दर्शकों का विशेष ध्यान रखा जाता है इनके खरीदारी और मनोरंजन के लिए प्रत्येक दिन तरह-तरह के रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इधर सर्व प्रथम आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक व शिक्षिका दीपक कुमार व संध्या देवी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की.

बीएसएल में ग्रीनको रेटिंग सिस्टम का शुभारंभ

बोकारो (ससे): भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) के द्वारा विकसित ग्रीनको रेटिंग सिस्टम उत्पादन कंपनियों को पर्यावरण को बेहतर बनाने में सहायता प्रदान करता है.ग्रीनको रेटिंग सिस्टम ऊर्जा के क्षेत्र में दस मुख्य कारकों दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, अपशिष्ट प्रबंधन, सामग्री संरक्षण, पुनर्चक्रण हरित आपूर्ति श्रृंखला, उत्पाद भण्डारण, जीवन चक्र मूल्यांकन, पर्यावरण और हरित बुनियादी ढांचे के लिए नवाचार और पारिस्थितिकी जैसे प्रथाओं के मूल्यांकन और उन्हें बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है.

आज दिनाँक ०८ जनवरी को बी एस एल के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) के द्वारा विकसित ग्रीनको रेटिंग सिस्टम पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यकारी निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रँगानी के द्वारा परंपरागत तरीके से दीप प्रज्वलित कर शुरू किया गया. इस मौके पर अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा , अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, बी जी एच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय, भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) के सी शिवानंद, विवेक कुमार सिंह एवं रवि कुमार के साथ मुख्य महाप्रन्धक, विभागाध्यक्ष तथा वरीय अधिशासीगण उपस्थित थे. उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट को सेल की पहली इकाई के रूप में ग्रीनको रेटिंग सिस्टम के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चुना गया है. बी एस एल में इसके परिचालन और कार्यान्वयन के आधार पर इस सिस्टम को सेल के अन्य इकाइयों में लागु करने का निर्णय लिया जाएगा। वर्तमान में, १००० से अधिक इकाइयाँ अपनी वृद्धि के लिए ग्रीनको रेटिंग को लागू करने पर काम कर रही हैं. ग्रीनको को अपनाने के बाद कंपनियों को ३५०० करोड़ रुपये की वार्षिक बचत हुई है.

एन पी श्रीवास्तव , महाप्रबंधक (ई सी एस) ने सभी लोगों का स्वागत किया. नितेश रंजन, सहायक महाप्रबंधक (ई सी एस) के द्वारा बोकारो स्टील में अपनायी गयी प्रक्रियाओं पर एक प्रस्तुतीकरण किया गया. भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) के ग्रीनको टीम के द्वारा भी एक प्रस्तुतीकरण किया गया. तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्रॉस फंक्शनल टीमों का गठन किया गया है जो मिलकर ग्रीनको रेटिंग प्रणाली के लागु करने के बारे में काम करेंगी.

कार्यक्रम का आयोजन बिज़नेस एक्सीलेंस विभाग के विभागाध्यक्ष ऐ के सिन्हा के मार्गदर्शन में किया गया. कार्यक्रम का सञ्चालन बिज़नेस एक्सीलेंस विभाग की वरीय प्रबंधक सुश्री देव्यानी चक्रवर्ती ने किया तथा कार्यक्रम का समापन अनुपमा तिवारी, महा प्रबंधक (बिज़नेस एक्सीलेंस) के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ.

रात को बजाने लगा बैंक का इमरजेंसी अलार्म

हरदोई (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में देर रात भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का इमरजेंसी अलार्म बजने के बाद हड़कंप मच गया। घटना की सूचना जैसे ही पुलिस को लगी आनन-फानन में थाने का पूरा फोर्स बैंक के बाहर जमा हो गया। लेकिन कुछ भी संदिग्ध नजर नहीं आया। इसके बाद रात में ही बैंक के अधिकारियों को बुलाकर बैंक खुलवाई, तब सामने आया कि चूहों की शरारत की वजह से बैंक का इमरजेंसी अलार्म बज गया था। दरअसल गांधी मैदान के पास स्टेट बैंक की शाखा है। करीब ११ बजे बैंक का इमरजेंसी अलार्म अचानक बजने लगा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर पुलिस भी दौड़ी चली आई। काफी देर तक खोजने के बाद पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। इसके बाद बैंक के अधिकारियों को रात में ही बुलवाकर बैंक खुलवाई गई।

शिक्षक भर्ती में धांधली करने वाले 68 अभ्यर्थियों पर कार्रवाई

पटना (एजेंसी): पिछले कुछ वर्षों से देश में विपक्ष की ओर जातीय जनगणना की काफी मांग की जा रही है. विपक्षी नेता हर चीज में जातीय समीकरण खोजने की कोशिश करते हैं. इतना ही कुछ दलों ने तो अपनी राजनीति ही सिर्फ एक जाति तक सीमित कर रखी है. ऐसे में बिहार में बीपीएससी ने शिक्षक भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले जिन ६८ अभ्यर्थियों पर कार्रवाई की है, उनका जातिगत आंकड़ा भी जान लेना चाहिए. बीपीएससी की ओर से दोषी अभ्यर्थियों की जो लिस्ट जारी की हई है, उसमें बहुत सारे नाम तो ऐसे हैं, जिनसे उनकी जाति का पता लगाना मुश्किल है. हालांकि, जिन अभ्यर्थियों के नाम से उनकी जाति का पता लग सकता है, हम उनका आंकड़ा पेश कर रहे हैं.

जातिगत हिसाब से फर्जीवाड़ा करने वाले अभ्यर्थियों में ऐसे लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है, जिनके नाम से जाति का पता नहीं लगाया जा सकता. इसके बाद यादव समाज का बोलबाला देखने को मिल रहा है. इस लिस्ट में सवर्ण तीसरे नंबर पर आते हैं.

तीन मुस्लिम अभ्यर्थी भी फर्जीवाड़ा करने में शामिल हैं. इस लिस्ट में २५ अभ्यर्थी यादव समाज से हैं. तो वहीं सवर्ण समाज से १० अभ्यर्थी हैं. मुस्लिम समाज के तीन अभ्यर्थियों का नाम शामिल है.

छपरा में बनेगा 425 करोड़ का मेडिकल कॉलेज

छपरा (एजेंसी) : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को छपरा में अपनी प्रगति यात्रा के दौरान कई अहम विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया. इस यात्रा के तहत मुख्यमंत्री ने ४२५ करोड़ रुपये की लागत से बने छपरा मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन किया, जो सारण प्रमंडल के लोगों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा. यह मेडिकल कॉलेज क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगा, क्योंकि अब उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मुख्यमंत्री ने गड़खा प्रखंड के महम्मदा गांव में कई विकास कार्यों का निरीक्षण किया. इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के जीर्णोद्धार, पोषण वाटिका, ओपन जिम, पुस्तकालय, तालाब सौंदर्यीकरण, सामुदायिक भवन-सह-वर्क शेड, नवनिर्मित पशु शेड, मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, इंदिरा आवास, सोख्ता निर्माण, नल-जल योजना जैसे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया. इन कार्यों के जरिए क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर जीवन और रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है.

बता दें कि मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे. प्रगति यात्रा के लिए तीन सौ से अधिक मजिस्ट्रेट और १५०० से अधिक पुलिस बल तैनात किए गए थे, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके. मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासन के प्रयासों से यात्रा शांतिपूर्ण और सफल रही.

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने एकमा प्रखंड में १३ करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली दो फोरलेन सड़कों का शिलान्यास किया. इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से क्षेत्र में आवागमन को लेकर बड़ी सहूलियत होगी और स्थानीय लोगों को समय की बचत होगी. यह सड़क परियोजना छपरा और आसपास के इलाकों के लिए एक बड़ी सौगात होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा.

मुख्यमंत्री की इस यात्रा से स्थानीय लोगों में उत्साह है और उन्हें उम्मीद है कि विकास कार्यों की गति तेज होगी, जिससे छपरा और आसपास के क्षेत्रों में रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार होगा. अपराह्न में मुख्यमंत्री कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा बैठक भी करेंगे, जिसमें आगामी योजनाओं और कार्यों पर चर्चा होगी.

अंचल अधिकारी का न्यायालय, चास (बोकारो)

विविध4 (h) वाद सं0 –........... /2023–24

प्रेषित,

ललन पाण्डेय पिता–देवधारी पाण्डेय,
पता–कॉपरेटिव कॉलोनी,
आवास सं0–291, थाना नं0–बी0एस0 सिटी
जिला–बोकारो।

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मौजा नारायणपुर थाना सं0 33 खाता सं0 317 प्लॉट सं0 3589 रकवा 2 एकड़ 88.33 डीसमील भूमि से संबंधित आपके नाम से हल्का सं0–VII के पंजी–2 के भाग सं0 19 पृष्ट सं0 4304 पर दर्ज जमाबंदी को प्रथम दृष्ट्या राजस्व उप निरीक्षक के द्वारा संदिग्ध प्रतिवेदित किया गया है।

उक्त के आलोक में दिनांक 10.01.25 को पूर्वाह्न 11:00 बजे भूमिका रिर्टन–1, भूमि बन्दोबस्ती से संबंधित हुकुमनामा, भूतपुर्व जमींदार द्वारा निर्गतजमींदारीरसीदों, फार्म–M एवं सरकार में जमींदारी निहित होने के बाद सरकार द्वारा निर्गत राजस्व रसीदों, निर्गत परवाना एवं अन्य ठोस साक्ष्यों की मूलप्रति/सत्यापित प्रति जो आपके द्वारा उक्त भूमि पर दावे की पुष्टि करता हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय प्रकोष्ट में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करें।

सनद् रहे कि अन्यथा की स्थिति में समझा जायेगा कि उक्त संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा उपलब्ध दस्तावेज/साक्ष्यों के आधार पर समुचित निर्णय पर पहुँचते हुए दर्ज जमाबंदी के संबंध में युक्ति–युक्त निर्णय लेते हुए विधिसम्मत अनुसंशा कर दी जायेगी।

इसे सख्त ताकिद जाने।

अंचल अधिकारी
चास।

PR 343858 Bokaro (24-25)

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited

CIN:U40108JH2013SGC001702)
Dy. General Manager (Tech.)
Electric Supply Circle, 33/11 KV P/S/S, Daridih, Giridih, Pin- 815302
GSTIN No.- 20AADCJ3148ADZ1, E-mail ID- ese.escgiridih@gmail.com

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tenders in two parts (Part-I Technical & commercial and Part –II price part) subscribed on sealed envelope are invited from the reputed firms/agencies having good experience of following same type of Civil Works and having sound financial status.:-

Sl. No.	STN No.	Name of work	Estimate Cost (In Rs.)	Cost of B.O.Q Including GST in Rs. (Non-refundable)	Earnest money To be deposited in Rs.	Time of completion of the work
1	319/PR/ JBVNL/ 2024-25	R/M of roof and APP for leak proof treatment of roof of staff quarters at 33/11 KV PSS at Daridih, Giridih.	3,85,000/-	750/- + 18% GST = 885/-	7,700/-	Two Months

1. Date for sale of tender documents — **10.01.2025** to **24.01.2025** Till 5:00 PM
2. Last date & time for submission of Tender- **24.01.2025** upto 1:00 P.M.
3. Date & time for opening of Tender (Part-1)– **25.01.2025** At 1:30 P.M.
1. Tender documents can be purchased from the office of the undersigned from any working day till one day before the last date of submission of tender in working hours on depositing cost of B.O.Q. with Accounts Officer, Electric Supply Circle, Giridih in shape of Demand Draft.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
Dy. General Manager
ESC, Giridih

PR 343834 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(24-25)D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय,बोकारो (समाज कल्याण शाखा, बोकारो)

अल्पकालीन निविदा

सरकार के उप सचिव के ज्ञापांक– 354/Place of Safety/झा0रा0बा0सं0सं0/2022–23/923, रांची, दिनांक–02.09.2024 के निदेशानुसार Observation Home Bokaro को Place of Safety के रूप में संचालित किया जाना है। जहां अधिकतम 50 विधि विवादित किशोर आवासित रहेंगे।

"सुरक्षा का स्थान" (Place of Safety), चास, बोकारो में आवासित किशोरों की वास्तविक संख्या के अनुरूप खाद्यान्न एवं विविध सामग्रियों की आपूर्ति हेतू निविदा।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि– 24.01.2025 के अपराहन 01:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि – 24.01.2025 .के अपराहन 03:00 बजे तक
निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का स्थान – जिला समाज कल्याण कार्यालय, बोकारो।
अग्रधन राशि – 25000.00 (पचीस हजार रूपये) मात्र।

1. "सुरक्षा का स्थान" (Place of Safety), चास बोकारो जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलो मीटर की दूरी पर चास पुरूलिया रोड राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–32 पर अवस्थित है। इस गृह की विधि विवादित बालकों की संसीमन धारिता 50 है।

आवेदन की अभिव्यक्तिः– विदित हो कि "सुरक्षा का स्थान" (Place of Safety), चास बोकारो में रह रहे संसीमित बालकों का भोजन, दैनिक दिनचर्या एवं रहन–सहन में आवश्यक सामग्रियों की आवश्यकता निहित है। साथ ही "सुरक्षा का स्थान" (Place of Safety) के संचालन हेतु कार्यालय परिचालन, विद्युत आपूर्ति ,जल आपूर्ति, सुरक्षा से संबंधित एवं अन्य विभिन्न आवश्यकताएँ भी निहित है।

उक्त आवश्यकताओं का ससमय पूर्ति के लिए अहर्त्ताधारी संवेदको से निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा की विस्तृत जानकारी NIC, Bokaro के वेबसाईट www.bokaro.nic.in पर एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखी जा सकती है।

उपायुक्त,
बोकारो

PR 343747 (Social Welfare,Women and Child Development)24-25*D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो।

(जिला भू–अर्जन कार्यालय)
Email Id :-landacquisition.bokaro@gmail.com

प्रपत्र XIII
(अधिनियम की धारा –21(2) या 24(4) के तहत् नोटिस)

परियोजना का नामः– ऊपरी पुल निर्माण परियोजना (पूर्व मध्य रेलवे)
भू–अर्जन वाद संख्याः–03/2023–24

बजरिये नोटिस सूचित किया जाता है कि कमोवेश ...2.2950.. एकड भूमि जो ग्राम ... पलिहारी गुरूडीह .. थाना ..... गोमिया .... थाना सं0 ...108... अंचल .... गोमिया .. जिला .....बोकारो..... में अवस्थित तथा निम्न प्रकार चिन्हित एवं मापित है उसे ऊपरी पुल निर्माण परियोजना .. हेतु सरकार द्वारा अधिनियम 30/2013 के अधिन अधिघोशणा संख्या–1242/भू0अ0 दिनांक– 30.12.2024 के तहत् अधिग्रहित किया जाना है। इस भूमि में इच्छुक/ हितबद्ध सभी व्यक्तियों को इस माध्यम से स्वंय अथवा प्रतिनिधि/ अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक– ......13.01.2025 को जिला भू–अर्जन कार्यालय, बोकारो समय 11:00 पूर्वाह्न बजे पर उपस्थित होकर अपने दावे का प्रकार और क्षतिपूर्ति के लिए किसी दावे पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन से संबंधित दावे या धारा – 20 के तहत् भूमि के मापी से संबंधित आपत्ति/ दावा प्रस्तुत करेंगे।

भू–धारी / रैयत का नामः–
भूमि एवं सीमा का विवरणः–

क्रम सं0	खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1	34	805	नीज	आवासीय	0.057	खेलिया देवी वो राहूल यादव	803 804	791	806	792
2	80	803	नीज	आवासीय	0.045	प्रहलाद राम शर्मा वो राकेश कुमार	802	805	806	804
3	30	802	नीज	आवासीय	0.030	नरेश नायक वो हिरू प्रसाद	801	803	806	803
4	117	800	नीज	आवासीय	0.035	समोध तेली	798	801	806	797
5	47	801	नीज	आवासीय	0.050	अर्जुन साव	800	802	806	796
6	15	798	नीज	आवासीय	0.015	गेन्दो कुम्हार	798	800	रास्ता	798
7	129	843	नीज	आवासीय	0.250	अमर सोनी	871	842	861, 862 863, 868 869	रास्ता
8	148	870	नीज	आवासीय	0.240	श्यामलाल कहार	873	871	870	874
9	156	871	नीज	आवासीय	0.010	सुदम साव	870	843	843	रास्ता
10	169	873	नीज	आवासीय	0.300	रोहित कुमार अग्रवाल	874	870	884	872
11	160	884	नीज	आवासीय	0.015	शान्ति देवी वो महेन्द्र पसारी	875	873	884	873
12	9	875	नीज	आवासीय	0.244	मनोज स्वर्णकार	877	873	875	रास्ता
13	163	876	नीज	आवासीय	0.020	बलबीर प्रसाद अग्रवाल	877	875	876	रास्ता
14	163	877	नीज	आवासीय	0.070	बलबीर प्रसाद अग्रवाल	878	875	876	रास्ता
15	47	878	नीज	आवासीय	0.025	धनुआ तेली वो अमर सिंह	879	877	883	रास्ता
16	41	131	नीज	आवासीय	0.149	दुबरिया दुसाध	129	2080	रास्ता	131
17	49	132	नीज	आवासीय	0.040	नन्हकु तेली	131	133	2080	132
18	27	133	नीज	आवासीय	0.020	जीवन गोप	2080 132	134	रास्ता	रास्ता
19	47	134	नीज	आवासीय	0.048	धनुआ तेली	133	रास्ता	रास्ता	134
20	-	2080	नीज	आवासीय	0.083	अज्ञात	133	133	रास्ता	132
21	2	128	नीज	आवासीय	0.250	विष्णु नायक	117	128	रास्ता	128
22	136	129	नीज	आवासीय	0.111	धनु नायक वो भुवनेश्वर नायक वो अशुतोष प्रसाद वो बिनोद कुमार	128	131	रास्ता	129
23	143	116	नीज	आवासीय	0.090	कस्तुरी देवी वो पार्वती देवी	115	143	रास्ता	115
24	196	115	नीज	आवासीय	0.050	मेघु चौधरी	107	116	रास्ता	115
25	147	107	नीज	आवासीय	0.038	गंगो तेली	106	115	रास्ता	107
26	200	106	नीज	आवासीय	0.010	जगरनाथ नायक	105	107	रास्ता	106
कुल					2.2950					

ह0/–
जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, बोकारो।

PR 343809 Land Reforms(24-25)D

हम लोग गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटते थे : तेजस्वी

बक्सर (एजेंसी): बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को सत्ताधारी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हम लोग गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटते थे. लोगों के चेहरों पर खुशी होती थी. परिवार के लोगों में खुशी होती थी. आज उसी गांधी मैदान में लाठीचार्ज हो रहा है. लोगों की आंखों में आंसू हैं, सिर फटा है, अस्पताल में भर्ती हैं, मुकदमा झेल रहे हैं.

'कार्यकर्ता दर्शन और संवाद दौरा' के क्रम में बक्सर पहुंचे तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि हमारी सरकार में कभी भी पेपर लीक नहीं हुआ, हमारी सरकार हटने के बाद ही ऐसा हो रहा है. मैट्रिक परीक्षा से लेकर बीपीएससी की परीक्षा तक पेपर लीक हो रहा है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है. उन्होंने महागठबंधन की सरकार में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के राज में शिक्षक समान काम समान वेतन की मांग कर रहे थे तो डंडा खा रहे थे. उनको हमने राज्य कर्मी का दर्जा दिया. सरकार को पता नहीं था कि आईटी पॉलिसी होती है? यह सब हमने शुरू कराया और स्पोर्ट्स के तहत हमने नौकरी दी. अब लोगों को पता चला पढ़ाई के साथ खेल भी बिहार में जरूरी है.

राजद नेता ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो 'माई बहिन मान योजना' के तहत महिलाओं को सम्मान दिया जाएगा. २०० यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी. वृद्धा पेंशन और सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाई जाएगी. उन्होंने कहा कि आज बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है. आज मुख्यमंत्री को हाईजैक कर लिया गया है. मुख्यमंत्री मौन हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यात्रा निकाल रहे हैं. यात्रा पर २ अरब २५ करोड़ खर्च हो रहा है. यह प्रगति यात्रा नहीं बिहार की दुर्गति यात्रा है. उन्होंने कहा कि टायर्ड मुख्यमंत्री रिटायर्ड अधिकारियों के जरिए बिहार चला रहे हैं. मुख्यमंत्री यात्रा पर मुख्य सचिव को तो कहीं ले भी जा रहे हैं. लेकिन, पुलिस महानिदेशक को नहीं ले जा रहे हैं. मुख्यमंत्री के चेहरे को आगे कर लोग अपनी रोटी सेंक रहे हैं

पंजाब से यूकेजी का छात्र पहुंचा अयोध्या

अयोध्या(ईएमएस): श्रीरामलला का दर्शन करने के लिए पंजाब से दौड़ लगाते एक ६ वर्षीय बालक मंगलवार को अयोध्या पहुंचा। एक महीने तेईस दिन में हजार किलोमीटर से अधिक दौड़ पूरी करने वाला यह बालक मंगलवार को भाजपा नेता भूपेंद्र सिंह बल्ले के अयोध्या फेमिली रेस्टोरेंट लखनऊ मार्ग पर पहुंचा है। बताया जाता है कि मोहब्बत नाम वाले इस बच्चे की रास्ते भर खूब स्वागत व सराहना हुई। छह वर्षीय मोहब्बत ग्राम किलियांवाली पोस्ट अबोहर, तहसील हबोर जिला फाजिल्का, पंजाब का रहने वाला है। वहां बालाजी धाम से एक सैन्य अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर मोहब्बत के दौड़ की शुरुआत कराई। पूरे रास्ते बालक के अभिभावक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय के सम्पर्क में रहे।

विदेश जाकर साइबर फ्रॉड में फंसे युवा

गोपालगंज (ईएमएस): बिहार के युवाओं को टूरिस्ट वीजा पर कंबोडिया, थाईलैंड, म्यांमार और लाओस भेजकर उन लोगों से साइबर फ्रॉड कराया जा रहा है। गोपालगंज जिले के करीब ४७ युवक विदेशों में फंसे हैं। आरोप है कि इन युवकों को विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर एजेंट ने भेजा था। इस पूरे खेल में पाकिस्तान और चीन के साइबर अपराधियों का हाथ होने की बात सामने आई है, जिसकी जांच एनआइए और ईओयू की टीम कर रही है।

फतेहपुर गांव निवासी रौशन अली का बेटा वाहिद रौशन और भतीजा मो. साउद अली को प्रयागराज के एजेंट सुदरजीत यादव ने दिल्ली से थाईलैंड भेजा था। दोनों युवकों को मॉल में काम दिलाने के नाम पर २६ अक्टूबर २०२४ को भेजा था। इसके बाद थाईलैंड में एयरपोर्ट पर उतरते ही दोनों को एक एजेंट ने रिसीव कर नदी के रास्ते मोटरबोट से म्यांमार पहुंचा दिया, जहां पहले से पाकिस्तान, चीन, नेपाल और दूसरे देश के युवा साइबर फ्रॉड में लगे हुए थे। आरोप है कि एजेंट ने ७ हजार यूएस डॉलर (छह लाख से ज्यादा भारतीय रुपये) में इन युवकों को चीन और पाकिस्तान के साइबर अपराधियों को बेच दिया है।

रौशन और साउद ने किसी तरह से छिपकर वीडियो बनाकर सरकार और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। युवकों ने वीडियो में लोकेशन दिखाया और कहा कि कंप्यूटर के काम को लेकर यूपी के एजेंट ने भेजा था, लेकिन यहां साइबर फ्रॉड में लगाया है। वीडियो में युवक कहते हैं कि विरोध करने पर यातना दी जा रही है। प्लीज, मुझे यहां से भारत वापस बुला लें।

रौशन और वाहिद की तरह शुभम कुमार भी कंबोडिया जाकर फंस गया था। साइबर फ्रॉड के लिए दबाव बनाया गया, लेकिन वह भागकर भारतीय दूतावास पहुंच गया। फिर दूतावास की मदद से वापस घर आ गया है।

शुभम कुमार ने मामले में साइबर थाने में पांच लोगों पर केस दर्ज कराया है, जिसमें पुलिस को बताया कि एजेंट ने ७० हजार रुपये प्रतिमाह की सैलरी पर मॉल में काम करने के लिए भेजा था, लेकिन थाईलैंड जाने के बाद वहां से कंबोडिया ले जाया गया, जहां साइबर फ्रॉड के काम में लगा दिया गया। विरोध करने पर बिजली करंट के झटके दिए जा रहे थे।

Office of the District Social Welfare Officer, Dhanbad

Notice Inviting Tender
RFP FOR

Selection of Agency for Rate Contract Under the Project Transformation of AWC's into Model AWC for "Establishment of ANC corner Unit in Dhanbad" under District Mineral Fund, Office of the District Social Welfare Officer, Dhanbad, Govt. of Jharkhand

RFP No- 03 — Opening date: 08.01.2025
Issue Date: 08.01.2025 — Closing date: 29.01.2025

District Social Welfare Officer, Dhanbad, Govt. of Jharkhand intends for Rate Contract u**nder the Project Transformation of AWC's into Model AWC for "Establishment of ANC Corner Unit in Dhanbad" under District Social Welfare Officer, Dhanbad, Govt. of Jharkhand**.

The main purpose of procurement of these items is to **Establish ANC Corner Unit in AWC's**, the use of which would enhance the interest as well as comfort level of the ANC women.

The selected Bidder would supply the items to the office of the District Social Welfare Officer in proper packaging. These would thereby be transferred safely to the respective Anganwadi centers (AWC's). The items supplied should be non-toxic, lead and arsenic free, chemical free and safe for the ANC women for use.

The Bid document can be downloaded from the website (https://dhanbad.nic.in) and the responses for this Request for Proposal (RFP) shall be deemed to have done after careful study and examination of this document and full understanding of its modalities, process of execution and items to be delivered. The bids are to be submitted uploaded hard copy by hand or by post (Registered / Speed) or by courier on or before the closing date in the address mentioned in the document. Technical bids submitted by the bidder will be opened in the presence of the Tender committee member. Detailed information regarding important dates, address for submission of bid, Material Supply List (MSL), Total Bill of Material (BOM), Quantity, Delivery Location and other requisite is available in the information Factsheet of this Bid Document.

Sd/-
District Social Welfare Officer
Dhanbad

PR 343856 Dhanbad(24-25)#D

झारखण्ड सरकार, ग्रामीण कार्य विभाग

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
कम्बाइंड बिल्डींग, ओल्ड चास कोट एरिया, बोकारो

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा संख्या :- 29/2024-25/RWD/EE/BOKARO — दिनांक – 08.01.2025

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, बोकारो द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेषन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	RWD/EE/BOKARO/ 72/2024-25	चमसोबाद लक्ष्मण बाउरी के घर से लेकर हुचुकडीह लक्खीराम गोप के घर तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई– 1.100 कि0मी0)।	1,48,59,300.00	एक करोड़ अड़तालीस लाख उनसठ हजार तीन सौ रू0 मात्र	09 माह	प्रथम
2	RWD/EE/BOKARO/ 73/2024-25	तिरंगा मोड़ से रामबाद तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई– 2.550 कि0मी0)।	3,27,56,400.00	तीन करोड सत्ताईस लाख छप्पन हजार चार सौ रू0 मात्र	15 माह	प्रथम
3	RWD/EE/BOKARO/ 74/2024-25	पोखना से काशीटांड तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई– 1.600 कि0मी0)।	2,23,77,000.00	दो करोड़ तेईस लाख सतहत्तर हजार रू0 मात्र	12 माह	प्रथम
4	RWD/EE/BOKARO/ 75/2024-25	एन0एच0–32 पिण्ड्रोजोरा गवई ब्रिज के बगल से अमाडीह तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई– 2.200 कि0मी0)।	1,75,18,500.00	एक करोड़ पचहत्तर लाख अठारह हजार पॉच सौ रू0 मात्र	12 माह	प्रथम
5	RWD/EE/BOKARO/ 76/2024-25	चमसोबाद ग्राम में गणेश शर्मा के गोड़िया से लेकर राहेरगोड़ा मकर बाउरी के घर तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई– 2.250 कि0मी0)।	2,28,87,800.00	दो करोड़ अट्ठाईस लाख सत्तासी हजार आठ सौ रू0 मात्र	12 माह	प्रथम
6	RWD/EE/BOKARO/ 77/2024-25	सीमाबाद आर0ई0ओ0 रोड से दास टोला तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई– 1.000 कि0मी0)।	75,65,400.00	पचहत्तर लाख पैंसठ हजार चार सौ रू0 मात्र	06 माह	प्रथम

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 18.01.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 29.01.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 31.01.2025 अपराह्न 03.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, बोकारो, कम्बाइंड बिल्डींग, सिविल एस0डी0ओ0, ऑफिस ओल्ड चास कोट एरिया, चास बोकारो, झारखंड, पिन– 827013
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 9431060119

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमंडल, बोकारो

PR 343804 Rural Work Department (24-25)_D

झारखण्ड सरकार
जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय,धनबाद

(समाहरणालय भवन,सुसनीलेवा,भेलाटाँड़,तृतीय तल)
Email :- dse.dhanbad1@gmail.com

– : सूचना : –

धनबाद जिलान्तर्गत District Mineral Foundation Trust (DMFT) Dhanbad तहत धनबाद जिला के सभी प्राथमिक विद्यालयों को E-Smart Model प्राथमिक विद्यालय के रूप में स्थापित करने हेतु आमंत्रित निविदा PR 337543, RFP No.-02 Date 26.09.2024 (Memo No. 2162) को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

जिला शिक्षा अधीक्षक
धनबाद

PR 343799 Primary Education(24-25).D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND)
PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/9/2024-25/Min1

Reference Number: BIT/9/2024-25/Min1
Dated :- 07-01-2025
Tender ID: 2025_DHTE_97310_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand - 828123
2	Name or work	Supply of Mine Ventilation lab equipments for Mining Engineering Department at BIT Sindri Dhanbad Jharkhand.
3	Document download start date	10-01-2025
4	Document download end date	24-01-2025
5	Bid submission end date	24-01-2025
6	Bid opening date	25-01-2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for its Laboratories in Mining Engineering Department. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 343780 (Higher Education,Technical Education and Skill Development Department)24-25*D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/11/2024-25/Pro1

Reference Number: BIT/11/2024-25/Pro1 Dated :- 07-01-2025
Tender ID: 2025_DHTE_97298_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand - 828123
2	Name or work	Supply of lab equipments for Production and Industrial Engineering Department at BIT Sindri Dhanbad Jharkhand.
3	Document download start date	10-01-2025
4	Document download end date	24-01-2025
5	Bid submission end date	24-01-2025
6	Bid opening date	25-01-2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for its Laboratories in Production and Industrial Engineering Department. Further details can be seen on website:- https://jharkhand tenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 343782 Higher Education,Technical Education and Skill Development Department(24-25).D

विधानसभा अध्यक्ष से मिले महागठबंधन के विधायक

पटना (एजेंसी): बिहार में २०२३ में महागठबंधन सरकार गिरने के बाद आरजेडी के चार और कांग्रेस के दो विधायक एनडीए के पाले में चले गए थे. जिस पर दल बदल कानून लागू करने को लेकर महागठबंधन विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव से मुलाकात की.

दरअसल, महागठबंधन की सरकार गिरने के बाद प्रहलाद यादव, नीलम देवी, चेतन आनंद, संगीत कुमारी, मुरारी गौतम एनडीए के साथ चले गए थे. जिस पर विपक्ष दल-बदल कानून लागू करने और उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग कर रहा है. आरजेडी विधायक अब्दुल बारी सिद्दीकी ने बताया कि देश में दल-बदल कानून लागू है, इसमें स्पष्ट है कि अगर कोई निश्चित संख्या के बिना दल-बदल करता है, तो उस पर कानून के तहत कार्रवाई करते हुए उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी. दल बदल करने वाले आरजेडी के चार सदस्यों ने इंडिविजुअल दल-बदल किए हैं.

हम स्पीकर साहब का ध्यान आकर्षित करने के लिए आए थे कि संसदीय परंपरा में जो नियम कायदा है अगर उसका पालन नहीं होगा, तब कानून का कोई मतलब नहीं रह जाएगा. हमारी मांग है कि आगामी सत्र से पहले इस पर निर्णय हो जाना चाहिए.

आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने बताया कि सिद्दीकी साहब और महागठबंधन के नेताओं के नेतृत्व में विधानसभा अध्यक्ष से मिले. व्हिप का उल्लंघन कर दल-बदल करने वाले विधायकों की सदस्यता समाप्त नहीं हुई. आरजेडी के चार और कांग्रेस के दो विधायकों की सदस्यता आज भी बरकरार है. वे बीजेपी के पक्ष में बैठते हैं. वहीं, संगीता कुमारी को प्रवक्ता बना दिया गया है, मतलब वो सदस्य राजद की हैं और प्रवक्ता भाजपा की. यह संविधान की दसवीं अनुसूची का घोर उल्लंघन है. हमने अध्यक्ष से मिल कर उनकी सदस्यता रद्द करने की अपील की है.

नकदी सहित जेवरात की चोरी

डुमरी (ससे): डुमरी थाना क्षेत्र के करिहारी निवासी मीना देवी पति राजू विश्वकर्मा के घर ०७ जनवरी की रात्रि चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देकर नगदी एवं जेवरात की चोरी कर घर में रखे हुए डिस्टील वाटर का सैकड़ों बोतलों में आग लगा दिया।घटना में लाख रूपये से अधिक का नुकसान हुआ है।बताया जाता है कि मीना देवी जार में पेयजल में पानी की बिक्री करने हेतु प्लांट लगाई है।श्रीमती देवी ने बताया कि चोरों ने घर के बगल के छत से मेरे घर घुसा और ड्रावर में रखे नगदी २८ हजार एवं ३० हजार रुपये की मंगलसूत्र तथा १५ सौ रुपये की ब्रासलेट की चोरी कर लिया साथ ही जाते हुए करीब ४५ हजार रुपये की कीमत की डीस्टील वाटर का बोतल में आग लगा दिया।बताया कि आग लगने से बोतल जलने की आवाज सुनकर उठी तो घटना की जानकारी हुई।घटना की जानकारी थाना को देने की बात कही है।इधर प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक गुरुगोविन्द हांसदा ने बुधवार को निमियाघाट थाना में आवेदन देकर कहा है कि अज्ञात चोरों द्वारा विद्यालय में लगे सोलर पैनल प्लेट की तार चोरी कर लिया गया है।लिखा है कि विद्यालय में २५ दिसंबर से ५ जनवरी २०२५ तक विभाग द्वारा शीतकालीन अवकाश घोषित था,जब अवकाश के उपरान्त दिनांक ७ जनवरी को विद्यालय पहुंचे तो देखा की विद्यालय में लगा हुआ सोलर प्लेट की तार काट कर अज्ञात लोगों के द्वारा ले गया है।

प्रशांत किशोर जनता को कर रहे गुमराह : नीरज

पटना (एजेंसी): जेडीयू के प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने राजद नेता तेजस्वी यादव और जन सुराज अभियान के प्रमुख प्रशांत किशोर पर तीखा हमला बोला. उन्होंने प्रशांत किशोर को 'फर्जी व्यक्ति' बताते हुए कहा कि उनका आपराधिक इतिहास जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा. साथ ही, तेजस्वी यादव पर अपने पिता लालू प्रसाद यादव को सलाह देने को लेकर भी कटाक्ष किया.

नीरज कुमार ने कहा कि प्रशांत किशोर का जनता से कोई वास्तविक जुड़ाव नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशांत केवल मुद्दे बदलने और खुद को चर्चा में बनाए रखने के लिए अलग-अलग रणनीतियां अपनाते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि प्रशांत ने अपने अनशन के दौरान फर्जीवाड़ा किया. पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद कोर्ट में उनके वकील ने सभी आरोपों को जमानती बताया, जिससे साफ होता है कि यह केवल दिखावा था. साथ ही नीरज ने प्रशांत किशोर पर गाड़ियों के फर्जीवाड़े का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि प्रशांत के वाहन का निबंधन पंजाब का है, ड्राइवर के पास लाइसेंस नहीं था और वाहन के कागजात में भी गड़बड़ी पाई गई. नीरज ने मांग की कि सरकार इस मामले की गहराई से जांच करे और यदि प्रशांत दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए.

तेजस्वी यादव को लेकर नीरज कुमार ने कहा कि यह 'कलियुग' है, जहां बेटा अपने पिता को सलाह दे रहा है. उन्होंने कहा कि लालू यादव पढ़े-लिखे और अनुभवी नेता हैं, जबकि तेजस्वी यादव का राजनीतिक अनुभव और शिक्षा काफी सीमित है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि लालू यादव जिलाधिकारी या एसडीएम के पास माता-पिता भरण पोषण अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराते हैं, तो तेजस्वी यादव के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है.

नीरज कुमार ने प्रशांत किशोर के पिछले तीन साल के दावों को भी झूठा करार दिया. उन्होंने कहा कि प्रशांत तीन महीने की पार्टी की बात करते हैं लेकिन इसे तीन साल का अनुभव बताने की कोशिश करते हैं. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशांत किशोर ने जेल जाने का दावा किया था, जबकि वे केवल थाने गए थे. नीरज ने तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर दोनों पर राजनीति में जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया और कहा कि बिहार की जनता अब ऐसे फर्जी नेताओं को पहचान चुकी है.

घर में बैठे तेंदुए ने किया युवक पर हमला

सुपौल(ईएमएस): यहां एक तेंदुए ने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी। ये तेंदुआ घर में छिपकर बैठ गया जैसे ही एक युवक घर में घुसा तो उस पर हमला कर दिया। इसके बाद वन विभाग की टीम पहुंची तो उस पर हमला करके ४ लोगों को लहूलुहान कर दिया। यह पूरा मामला सुपौल के बसंतपुर प्रखंड के रानीगंज क्षेत्र का है।तेंदुआ के हमले से १९ वर्षीय नंदन कुमार और वन विभाग के कर्मी राजेश कुमार यादव समेत चार लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद से इलाके में अफरातफरी मच गई है। पूरा मामला सुपौल के बसंतपुर प्रखंड के रानीगंज क्षेत्र का है। अचानक तेंदुआ घर में जैसे ही दिखा तो लोगों की हालत खराब हो गई।

बताया गया कि अशोक मंडल के घर महिलाएं कपड़े सिलवाने में व्यस्त थीं। इसी दौरान युवक नंदन कुमार घर के भीतर गया जहां उसे चौकी के नीचे से गरजने की आवाज सुनाई दी। चौकी के नीचे वह झांका तो एक जंगली जानवर उसे दिखा। यह देखकर वे जोर-जोर से चिल्लाने लगा। इसी बीच उस जानवर (तेंदुआ) ने नंदन पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत वीरपुर अस्पताल में भर्ती कराया।गांव में मची अफरातफरी के बीच तेंदुआ भागकर गुलाय मंडल के पूजा घर में घुस गया। हालांकि स्थानीय लोगों ने अपने स्तर से पकड़ने का प्रयास किया लेकिन तेंदुआ यहां से भी भाग गया। देर शाम जब एक महिला पूजा करने गई तो उसने जानवर को अंदर देखा और पूजा घर का दरवाजा बंद कर दिया। वन विभाग और डायल ११२ को इसकी जानकारी दी गई लेकिन रेस्क्यू के लिए पर्याप्त संसाधन न होने के कारण तेंदुआ को पकड़ा नहीं जा सका।

तेंदुआ ने पूजा घर की दीवार और छत के टीन को तोड़कर बाहर निकलने का प्रयास किया। इस दौरान उसने भगवानपुर पंचायत के पीआरएस शिवरंजन कुमार पर हमला कर दिया। जैकेट फटने से वे बाल-बाल बच गए। अंत में तेंदुआ एक अन्य कमरे में घुस गया, जहां दरवाजा नहीं था। इस तेंदुआ के हमले से रतनपुर थाना क्षेत्र के दो अन्य लोग भी मामूली रूप से घायल हो गए।इस पूरे मामले में वन विभाग के रेंजर अजय कुमार ठाकुर ने बताया कि रात के समय रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना मुश्किल है क्योंकि संसाधनों की कमी है। कहा कि जल्द इस जानवर को पकड़ने की कोशिश की जाएगी।

भ्रष्टाचार व अपराध का पर्याय रहा राजद का शासनः जयराम

पटना (एजेंसी): भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट और प्रदेश प्रवक्ता जयराम विप्लव ने राजद नेता तेजस्वी यादव के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें 'हवाई' करार दिया. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि एनडीए सरकार ने बिहार को फिर से विकास की दिशा में अग्रसर किया है. विप्लव ने यह भी कहा कि तेजस्वी यादव और उनके परिवार की पार्टी ने केवल खोखले वादे किए हैं, जबकि बिहार के लोगों को वास्तविक विकास की जरुरत है.

विप्लव ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव केवल आरोप लगाने और राजनीति में भ्रम फैलाने में माहिर हैं, जबकि उनका और उनके परिवार का शासनकाल बिहार में भ्रष्टाचार, अपराध और कुप्रबंधन का पर्याय बन चुका था. उन्होंने यह भी कहा कि जब तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री थे, तब उनके परिवार ने सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए काम किया और बिहार को विकास की पटरी से उतारने का प्रयास किया. जयराम विप्लव ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव का पूरा राजनीतिक करियर भ्रष्टाचार और परिवारवाद से भरा हुआ है. उनके परिवार पर दर्जनों भ्रष्टाचार के मामले हैं और अब वह ईमानदारी की बात कर रहे हैं. बिहार के लोग उनके 'जमीन के बदले नौकरी जैसे घोटालों को कभी नहीं भूल सकते है.

एनडीए के शासन में बिहार के विकास की सराहना करते हुए विप्लव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन और विकास की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं. उन्होंने यह बताया कि पिछले कुछ वर्षों में बिहार में अपराध दर में कमी आई है और सड़कों, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. विप्लव ने कहा कि तेजस्वी यादव को बिहार के विकास में रुकावट डालने के बजाय सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए.

तेजस्वी यादव के पास बिहार के विकास के लिए कोई ठोस योजना नहीं है, ऐसा कहते हुए जयराम विप्लव ने यह भी कहा कि वे केवल बयानबाजी करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं. विप्लव ने यह भी स्पष्ट किया कि एनडीए सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं. साथ ही विपक्ष की राजनीति को सिर्फ आलोचना तक सीमित बताते हुए विप्लव ने कहा कि जनता अब समझ चुकी है कि विपक्ष के पास बिहार के लिए कोई ठोस रोडमैप नहीं है. २०२५ के विधानसभा चुनाव में जनता विपक्ष को करारा जवाब देगी और उन्हें एक और बार सबक सिखाएगी.

लल्लू जी टेंट हाउस के रूप में बनी पहचान

लखनऊ,(ईएमएस): प्रयागराज कुंभ मेला, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी या बड़े खेल आयोजनों की बात करें, तब लल्लू जी टेंट हाउस का नाम सबसे पहले सामने आता है। हर बड़े आयोजन की सफलता के पीछे लल्लू जी की कंपनी का हाथ होता है। यह कंपनी अब एशिया के सबसे बड़े टेंट हाउस के रूप में पहचानी जाती है।

सबसे बड़ा अस्थायी बुनियादी ढांचा प्रदाता सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त ए क्लास ठेकेदार हैं। लल्लू जी टेंट हाउस की नींव १९१८ में बाल गोविंद दास लल्लूजी द्वारा वाराणसी से इलाहाबाद (अब प्रयागराज) स्थानांतरित होकर रखी गई थी। शुरुआत में, कंपनी केवल तिरपाल और टेंट के निर्माण और किराए पर देने का काम करती थी। १९२० में, दास ने माघ मेले में पहली बार तंबू लगाने का कार्य शुरु किया और उनके प्रयासों ने सफलतापूर्वक इस काम को एक बड़ा व्यवसाय बना दिया। आज उनकी पांचवी पीढ़ी इस व्यवसाय को चला रही है।

प्रयागराज का महाकुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है। इस आयोजन में करोड़ों श्रद्धालु भाग ले रहे हैं, और इसके आयोजन के लिए विशाल तंबुओं, अस्थायी संरचनाओं और प्रशासनिक ढांचे की जरूरत होती है। यहां लल्लू जी टेंट हाउस का योगदान अहम होता है। कुंभ मेले के आयोजनों में यह कंपनी तंबू, बांस-बल्लियां, कुर्सियां और अन्य बुनियादी सुविधाओं का निर्माण करती है, जो इस विशाल आयोजन को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक होती हैं। २०१९ के अर्धकुंभ में लल्लू जी ने लगभग ७० प्रतिशत क्षेत्र में टेंट सिटी तैयार की थी, जो श्रद्धालुओं को ठहरने की सुविधा देती है और प्रशासनिक ढांचे की तरह काम करती है।

लल्लू टेंट हाउस की कार्यप्रणाली बेहद सटीक और योजनाबद्ध है। महाकुंभ के आयोजन के लिए यह कंपनी डेढ़ साल पहले ही तैयारियों में लगी है। मानसून खत्म होते ही संगम क्षेत्र में निर्माण कार्य शुरू हो जाता है, इसमें तंबू बनाने, रिपेयरिंग और पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर का रिफर्बिशमेंट जैसे कार्य होते हैं। इनके द्वारा बनाए गए टेंट में विविधताएं होती हैं जैसे फाइव स्टार सुविधाओं वाले टेंट, वाटरप्रूफ पॉलीथिन लेयर वाले टेंट, और ठंड से बचाने के लिए इंसुलेटेड टेंट्। इसके अलावा, प्रशासनिक ढांचे और कार्यालयों का निर्माण भी इन्हीं के द्वारा किया जाता है।

नियमों की अनदेखी कर बना रहे स्पीड ब्रेकर

बलियापुर (ससे) : एक ओर जहां जिला के उपायुक्त सड़क सुरक्षा सप्ताह की हरी झंडी दे रही है तो दूसरी तरफ संवेदक इसका अवहेलना कर रहे है।

नियमानुसार स्पीड ब्रेकर बनाने का नियम नहीं है। बेहद जरूरी होने पर मामला जिला यातायात सुरक्षा समिति के पास जाता है और उसके अनुमोदन के बाद ही निश्चित मापदंड के अनुरूप ब्रेकर बनवाए जाते हैं। इसका पालन बलियापुर गुलीटांड पथ में नहीं हुआ है और कई ब्रेकर बना दिए गए हैं। लेकिन इनके निर्माण में भी नियमों का पालन नहीं किया गया है। इससे दोपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार बन रहे हैं। ब्रेकर के झटके से गर्भवती महिलाओं को नुकसान हो रहा है। स्पीड ब्रेकर के पास ब्रेक लगाने से वह अनियंत्रित होकर गिर रहे है जिससे उसे चोट लगी है। बनाने के लिए लेनी पड़ती है परमिशन।

स्पीड ब्रेकर के लिए पीडब्ल्यूडी को आवेदन देना होता है। विभाग के अधिकारी ब्रेकर की आवश्यकता जांचने के बाद परमिशन देते हैं, जबकि बलियापुर में मनमर्जी से ब्रेकर बने हैं। जो ताजा उदाहरण बलियापुर गुलीटांड़ में कुछ दिन पहले ही अमानक ब्रेकर बनाया गया है, जो गैर कानूनी है।

नीतीश कुमार थका हुआ मुख्यमंत्री : तेजस्वी

पटना (एजेंसी): बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होना है, लेकिन इसको लेकर सियासी पारा अभी से चढ़ता जा रहा है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कुछ ज्यादा ही हमलावर हैं. उन्होंने एक बार फिर से नीतीश कुमार की उम्र का मजाक उड़ाते हुए उन्हें 'थका हुआ मुख्यमंत्री' बताया है. तेजस्वी ने लिखा कि थके हुए मुख्यमंत्री ने रिटायर्ड अधिकारियों के साथ मिलकर बिहार के युवाओं की आशाओं को निराशाओं में बदल दिया है. विज्ञापनों के माध्यम से सैंकड़ों करोड़ झूठे प्रचार में फूंक रहे है. बिहारियों के जीवन को आबाद करने की बजाय उसे बर्बाद कर दिया है.

तेजस्वी ने आगे कहा कि बेसुध सरकार और उसके मुखिया के नेतृत्व में एक बरसात में ही सैंकड़ों पुल-पुलिया ढह जाते है. दो दशक से हर प्रकार की परीक्षाएं पेपर लीक और धांधली की भेंट चढ़ाई जा रही है. महंगाई हर घर-हर परिवार को खा रही है. छोटे बड़े व्यवसायों का व्यवसाय बर्बादी के कगार पर है. इनके शासन में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पलायन में बिहार अव्वल है. बिहार की प्रगति को दुर्गति की अग्नि में झोंक दिया है. इसको लेकर अब जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर नीतीश कुमार थके हुए है तो आपके डैडी महा थके हुए हैं. जेडीयू नेता ने तेजस्वी पर लालू यादव को नजरबंद करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि पिता को राजनैतिक रूप से नजर बंद कर दिया है.

प्रशांत किशोर पर कोर्ट में हंगामा करने का केस दर्ज

पटना(ईएमएस): जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की तबीयत खराब है और अभी भी वह मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं। वहीं एक ओर प्रशांत किशोर की तबीयत खराब है और वह अस्पताल में भर्ती हैं वहीं दूसरी ओर जनसुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर पर पीर बहार थाना में एक और केस दर्ज किया गया है। थानेदार अब्दुल हलीम के बयान पर प्रशांत किशोर और २०० अज्ञात पर केस दर्ज किया गया है। दर्ज केस में प्रशांत और उनके २०० अज्ञात समर्थकों पर जमानत लेने के दौरान कोर्ट परिसर में हंगामा करने, पुलिस के साथ धक्कामुक्की, न्यायालय और सरकारी काम में बाधा डालने और भीड़ जमा करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया गया है।

दर्ज केस में प्रशांत और उनके सर्मथकों पर आरोप है कि धक्कामुक्की में पुलिस के जवान गिर गए और उनका हाथ टूट गया। कई पुलिस कर्मी चोटिल हो गए हैं। दर्ज केस में साजिश के तहत हंगामा करने का भी आरोप है। इस केस का आईओ दिवाकर कुमार को बनाया गया है। बता दें, प्रशांत किशोर पर गांधी मैदान थाने में पहले से ही दो केस दर्ज है। टाउन डीएसपी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन करने में जुटी है। डॉक्टरों के अनुसार प्रशांत किशोर की तबीयत फिलहाल स्थिर है लेकिन उन्हें कुछ परेशानी की वजह से आईसीयू में रखा गया है। बताया जा रहा है कि अभी भी प्रशांत किशोर आईसीयू में है और अपना अनशन न तोड़ने के लिए अटल हैं। जनसुराज के नेताओं ने प्रशांत किशोर से किए अनशन तोड़ने के लिए आग्रह किया है। लेकिन, प्रशांत किशोर निर्णय बदलने के लिए तैयार नहीं है। दरअसल बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांग को लेकर प्रशांत किशोर पिछले ६ दिनों से अनशन पर हैं जनसुराज के नेता पवन वर्मा ने कहा कि हमने उनको छात्रों की आवाज उठाने के लिए बधाई दी है। पवन वर्मा ने कहा कि हमने प्रशांत जी से अनशन तोड़ने के लिए आग्रह किया है। हमलोग इंसाफ के लिए न्याय पालिका का दरवाजा भी खटखटाएंगे। वहीं प्रशांत किशोर की सेहत को लेकर डॉक्टर रवि शंकर ने कहा कि आगे चीज कॉम्प्लिकेटेड हो सकती है अगर अनशन जारी रहेगा तो शरीर में कीटोन बॉडीज बनती है जिसे बॉडी पर इफेक्ट होता है। हम प्रशांत किशोर से आग्रह कर रहे हैं कि वह खाना लेना शुरू कर दें।

डॉक्टरों ने कहा कि फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य है। हम लोग उन्हें ऑब्जर्वेशन में रखे हुए हैं। उनको न्यूट्रिशन और दवाइयां दी जा रही हैं। सीनियर एडवोकेट और जनसुराज के उपाध्यक्ष वाई वी गिरी ने कहा कि हम पहले उनको आसीयू से लेकर बाहर आएंगे उसके बाद आगे का डिसीजन होगा। हमने प्रशांत किशोर को भी कहा कि अगर आप जेल जा रहे हैं तो अनशन तोड़ दीजिए। बिहार के छात्रों से भी मैं निवेदन करूंगा कि वह भी प्रशांत किशोर जी को अनुरोध करें कि वह अनशन तोड़ दें।

दोनों सीट पर बीजेपी ने झोंकी ताकत

मिल्कीपुर (एजेंसी): मिल्कीपुर में उपचुनाव का इंतजार खत्म हो चुका है. चुनाव आयोग ने बीते दिन चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया. यहां ५ फरवरी को मतदान होगा जबकि ८ फरवरी को नतीजे आएंगे. सपा और बीजेपी दोनों इस सीट पर पूरी ताकत झोंक रहे हैं. मिल्कीपुर के समीकरण भले सपा के मुफीद दिख रहे हों लेकिन कुंदरकी में 'मुसलमान' वाला मिथक तोड़ने के बाद बीजेपी मिल्कीपुर में भी यही करिश्मा दोहराने की तैयारी में जुटी है.

मिल्कीपुर में कुल वोटरों की संख्या करीब ३ लाख ४० हजार है. इनमें से सबसे ज्यादा ५५ हजार यादव, ५५ हजार पासी और ३० हजार मुस्लिम हैं. इनको मिला लें तो यह आंकड़ा १ लाख ४० हजार बैठता है. वहीं यहां दलित वोटर २५ हजार और कोरी मतदाताओं की संख्या भी २० हजार है. पीडीए के फॉर्मूले पर चुनाव लड़ रही सपा इन वोटरों के दम पर जीत का दंभ भरती है. वहीं यहां ब्राह्मण वोटर ६० हजार, ठाकुर २० हजार, चौरसिया १८ हजार, वैश्य १२ हजार, पाल ७ हजार, मौर्य ५ हजार और अन्य अनुमानित वोटरों की संख्या करीब २८ हजार है.

हालांकि मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर बीजपी उपचुनाव में सपा को पटखनी देने के बाद गदगद है. मुस्लिम बहुल सीट होने के बाद भी यहां कमल खिलाने में भाजपा कामयाब रही. बीजेपी उम्मीदवार रामवीर सिंह ने यहां १ लाख ४४ हजार के बड़े अंतर से चुनाव जीता. १९९३ के बाद ३१ साल बाद यहां भगवा लहराया. यहां सपा का पीडीए फॉर्मूला काम नहीं किया. बीजेपी ने न केवल अपने परंपरागत वोट बैंक को मजबूत किया बल्कि मुस्लिम बहुल बूथों पर भी बढ़त ली. मिल्कीपुर में भी बीजेपी की सपा का दंभ तोड़ने की तैयारी है.

अयोध्या में हार के बाद मिल्कीपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुद मोर्चा संभाला है. बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले ही वह मिल्कीपुर के कई दौरे कर चुके हैं. यही नहीं ६ मंत्रियों की ड्यूटी इस सीट पर लगाई गई है. बीजेपी फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर मिली हार का बदला मिल्कीपुर जीतकर लेने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है लेकिन सपा के मजबूत किले में सेंध लगाना आसान नहीं रहने वाला है.

मिल्कीपुर सीट पर पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को गिनती के साथ परिणाम घोषित किया जाएगा. नामांकन इसी महीने १० से १७ जनवरी तक किए जा सकेंगे. १८ जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी. २० जनवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे. बसपा ने पहले ही उपचुनाव से दूरी बना ली है.

कांग्रेस ने भी सपा को समर्थन का ऐलान किया है. ऐसे में मुकाबला सपा और भाजपा के बीच ही होगा. २०२२ के चुनाव में यहां से सपा के अवधेश प्रसाद ने जीते थे. उनके सांसद बनने पर इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है.

राज्यपाल ने 28वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के प्रतिभागियों से किया संवाद

रांची (एजेंसी): राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को राजभवन में '२८वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव-२०२५' में राज्य के प्रतिभागियों से संवाद किया। महोत्सव १० जनवरी से १२ जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगा।

राज्यपाल ने सभी चयनित प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह महोत्सव न केवल युवाओं के कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर है, बल्कि भारत की विविध और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि आप अपनी कला, ज्ञान और कौशल को प्रस्तुत कर राज्य और देश का नाम रोशन करें।

आप अपनी प्रतिभा से विशिष्ट पहचान स्थापित करें एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।

राज्यपाल ने प्रतिभागियों के साथ स्टार्ट अप से संबंधित उनके विचार साझा किए।

साथ ही युवाओं को प्रेरित किया कि वे रचनात्मक सोच और समाधान आधारित दृष्टिकोण अपनाकर राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने प्रतिभागियों को बेहतर पीपीटी प्रस्तुति के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि प्रस्तुति ऐसी हो जो श्रोताओं में उत्सुकता जगाए और उसमें समाधान प्रस्तुत करने की स्पष्टता हो। कार्यक्रम में युवाओं ने मेकिंग इंडिया स्टार्टअप कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड, टेक फॉर विकसित भारत, एंपावरिंग वूमेन एंड इंप्रूविंग, सोशल एंपावरिंग वूमेन एंड इंप्रूविंग सोशल इंडिकेटर, एनहांसिंग प्रोडक्टिविटी इन एग्रीकल्चर विषयों पर पीपीटी प्रस्तुति दी।

इस दौरान राज्यपाल ने '२८वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव २०२५' के वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव, सचिव, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग मनोज कुमार, निदेशक, खेलकूद एवं युवा कार्य संदीप कुमार, राज्य निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन ललिता कुमारी एवं युवा प्रतिभागी उपस्थित थे।

युवक ने सात मंजिला छत से कूदकर की आत्महत्या

गोविंदपुर (ससे): जीटी रोड रतनपुर निवासी एवं धनबाद के जिला शिक्षा उपाधीक्षक पद से अवकाश प्राप्त स्व. सुरेश चंद्र झा का पोता तथा प्रकाश रंजन के इकलौता पुत्र उज्ज्वल रंजन (उम्र ३० वर्ष) ने रामगढ में सातवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी. एमकॉम करने के बाद उज्ज्वल रांची में रहकर प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा था. मौसा-मौसी से मिलने वह रामगढ़ गया हुआ था, जहां मंगलवार की रात करीब ९.३० बजे मौसा की सात मंजिली छत से कूद कर आत्महत्या कर ली. इससे घटनास्थल पर ही उसने दम तोड़ दिया. मृतक के पिता प्रकाश रंजन महिंद्रा एंड महिंद्रा में अकाउंटेंट हैं. घटना की जानकारी मिलते ही परिजन रात में ही रामगढ़ पहुंच गए. रामगढ में पोस्टमार्टम के बाद परिजन बुधवार शाम करीब ४ बजे शव लेकर रतनपुर लौटे. कुज्जू थाना में यूडी का मामला दर्ज किया गया है. उज्ज्वल की शादी नहीं हुई थी. वह पिछली बार गत ३१ दिसंबर को अपनी इकलौती छोटी बहन श्रेया रंजन के प्रसव में गोविंदपुर आया था. नवजात शिशु के स्वास्थ्य को लेकर बहन के साथ वह ३ जनवरी को रांची चला गया था. उज्ज्वल बहुत ही मिलनसार युवक था. इस तरह आत्महत्या करने से लोग स्तब्ध हैं. देखने से वह कहीं से भी तनाव में प्रतीत नहीं होता था. शव पहुंचते ही महिलाओं के चीत्कार से माहौल गमगीन हो उठा. देर शाम खुदिया श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया. मुखाग्नि उसके चाचा राकेश रमन ने दी. बड़ी संख्या में लोग श्मशान घाट पहुंचे थे.

न्यायालय की डिक्री पर नहीं लगेगी स्टैंप ड्यूटी, सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार सिविल कोर्ट द्वारा जिन मामलों में डिक्री जारी की जाती है। उसे रजिस्टर्ड कराना अनिवार्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने २० दिसंबर २०२४ को इंदौर हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए यह आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत समझौते को ही डिक्री माना गया है। पंजीयन एक्ट में अलग से रजिस्ट्रेशन कराने का कोई प्रावधान नहीं है।

इंदौर के मुकेश नामक व्यक्ति की जमीन पर अभय कुमार ने कब्जा करने की कोशिश की थी। इस मामले का विवाद कोर्ट में पहुंचा। दोनों पक्षों के बीच में समझौता हो गया। न्यायालय ने डिक्री जारी कर दी। मुकेश जब नामांतरण के लिए तहसील कार्यालय पहुंचा। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने समझौते को रजिस्टर्ड करने के लिए कहा। कलेक्टर स्टेंप ने ६.६७ लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी मांगी थी। मुकेश ने इसकी अपील राजस्व बोर्ड में की। यहां अपील खारिज कर दी गई। २०२० में हाईकोर्ट में अपील को दायर किया गया। वहां से भी मुकेश को राहत नहीं मिली थी।

इस मामले की अपील सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई। अधिवक्ता आनंद अग्रवाल और वरुण रावल ने पैरवी की। सुप्रीम कोर्ट ने समझौते के आधार पर यह फैसला सुनाया है। न्यायालय की डिक्री पारित होने के बाद अलग से रजिस्टर्ड करने की कोई जरूरत नहीं है। इस फैसले के बाद अब राजस्व अधिकारियों को न्यायालय की डिक्री के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड को सही करना होगा।

इस फैसले से सिविल मामलों में जिसमें कई वर्षों और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के बाद सिविल न्यायालय का फैसला आता था। राजस्व रिकार्ड में संशोधन करने के लिए स्टांप ओर पंजीयन विभाग मौजूदा बाजार दर पर स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस की मांग करता था। बिना इसके राजस्व विभाग के अधिकारी नामांतरण एवं राजस्व रिकॉर्ड में संशोधन नहीं करते थे। इस फैसले से एक बहुत बड़ी राहत उन लोगों को मिली है। जिनके मामले सिविल कोर्ट में कई वर्षों के बाद फैसला हुआ और उनका राजस्व रिकॉर्ड में नाम नहीं चढ़ाया जा रहा था।

एक देश-एक चुनाव, जेपीसी सदस्यों को सूटकेस में सौंपी गई 18 हजार पन्नों की रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): एक देश एक चुनाव संबंधी दो विधेयकों के लिए गठित संसदीय समिति ने बुधवार को अपनी पहली बैठक की। इस बैठक में भाजपा सदस्यों ने इस अवधारणा की सराहना की, जबकि विपक्षी सांसदों ने इस पर सवाल उठाए। कानून मंत्रालय की तरफ से जेपीसी के सदस्यों को पढ़ने के लिए नीले सूटकेस में १८ हजार पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट दी गई।

कांग्रेस ने विधेयक को असंवैधानिक और लोकतांत्रिक ढांचे का उल्लंघन बताया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने विधेयक की आर्थिक व्यवहार्यता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह कितना लागत प्रभावी होगा, कितने ईवीएम की जरूरत होगी? बैठक के बाद आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट में भी उस सूटकेस के साथ अपनी फोटो शेयर की है, जिसमें जेपीसी सदस्यों को पढ़ने के लिए रिपोर्ट दी गई है। आम सांसद ने फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, एक देश-एक चुनाव की जेपीसी में हजारों पन्ने की रिपोर्ट मिली है।

सूत्रों ने बताया कि विधि एवं न्याय मंत्रालय के अधिकारियों ने बैठक के दौरान प्रस्तावित कानूनों के प्रावधानों पर एक प्रजेंटेशन दी।

इसमें भारतीय विधि आयोग सहित विभिन्न निकायों द्वारा एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव कराने के विचार का समर्थन किया गया। बीजेपी सदस्यों ने वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि यह देश के हित में है।

आतंकी पासिया पर 5 लाख का इनाम

चंडीगढ़ (ईएमएस): चंडीगढ़ की कोठी और पंजाब के पुलिस थानों पर ग्रेनेड हमले के मास्टरमाइंड विदेश में छिपे आतंकी हैप्पी पासिया पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने ५ लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। लोग एनआईए को टेलीफोन, व्हाट्सएप और ईमेल के जरिए सूचना दे सकेंगे। इसके लिए नंबर जारी किए गए हैं। हाल ही में चंडीगढ़ के कोठी पर हैंड ग्रेनेड हमले में आतंकी हैप्पी पासिया के खिलाफ एनआईए ने गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए चंडीगढ़ जिला न्यायालय में अर्जी दाखिल की गई है। इस अर्जी पर ९ जनवरी को फैसला लिया जाएगा।

अपराधियों ने विस्थापित नेता संतोष सिंह की गोली मारकर की हत्या

रामगढ़ (एजेंसी): हजारीबाग जिले की उरीमारी कोलियरी में अपराधियों ने बुधवार (८ जनवरी) को ट्रेड यूनियन से जुड़े स्थानीय नेता संतोष सिंह की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी. इससे इलाके में सनसनी और दहशत फैल गई. आशंका जताई जा रही है कि रंगदारी वसूली या वर्चस्व की रंजिश में उनकी हत्या की गई है.

संतोष सिंह पोटंगा लुकैयाटांड़ में गाड़ी से अपने घर जा रहे थे, तभी बाइक सवार लोगों ने गाड़ी रुकवाई. उनसे कुछ देर तक बातचीत की और इसके बाद उन्होंने संतोष को तीन गोलियां मारी. इसके बाद वे आराम से फरार हो गए.

संतोष सिंह को तत्काल रांची के इरबा स्थित मेदांता हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. इसकी खबर इलाके में तेजी से फैली. सैकड़ों लोग मौके पर इकट्ठा हो गए. गुस्साए लोगों ने उरीमारी कोलियरी, बिरसा कोलियरी और न्यू बिरसा कोलियरी को बंद करा दिया. उन्होंने इस घटना के लिए पुलिस-प्रशासन को जिम्मेदार बताते हुए नारेबाजी की.

संतोष सिंह कोयला कंपनी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में काम भी करते थे. वह कोलियरी के विस्थापितों के हक के आंदोलनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे. इसके अलावा कोयले की लोकल सेल के कारोबार में भी उनकी भागीदारी थी. घटना की सूचना पर उरीमारी ओपी प्रभारी रामकुमार राम, गिद्दी ओपी प्रभारी कुंदन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे.

पुलिस हत्याकांड से जुड़े सभी संभावनाओं पर तहकीकात में जुटी है. पुलिस अफसरों का कहना है कि वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा. संतोष सिंह का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है.

घटना की सूचना पाकर बड़कागांव के भाजपा विधायक रोशन लाल चौधरी भी मौके पर पहुंचे. पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने हत्याकांड की भर्त्सना करते हुए कहा कि उरीमारी, बरका-सयाल कोयलांचल में अपराध की घटनाएं लगातार हो रही हैं. पुलिस-प्रशासन अपराधियों पर नियंत्रण पाने में नाकाम है.

अत्यधिक इलेक्ट्रॉनिक कारों के माध्यम से लोगों की हो रही है जासूसी

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत सहित दुनिया के देशों में इस समय इलेक्ट्रॉनिक एवं सॉफ्टवेयर युक्त कारों का चलन बड़ी तेजी के साथ बढा है। कार के डैशबोर्ड में लगे सॉफ्टवेयर के माध्यम से कार में बैठे हुए लोगों की बातचीत, उनकी लोकेशन, जो कॉल किये जा रहे हैं। उसकी जानकारी, टेक्स्ट मैसेज और कांटेक्ट सभी कार कंपनियों तक पहुंच रही हैं। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में इस डाटा का दुरुपयोग भी हो सकता है। वही सरकारें कार निर्माता कंपनियों के माध्यम से आम लोगों की जासूसी भी कर सकती हैं।

इस बात का खुलासा तब हुआ,जब नए साल पर अमेरिका के लास वेगास में ट्रंप इंटरनेशनल होटल के सामने साइबर ट्रक में विस्फोट हो गया था। इस विस्फोट में चालक की मौत हो गई थी। ७ लोग घायल हो गए थे। इस घटना के बाद टेस्ला ने कार्रवाई करते हुए, चालक के डेनवर से लास वेगास तक के सफर का पूरा डाटा पुलिस को उपलब्ध कराया। टेस्ला कंपनी ने ऑन बोर्ड सॉफ्टवेयर के माध्यम से यह डाटा जुटाया था। इस जानकारी के बाद सारी दुनिया में इस बात की चर्चा होने लगी है। जिन कारों में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। उनमें लगे सॉफ्टवेयर के माध्यम से पल-पल की जानकारी कार निर्माता कंपनियों तक पहुंच रही है।

डाटा शेयरिंग प्राइवेसी के लिए बड़ा खतरा

जिस तरह से सरकारें आम नागरिकों की जासूसी के लिए तरह-तरह से प्रयास कर रही हैं। उसमें कार उत्पादक भी अब निजी प्राइवेसी के लिए खतरा बनकर सामने आ गए हैं। कार में बैठकर दोस्तों और परिवार के साथ सफर कर रहे हैं। उसका सारा रिकॉर्ड कार निर्माता कंपनियों तक पहुंच रहा है। जिसमें लोकेशन, कॉल लाग, टेक्स्ट मैसेज,कांटेक्ट अन्य सभी जानकारी टेस्ला (वाहन निर्माता) कंपनी तक पहुंच रही है? इस डाटा शेयरिंग को प्राइवेसी के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। वाहन मालिकों को इसके बारे में कोई जानकारी निर्माता कंपनियों द्वारा नहीं दी जाती है।

अमेरिका से दुनिया के अधिकांश देशों में वाहन से प्राप्त किए गए डेटा को नियंत्रित करने का कोई कानून नहीं है। जिस तरह से इंटरनेट के माध्यम से व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग किया जा रहा है।

अब वाहन में चलना और निजता को बरकरार रखना भी बड़ा मुश्किल हो गया है।

विशाखापत्तनम पहुंचे पीएम मोदी, नायडू और पवन कल्याण के साथ किया रोड शो

लोग पीएम मोदी की एक झलक पाने को बेताब दिखाई दिए

विशाखापत्तनम (ईएमएस): दक्षिण दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम पहुंचे।

इस दौरान राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण और अन्य नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने सीएम चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण के साथ विशाखापत्तनम में रोड शो में हिस्सा लिया। इस दौरान सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा। स्थानीय लोग पीएम मोदी की एक झलक पाने को बेताब दिखाई दिए। बीच-बीच में मोदी-मोदी के नारे भी लगे। पीएम मोदी ने भी लोगों को निराश नहीं किया। उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

दरअसल प्रधानमंत्री मोदी बुधवार से आंध्र प्रदेश और ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान वे आंध्र प्रदेश को करोड़ों की सौगात देने वाले है। पीएम मोदी ने कहा, वे विशाखापत्तनम में ग्रीन एनर्जी से जुड़े प्रमुख कार्यों का उद्घाटन करने को लेकर उत्सुक हैं।

सतत विकास, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक बड़े कदम के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ८ जनवरी विशाखापत्तनम में २ लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करुंगा। पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा कि हरित ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और अन्य क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख कार्यों का उद्घाटन करने के लिए मैं विशाखापत्तनम के लोगों के बीच आने को उत्सुक हूं। यह बहुत खुशी की बात है कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ग्रीन हाइड्रोजन हब प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी जाएगी। इससे यह राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस तरह का पहला हब बनेगा। आंध्र प्रदेश के बाद पीएम मोदी ओडिशा जाएंगे। ९ जनवरी की सुबह १० बजे भुवनेश्वर में १८वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन का उद्घाटन करने वाले है।

पृष्ठ एक का शेषांश

.असम के कोयला खदान में---

कुछ का कहना था कि संख्या १५ तक हो सकती है। वहीं सीएम ने यह भी कहा कि प्रारंभिक जांच में खदान अवैध प्रतीत होती है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है और उस पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है क्योंकि वह इस खदान को चला रहा था और उसमें काम करने के लिए मजदूरों को लगाया था।

प्रत्येक वाहन चालक का---

चालकों की थकान के कारण भीषण सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। साथ ही कहा कि देश में २२ लाख चालकों की कमी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने देश के सड़क परिवहन क्षेत्र में परिवर्तन लाने में मदद के लिए मुद्दों, समाधानों और उठाए जाने वाले अगले कदमों पर समग्र रूप से विचार-विमर्श करने के लिए छह और सात जनवरी, २०२५ को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। गडकरी ने देशभर में चालक प्रशिक्षण संस्थानों (डीटीआई) की स्थापना के लिए योजना भी शुरू की। इसके तहत चालक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन, एटीएस (स्वचालित प्रशिक्षण स्टेशन) और डीटीआई के एकीकृत बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

भारत की भूमि पर---

इंच जमीन पर न कब्जा किया गया है और न ही किया जाएगा। बीएसएफ और बीजीबी दोनों ही 'भारत-बांग्लादेश सीमा दिशानिर्देश, १९७५' के अनुसार अपने-अपने क्षेत्रों में शांतिपूर्वक अपना दबदबा बनाए हुए हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की अखंडता बनी रहे। इस बीच, बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ लगाने का काम बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की आपत्ति के बाद फिर से शांतिपूर्ण ढंग से जारी है।

शीर्ष कैडर हो रहा---

एजेंसी सूत्रों के मुताबिक भैरमगढ़ वेस्ट बस्तर एरिया कमेटी के कमांडर पापाराव पर २५ लाख का इनाम है। उसी द्वारा इस कमेटी का संचालन किया जा रहा है। साउथ बस्तर एरिया कमेटी की अगवाई दुर्दांत नक्सली लीडर हिडमा कर रहा है। जिसके इलाके में कुछ महीने पहले फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस की स्थापना हुई है। भैरमगढ़ वेस्ट बस्तर एरिया कमेटी का २५ लाख इनामी कमांडर पापा राव है। इसी दुर्दांत नक्सली कमांडर की भैरमगढ़ वेस्ट बस्तर एरिया कमेटी की यूनिट ने छत्तीसगढ़ बीजापुर में सोमवार को बड़े नक्सली हमले को अंजाम दिया। यह इनामी नक्सली २०१० में सीआरपीएफ जवानों के ऊपर हुए हमले में भी शामिल रहा है।

केंद्र सरकार वित्त वर्ष---

को कम किया है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य शहरी टैक्?सपेयर्स को राहत देना है। ये टैक्सपेयर्स बढ़ती महंगाई का सामना करते हैं और देश की इकोनॉमी में बड़ा योगदान देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि टैक्स स्लैब में १ लाख रुपये की सीमा बढ़ाकर संशोधन करने से टैक्स का बोझ काफी हद तक कम हो सकता है, जिससे अधिक खर्च को बढ़ावा मिलेगा। अप्रैल-नवंबर वित्त वर्ष २०२५ के दौरान व्यक्तिगत टैक्स कलेक्शन २५ प्रतिशत बढक़र ७.४१ लाख करोड़ रुपये हो गया है, जिससे सरकार इन सुधारों को लागू करने के लिए मजबूत स्थिति में है। कॉर्पोरेट टैक्स के विपरीत, व्यक्तिगत टैक्स लगातार लक्ष्य से ज्यादा रही हैं, जिससे सरकार का खजाना भरा है। इसलिए टैक्स कलेक्शन भी टैक्स छूट के लिए संकेत दे रहा है।

भारत में ही रहेंगी---

का तख्तापलट हो गया था। उसी दिन शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और भारत आ गई थीं। अभी शेख हसीना भारत में ही रह रही हैं। शेख हसीना के देश छोड़ देने के बाद अंतरिम सरकार का गठन किया गया, जिसके मुखिया मोहम्मद यूनुस हैं। यूनुस कई बार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर चुके हैं। शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में कई आपराधिक मुकदमे भी दर्ज किए गए हैं और अंतर्राष्ट्रीय अदालत में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मालूम हो कि बांग्लादेश में इसी साल जनवरी में आम चुनाव हुए थे। इन चुनाव में शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग ने बड़ी जीत हासिल की थी। आवामी लीग ने संसद की ३०० में से २२४ सीटें जीती थीं। शेख हसीना साल २००९ से बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं। वो सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वालीं पहली महिला थीं।

चुनाव से पहले केजरीवाल का खेला, बीजेपी धर्मगुरुओं को किया पार्टी में शामिल

भगवा गमछा पहना किया स्वागत, सनातन सेवा समिति गठन का किया ऐलान

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने बीजेपी को तगड़ा झटका दिया है। बुधवार को आप ने बीजेपी की दिल्ली मंदिर प्रकोष्ठ यूनिट से जुड़े १०० से ज्यादा धर्मगुरुओं को आप में शामिल कर लिया है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने धर्मगुरुओं को भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया और इस मौके पर सनातन सेवा समिति के गठन का भी ऐलान कर दिया।

आप ने वादा किया है कि दिल्ली में चुनाव जीतने के बाद पुजारियों और ग्रंथियों को हर महीने १८ हजार रुपए वेतन दिया जाएगा। इस घोषणा को आप के पुजारियों और संतों के प्रति समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि पुजारी और संत भगवान और जनता के बीच सेतु का काम करते हैं। उनकी सेवा करना हमारा सौभाग्य है। बीजेपी के मंदिर प्रकोष्ठ से जुड़े लोगों से वादे किए गए, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं किया गया। आप जो कहती है, वो करती है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने बताया कि विजय शर्मा, जितेंद्र शर्मा, आचार्य बृजेश शर्मा, मनीष गुप्ता, दुष्यंत शर्मा, उदयकांत झा, वीरेंद्र, सोहनदास और श्रवण दास जैसे प्रमुख धर्मगुरु पार्टी में शामिल हुए हैं। इन सभी को सनातन सेवा समिति में शामिल किया गया है। केजरीवाल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि मंदिर प्रकोष्ठ से जुड़े लोगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है, लेकिन आप ने उनके लिए ठोस कदम उठाने का फैसला किया है।

आप का यह कदम दिल्ली चुनाव से पहले धार्मिक और सामाजिक संगठनों को जोड़ने की कोशिश माना जा रहा है। इस पहल से आप न केवल बीजेपी में सेंध लगा रही है, बल्कि सनातन धर्म के अनुयायियों के बीच अपनी पैठ मजबूत कर रही है। दिल्ली चुनावी में आप का यह कदम बड़ा राजनीतिक संदेश देता है। अब देखना होगा कि इस रणनीति से पार्टी को कितना फायदा मिलता है।

आंखों के नीचे पड़े काले घेरों को हटाती है घर की यह चीज

2 या 3 बार लगाने पर ही दिखने लगेगा असर

अगर आपकी आंखों के नीचे भी काले घेरे पड़ गए हैं तो यहां जानिए किस तरह इस दिक्कत से घर बैठे छुटकारा पाया जा सकता है. इन नुस्खों का कमाल का असर नजर आता है.

आंखों के नीचे काले घेरे पड़ना ऐसी दिक्कत है जिससे अक्सर ही लोगों को दोचार होना पड़ता है. पूरी नींद ना लेना, सही समय पर ना सोना, एलर्जी, हाइपरपिग्मेंटेशन, आंखों के आस-पास की स्किन का पतला पड़ना, आंखें जरूरत से ज्यादा रगड़ना, एजिंग, स्मोकिंग और जेनेटिक्स जैसे कारणों से डार्क सर्कल्स (ध्ह्ह्द्ध ध्द्ब्ह्ध्द्ब्) नजर आ सकते हैं. ऐसे में इन डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए बाजार में कई तरह की क्रीम मिलती हैं मगर इनका कुछ खासा असर नजर नहीं आता है. लेकिन, कुछ घरेलू नुस्खे इन डार्क सर्कल्स को दूर करने में असरदार साबित होते हैं. यहां जानिए घर की कौनसी चीजें हैं जो डार्क सर्कल्स को हल्का करती हैं.

आलू का रस

आलू के रस के ब्लीचिंग गुण डार्क सर्कल्स को कम करने में मदद करते हैं. आलू के रस को डार्क सर्कल्स पर सादा ही लगाया जा सकता है. इसके लिए आलू को घिसकर उसे निचोड़ें और फिर रूई की मदद से आंखों के चारों तरफ लगा लें. कुछ दिन नियमित इस्तेमाल से ही इसका असर दिखने लगेगा. आप चाहे तो आलू के रस में नींबू का रस मिलाकर भी लगा सकते हैं.

नारियल का तेल

रूखेपन के कारण डार्क सर्कल्स होने लगते हैं तो नारियल के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है. नारियल के तेल के हेल्दी फैटी एसिड्स स्किन को हाइड्रेशन देते हैं और त्वचा की डार्कनेस को कम करते हैं सो अलग. नारियल तेल को रोजाना रात में डार्क सर्कल्स पर लगाकर सोया जा सकता है.

काम आएगी कॉफी

शहद और कॉफी को साथ मिलाकर पेस्ट तैयार करें. इस पेस्ट को डार्क सर्कल्स पर 10 से 15 मिनट लगाकर रखने के बाद धोकर हटा लें. इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कॉफी के इस पेस्ट को आंखों से धोकर साफ कर रहे हों तो इसे रगड़े नहीं. आंखों के आस-पास की त्वचा पतली होती है इसीलिए इस पेस्ट को ध्यान से हटाने की जरूरत होती है.

दूध और हल्दी लगाएं

हल्दी के औषधीय गुण त्वचा से टैनिंग, मैल और डेड स्किन सेल्स को हटाने का काम करते हैं. ऐसे में डार्क सर्कल्स पर भी हल्दीको लगया जा सकता है. हल्दी से त्वचा पीली ना पड़ जाए इसके लिए हल्दी में दूध डालकर इसे रूई से डार्क सर्कल्स पर लगा लें. 15 मिनट बाद स्किन को धोकर साफ किया जा सकता है.

विटामिन ई कैप्सूल भी है असरदार

विटामिन ई की कैप्सूल को त्वचा पर लगाया जा सकता है. इसे सादा लगा सकते हैं या फिर नारियल के तेल में मिलाकर इसे डार्क सर्कल्स पर लगा लें. इससे स्किन पर चमक आती है और डार्क सर्कल्स की दिक्कत दूर हो जाती है. डार्क सर्कल्स को हल्का करने में यह नुस्खा कारगर होता है.

दांत में लगे कीड़े का रामबाण इलाज है यह एक मसाला

दांतों की सड़न को ही दांतों में कीड़ा लगना कहते हैं. जब दांतों में सड़न होती है तो दांत खराब होने लगते हैं और सड़न वाला हिस्सा काला नजर आने लगता है. इसीलिए इसे दांत में कीड़ा लगना कहते हैं. इससे दांत कमजोर पड़ने लगते हैं और दांतों के टूटकर गिरने की संभावना बढ़ जाती है. ऐसे में समय रहते इस सड़न को दूर करने की कोशिश की जाती है. यहां ऐसे ही कुछ घरेलू नुस्खों का जिक्र किया जा रहा है जो दांतों की सड़न को दूर करने में असरदार होते हैं. इन नुस्खों को आजमाना आसान होने के साथ-साथ असरदार भी होता है.

लौंग का पाउडर

एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर लौंग का पाउडर दांतों की सड़न को कम करने में फायदेमंद साबित होता है. इसके इस्तेमाल के लिए लौंग के पाउडर को पीसकर पानी, नारियल तेल या लौंग के तेल के साथ ही पेस्ट बना लें. इसे सड़न वाले दांत पर लगाकर कुछ देर रखें और फिर धोकर साफ कर लें. आप चाहे तो सिर्फ नारियल के तेल को ही सड़न वाले दांत पर लगा सकते हैं. इस तेल को रूई में डालकर दांत पर लगाया जा सकता है. इसे दांतों के बीच में दबाकर रखें और कुछ देर बाद मुंह से निकालकर कुल्ला कर लें. इस बात का ध्यान रखें कि आप लौंग के तेल को निगलें नहीं.

हल्दी का पेस्ट

सरसों के तेल और हल्दी को मिलाकर पेस्ट तैयार करें. इस पेस्ट को दांतों की सड़न कम करने के लिए लगाया जा सकता है. हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीमाइक्रोबियल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो दांतों की सड़न कम करने में असरदार होते हैं. हल्दी के पेस्ट को दांतों पर आधा घंटा लगाकर रखने के बाद धोकर हटाया जा सकता है.

नीम आएगी काम

नीम को सदियों से औषधी की तरह इस्तेमाल किया जाता है. नीम की डंडी ही नहीं बल्कि नीम की पत्तियां भी दांतों के लिए फायदेमंद होती हैं. नीम को पीसकर इसके पेस्ट को दांतों पर रखा जा सकता है. नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर इस पानी से रोजाना मुंह कुल्ला कर सकते हैं. इसके अलावा, नीम की दातुन का इस्तेमाल किया जा सकता है.

लहसुन

बैक्टीरिया से लड़ने और दांत के कीड़े यानी सड़न को कम करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल किया जा सकता है. कच्चे लहसुन को कूटकर दांतों पर लगाएं. इसे कुछ देर लगाकर रखने के बाद मुंह से निकाल लें. दांतों के सड़न की दिक्कत कम होती है.

अमरूद के पत्ते

सड़न वाले दांत को ठीक करने के लिए अमरूद के पत्ते इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं. अमरूद के पते एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों और एंटीमाइक्रोबियल गुणों से भरपूर होते हैं और मुंह के बैक्टीरिया से लड़कर मसूड़ों की सेहत को अच्छा रखते हैं. इससे ना केवल दांतों की सड़न कम होती है बल्कि दांतों के दर्द से भी छुटकारा मिलता है. अमरूद के पत्ते पीसकर दांतों के बीच रखे जा सकते हैं.

बेजान बालों में जान डाल देगा मेथी का यह हेयर मास्क

डैंड्रफ से लेकर हेयर फॉल तक की दिक्कत को रोकने में असर दिखाते हैं मेथी के दाने. यहां जानिए बालों पर कैसे लगाएं मेथी कि बाल मुलायम बनने लगें. मेथी का हेयर मास्क बालों पर कमाल का असर दिखाता है. रसोई के मसालों में एक नहीं बल्कि कई गुण पाए जाते हैं जो ना सिर्फ त्वचा बल्कि बालों के लिए भी फायदेमंद होते हैं. इन्हीं चीजों की गिनती में आते हैं मेथी के दाने. बालों पर मेथी के दाने लगाने पर ना सिर्फ बालों का टूटना और झड़ना कम होता है बल्कि स्कैल्प की अच्छी सफाई हो जाती है, स्कैल्प पर जमी डेड स्किन सेल्स हटती हैं, बालों का बेजानपन दूर होता है और साथ ही बाल सिल्की और सॉफ्ट होने लगते हैं. मेथी के दाने विटामिन सी, आयरन, पौटेशियम, निकोटिनिक एसिड और आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं. ऐसे में यहां जानिए बालों पर किस तरह से मेथी के दाने लगाए जा सकते हैं.

मुलायम बालों के लिए मेथी के दाने

रात में 2 से 3 चम्मच मेथी के दाने पानी में भिगोकर रख दें. आप बालों की लंबाई के

अनुसार भी मेथी के दाने ले सकते हैं. इन दानों को अगली सुबह पीसें और पेस्ट तैयार कर लें. यह पेस्ट बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक लगाया जा सकता है. इसे बालों पर आधे से एक घंटे लगाकर रखें और फिर धोकर हटा लें. बालों में चमक आ जाती है.

सिर की खुजली के लिए - अगर डैंड्रफ या ड्राइनेस के कारण स्कैल्प पर खुजली होती है तो इसके लिए मेथी के दानों के पेस्ट में अंडे मिलाकर लगाए जा सकते हैं. आपको पूरा अंडा नहीं लेना है बल्कि अंडे के पीले हिस्से को मेथी के दानों में मिलाकर सिर पर लगाना है. इसे आधा घंटा लगाकर रखें और फिर धोकर हटा लें.

बाल बढ़ाने के लिए - मेथी के गुण बालों को बढ़ने में मदद करते हैं. ऐसे में एक कटोरी नारियल के तेल में एक चम्मच मेथी के दाने डालकर पकाएं. जब मेथी के दाने अच्छी तरह पक जाएं तो इस तेल को ठंडा होने के लिए रख दें. बालों पर हफ्ते में 2 से 3 बार इस तेल को हल्का गर्म करके लगाया जा सकता है. मेथी का यह तेल बालों को मजबूती देता है और हेयर ग्रोथ बूस्ट करता है.

हेयर फॉल रोकने के लिए - लगातार झड़ रहे बालों को मजबूत बनाने के लिए मेथी को रातभर भिगोकर रखें और अगली सुबह पीसकर पेस्ट बनाकर सिर पर लगाएं. इस पेस्ट में नींबू का रस मिलाया जा सकता है. इसे सिर पर 20-30 मिनट लगाकर रखने के बाद धोकर हटा लें. बालों को जड़ों से सिरों तक मजबूती मिलती है.

डैंड्रफ हटाने के लिए

सिर पर जमे डैंड्रफ को कम करने के लिए मेथी के पेस्ट में दही मिलाकर हेयर मास्क बना लें. इस हेयर मास्क को सिर पर आधा घंटा लगाकर रखने के बाद धोकर हटाएं. हफ्ते में 3 बार इस नुस्खे को आजमाया जाए तो सिर से डैंड्रफ पूरी तरह हट जाता है.

फैट बर्नर कहलाती हैं खानपान की ये 7 चीजें

डाइट में कर लिया शामिल तो पतला होने लगेगा पेट

लगातार बढ़ती शरीर की चर्बी मोटापे की वजह बनती है. ऐसे में खानपान में उन फूड्स को शामिल करना असरदार होता है जो फैट बर्निंग गुणों से भरपूर होते हैं और पेट अंदर करने का काम करते हैं.

हेल्दी फूड्स को खानपान का हिस्सा बनाया जाए तो सेहत दुरुस्त रहती है. लेकिन, आजकल की डाइट में घर के खाने से ज्यादा बाहर की चीजें शामिल की जाने लगी हैं. इन फूड्स से ना सिर्फ मोटापा बढ़ता है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी बढ़ने लगती हैं. ऐसे में यहां जानिए वो कौनसे फूड्स हैं जो फैट बर्न करने में मदद करते हैं. इन फैट बर्निंग फूड्स को खाने पर बाहर निकला पेट अंदर होने में मदद मिलती है. साथ ही, इन फूड्स से मोटापा कम होने लगता है और शरीर फिट रहता है सो अलग.

जानिए कौनसे हैं ये फूड्स

कद्दू

सीताफल या कद्दू को फैट बर्निंग फूड्स की गिनती में रखा जाता है. इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, पौटेशियम होता है और साथ ही यह फाइबर से भरपूर है. ऐसे में कद्दू के सेवन से वजन कम होने में असर दिखता है. कद्दू में प्रोटीन की भी अच्छीखासी मात्रा होती है जो मसल्स के लिए भी फायदेमंद है.

ओट्स

फाइबर से भरपूर ओट्स फैट लॉस में मददगार होते हैं. ओट्स को रोजाना नाश्ते में खाया जा सकता है. इसमें प्रोटीन भी होता है और यह गट हेल्थ को भी अच्छा रखता है. ऐसे में ओट्स का सेवन करना फायदेमंद है. ओट्स को दही के साथ, दूध के साथ या फिर चटपटा बनाकर भी खा सकते हैं.

अंडे

अंडे सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं होते बल्कि वजन कम करने में असरदार भी होते हैं. अंडों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है और इन्हें खाने पर वजन कम होने में असर दिखने लगता है. अंडे सुबह नाश्ते में उबालकर, ऑमलेट बनाकर या भुजिया की तरह भी खाए जा सकते हैं.

ग्रीन टी

ग्रीन टी को डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है. ग्रीन टी लो कैलोरी ड्रिंक है जिसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो फैट बर्न करने में मदद करते हैं. सादा ग्रीन टी पीने के बजाय ग्रीन टी में नींबू का रस निचोड़कर पिया जा सकता है.

सेब

फाइबर से भरपूर सेब खानपान में शामिल किया जाए तो वजन कम करने का काम करता है. सेब के अलावा नाशपाती और अमरूद भी फाइबर से भरपूर होते हैं और स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं. ऐसे में मिड मील में स्नैक्स की तरह इन फलों को खाया जा सकता है.

बेरीज

एंटी-ऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भरपूर बेरीज पेट कम करने में असरदार हैं. इन बेरीज में ब्लूबेरीज, स्ट्रॉबेरीज और ब्लैकबेरीज हैं जो खानपान का हिस्सा बनाई जा सकती हैं. बेरीज शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से भी बचाती हैं.

शकरकंदी

खानपान में अगर शकरकंदी शामिल की जाए तो इससे भी शरीर को फैट बर्निंग गुण मिल जाते हैं. शकरकंदी पौटेशियम, विटामिन सी और फाइबर से भरपूर होती है. इसे उबालकर खाया जा सकता है या इससे सूप भी बना सकते हैं.

बाल हो गए हैं रुखे और बेजान तो लगाना शुरू कर दें ये हेयर ऑयल

बालों में आ जाएगी चमक

ठंड के मौसम में बालों की ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है. इस मौसम में ठंडी हवाओं के कारण बाल रुखे और बेजान हो जाते हैं. इस मौसम में बढ़ते ड्राइनेस की वजह से स्कैल्प के ड्राई होने से हेयर फॉल की समस्या भी बढ़ने लगती है. अक्सर हेयर वॉश के लिए गर्म पानी का यूज करने से भी बाल रफ और डैमेज हो जाते हैं और बेजान नजर आने लगते हैं. इन सभी समस्याओं से बचने के लिए बालों की देखभाल में ऑयलिंग को शामिल करना जरूरी होता है. कुछ खास तरह के ऑयल से इन समस्याओं से बचने में काफी मदद मिल सकती है. ये ऑयल न सिर्फ बालों को डैमेज होने से बचाते हैं बल्कि उनके ग्रोथ को भी तेज करते हैं.

नारियल का तेल

कोकोनट ऑयल बालों में नैचुरल मॉश्चराइजर को बनाए रखने में मदद करता है. इससे इस मौसम में बालों के रुखेपन और उलझने की समस्या कम होती है. ठंड के मौसम में नारियल तेल से हेयर रूट्स में मसाज करनी चाहिए. इससे रूसी की समस्या में भी कमी आती है. कोकोनट ऑयल को हल्का सा गर्म कर अप्लाई करना ज्यादा फायदेमंद साबित होगा. इसमें मौजूद आयरन, पोटिशयम जैसे जरूरी तत?व बालों को को हेल?दी बनाए रखते हैं.

बादाम का तेल

बादाम के तेल में विटामिन ई पाया जाता है. इससे ठंड के मौसम में स्कैल्प को स्मूथ रखने में मदद मिलती है बालों के रुखेपन में कमी आती है. ठंड के मौसम में आल्मंड ऑयल से मसाज करने से हेयर हेल्थ के जरूरी विटामिन ई और विटामिन डी मिलने के कारण हेयरफॉल में कमी आती है और बालों में नैचुरल चमक बनी रहती है.

ऑर्गन ऑयल

मोरक्को में ऑर्गन की गुठलियों से निकाला जाने वाला यह ऑयल स्किन और हेयर के लिए बहुत फायदेमंद होता है. यह बालों को ठंडी हवाओं, धूप और पौल्यूशन से होने वाले नुकसान से बचाता है. ठंड के मौसम में ऑर्गन ऑयल से हेयर मसाज करने से बाल सॉफ्ट और शाइनी बने रहते हैं.

जैतून का तेल

ऑलिव ऑयल बालों में मॉश्चराइजर को लॉक करने में मदद करता है. इससे ठंड के मौसम में बालों के रुखे और बेजान होने की समस्या में कमी आती है. जैतून के तेल को हल?का गुनगुना करके स?कैल?प पर अप?लाई करना चाहिए. इससे बालों को मिलने वाला पोषण बालों को मुलायम रखता है. मसाज के कारण स?कैल?प के ब?लड सर्कुलेशन बढ़ता है जिससे हेयर फॉल की समस्या में कमी आती है.

आंवले का तेल

आंवले का तेल बालों में अप्लाई करने से हेयरफॉल, रूसी, पतले बाल, सफेद बाल जैसी समस्याएं कम होती हैं. आंवले में मौजूद विटामिन सी और आयरन से बालों भरपूर पोषण मिलता है और हेयर हेल्थ बेहतर होती है.

ठंड के मौसम में बालों को रुखेपन और उलझने से बचाने के लिए ऐसे करें ऑयलिंग

ऑयल को हमेशा गुनगुना करने के बाद अप्लाई करें. स?कैल?प पर मसाज करते समय उंगलि?यों की मदद से प्रेशर दें और सर्कुलर मोशन में मसाज करें. तेल की मात्रा का ध्यान रखें बहुत ज्यादा तेल लगाने की जगह अच्छी तरह से मसाज पर फोकस करें. स?कैल?प को अ?छी तरह से मसाज करने के बाद गरम पानी में तौलिया भिगोकर बालों पर लपेट ने से फायदा होगा.

जमाना ऑनलाइन लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुड़कर पढ़ना चाहते हैं, तो आनलाइन-लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एंव सीईओर अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्ट्स और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कोर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेंडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं।

वेतन - इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री में अलग-अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें बतौर स्टा-इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।

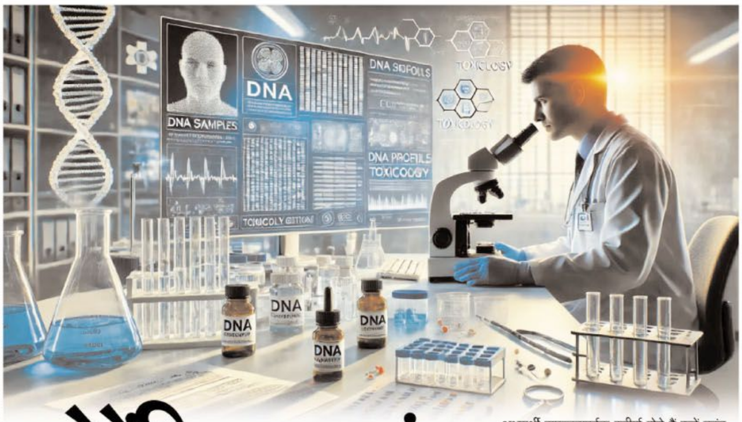

फोरेंसिक साइंस रोमांचकारी कॅरियर

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वनात्मक है। इस क्षेत्र में युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फोरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे वह रोमांचकारी और आह्वनात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है।

फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस सांइस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का वापर किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरों के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा में विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवी उत्तीर्ण हो तो इस शाखा में प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र में पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संख्या से संबंधित पद होते हैं जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान-प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं हैं। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे हैं। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते हैं उन्हें तुरंत नियुक्ति मिल जाती है।

चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते हैं लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।

संस्थाओं के नाम निम्नानुसार है-

- लोकनायक जय प्रकाश नायक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमीनालॉजी एंड फॉरेंसिकसाइंस दिल्ली।
- डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मप्र।
- डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेसिक साइंस पंजाब विद्यापीठ पंजाब।
- लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ उप्र।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली युवा चाहें तो इस क्षेत्र में नाम कमा सकते हैं।

लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ों को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कीसवी सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं। आज महानगरों में ही नहीं तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है। आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्ययसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति-पत्नी दोनों ही या तो नौकरी में हैं या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ों की धुलाई प्राय- लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते हैं। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े-बड़े पाश हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार हैं। धुलाई का कोई तोटा नहीं है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रियां पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्याय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन चलाकर और एक आकर्षक पैंकिग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी-कभी तो लॉड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवीं सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ों की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नहीं पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे में इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफा कमाया जा सकता है। आप इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।

कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

साग-सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगो को शुध्द सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमीं है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते हैं, इससे आपको शुध्द सब्जियां भी मिलेंगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते हैं !

साग-सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रेत हैं, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है।

सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते है। इससे एक तो एकित्रत अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी। यह एक सुरिक्षत पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंटीमीटर की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाडियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे ङ्क भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे ङ्क टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढककर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों में एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पाविध हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

10 बच्चों का बाप बेटियों को बनाता था हवस का शिकार, तंग आकर नाबालिग बहनों ने पिता को जिंदा जलाकर मार डाला

पेशावर , एजेंसी। पाकिस्तान में दो नाबालिग बहनों ने पिता की हरकतों से तंग आकर ऐसा कदम उठाया कि पूरा देश दहल गया। यह भयानक घटना सामने आई है पंजाब प्रांत में जहां दो नाबालिग बहनों ने अपने पिता को जिंदा जलाकर मार डाला। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी दी कि उनका पिता अपनी बेटियों का यौन उत्पीड़न करता था। तंग आकर दोनों बहनों ने यह कदम उठाया। घटना के बाद बवाल मचा हुआ है। पुलिस ने बताया कि उसकी तीन शादियों से 10 बच्चे हैं। यह घटना सोमवार को लाहौर से लगभग 80 किलोमीटर दूर गुजरांवाला के मुगल चौक में घटी। पुलिस ने बताया कि 48 वर्षीय अली अकबर ने तीन शादियां की थीं और उनसे उसके 10 बच्चे थे। अकबर की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है, जबकि बाकी दो पत्नियां और बच्चे किराए के मकान में रह रहे हैं। पुलिस के अनुसार, सोमवार को जब अकबर सो रहा था, तब उसकी 12 और 15 वर्षीय बेटियों ने पेट्रोल छिड़ककर उसे आग लगा दी। वह गंभीर रूप से झुलस गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। दोनों लड़कियों को हिरासत में ले लिया गया है और उन्होंने पुलिस को दिए बयान में कहा कि उनके पिता उनका यौन उत्पीड़न करते थे। उन्होंने कहा, बाप के वहशीपन से तंग आकर हम दोनों ने उसको मारने की योजना बनाई थी। हमने उनकी (बाइक) से पेट्रोल लिया और उन पर छिड़क कर आग लगा दी। पुलिस ने यह भी कहा कि हत्या का मामला दर्ज करने से पहले वे मृतक की दोनों पत्नियों के बयान भी दर्ज कर लिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के आईलैंड में सीप्लेन क्रैश, पायलट समेत 3 लोगों की मौत

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट द्वीप के पास एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो पर्यटकों सहित तीन लोगों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार अपराह्न द्वीप से उड़ान भरने के दौरान विमान 'सेसना 208 कारवां दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें सात लोग सवार थे। उसने बताया कि महज एक यात्री है जिसे कोई चोट नहीं आई है। 'स्वान रिवर सीप्लेन्स के स्वामित्व वाला यह विमान रॉटनेस्ट द्वीप से पर्थ लौट रहा था। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया राज्य के प्रमुख रोजर कुक ने बताया कि मृतकों में स्विट्जरलैंड की 65 वर्षीय पर्यटक (महिला), डेनमार्क का 60 वर्षीय पर्यटक (पुरुष) और पर्थ का एक निवासी शामिल है। यह व्यक्ति विमान का पायलट था। कुक ने कहा कि दुर्घटना की वजह का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया राज्य के पुलिस कमिश्नर कर्नल ब्लांच ने बताया कि घायलों की गंभीर चोट नहीं आई है। इस दुर्घटना की जांच कर रहे 'ऑस्ट्रेलियन ट्रांसपोर्ट सेफ्टी ब्यूरो (एटीएसबी) ने कहा कि विशेष अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजा जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने इन घटना को ''भयावह बताया।

कनाडा को अमेरिका हिस्सा बनाने से जस्टिन ट्रूडो ने किया साफ इनकार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा को अमेरिका हिस्सा बनाने से प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा होने की थोड़ी भी संभावनाएं नहीं हैं। दरअसल, ट्रूडो पीएम और लिबरल पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दे चुके हैं। इसके बाद अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव रखा था। ट्रूडो ने एक्स पर लिखा, इस बात की थोड़ी भी संभावनाएं नहीं हैं कि कनाडा अमेरिका का हिस्सा बनेगा। उन्होंने आगे लिखा, हमारे दोनों ही देशों में श्रमिक और समुदाय एक दूसरे के सबसे बड़े कारोबारी और सुरक्षा साझेदार होने का लाभ ले रहे हैं। सोमवार को ट्रंप ने ट्रूडो के सामने कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने का अपना प्रस्ताव दोहराया। ट्रंप, पांच नवंबर को अपनी चुनावी जीत के बाद 'मार-ए-लागो' में ट्रूडो से मुलाकात के बाद से ही कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने का विचार व्यक्त करते रहे हैं।

जिसे ढूंढ रहा अमेरिका, उस आतंकी को भी रिहा कर रहा बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी।
मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश सेना के बर्खास्त मेजर सैयद जिया-उल-हक को बरी करने की प्रक्रिया कथित तौर पर शुरू कर दी है. वह अलकायदा से जुड़ा हुआ है और अमेरिका द्वारा वांछित है. दिसंबर 2021 में, अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्लोमैटिक सिक्योरिटी सर्विस ने अपने रिवार्ड्स फॉर जस्टिस (आरएफजे) कार्यालय के जरिए हक (उर्फ मेजर जिया) और अकरम हुसैन की गिरफ्तारी या दोषसिद्धि के लिए सूचना देने पर 5 मिलियन डॉलर तक का इनाम देने की पेशकश की थी.

ये दोनों चार अन्य व्यक्तियों के साथ ढाका में फरवरी 2015 में हुए आतंकवादी हमले में शामिल पाए गए थे. इसमें अमेरिकी नागरिक अविजित रॉय की मौत हो गई थी और उनकी पत्नी रफीदा बोन्या अहमद गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. बांग्लादेश में जन्मे दोनों अमेरिकी नागरिक ढाका में एक पुस्तक मेले में भाग लेने के लिए आए थे, जब उन पर हमलावरों ने छुरे से हमला किया. रॉय की मौत हो गई, जबकि अहमद गंभीर रूप से घायल हो गई.

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, बांग्लादेश में स्थित अलकायदा से प्रेरित आतंकवादी समूह अंसारुल्लाह बांग्ला टीम ने हमले की जिम्मेदारी ली. जिया, कथित तौर पर बाद में पाकिस्तान भाग गया था उसकी खोज बांग्लादेशी अधिकारी भी कर रहे थे. जागृति प्रकाशन के फोयसल अरेफिन दीपोन और कलाबागान के जुलहास-टोनॉय की हत्या के मामलों में 2016 में उसे खोजने के लिए 2 मिलियन टका का इनाम घोषित किया गया था. इससे पहले, 2011 में, उसने एक असफल तख्तापलट में भी प्रमुख भूमिका निभाई थी. हाल ही में, वीजा चाहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी की नीति में व्यापक रूप से ढील दी गई थी. इसके चलते कुछ सप्ताह पहले जिया को पाकिस्तानी पासपोर्ट पर ढाका लौटने में सुविधा हुई.

रिपोर्ट में कहा गया कि, अपनी वापसी के तुरंत बाद, जिया ने औपचारिक रूप से सभी आरोपों से बरी होने और 29 दिसंबर, 2024 को मोस्ट-वांटेड सूची से हटाए जाने के लिए आवेदन किया. उसने सभी दोषसिद्धियों को रद्द करने और इनाम वापस लेने की मांग की.

स्थानीय मीडिया ने बताया कि बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) की गुमशुदगी समिति के प्रमुख न्यायमूर्ति मैनुल इस्लाम चौधरी, जो पूरे मामले की जांच करेंगे, जिया के ससुर हैं. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर यह आरोप लगातार लग रहे हैं कि वह कट्टरवादी ताकतों को हवा दे रही है. पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद देश में अल्पसंख्यकों और उनके धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाने की खबरें लगातार आ रही है.

बांग्लादेश के जाने-माने पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने बीएलआईटीजेड में लिखा, यूनुस प्रशासन ने पहले भी अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के नेता जशीमुद्दीन रहमानी जैसे अन्य इस्लामवादी लोगों को बरी किया है. अपनी रिहाई के बाद रहमानी ने सार्वजनिक रूप से भारत में जिहाद और गजवा-ए-हिंद को लागू करने का आह्वान किया. इन कार्रवाइयों ने बांग्लादेश की आतंकवाद-रोधी प्रतिबद्धता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं और देश के चरमपंथी गतिविधियों का केंद्र बनने की आशंकाएं पैदा कर दी हैं. चौधरी के अनुसार, जिया की रिहाई के अनुरोध को स्वीकार करने के यूनुस प्रशासन के फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे, जो बांग्लादेश को आतंकवादियों के लिए लॉन्चपैड में बदल सकते हैं और पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकते हैं. इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की गिरती प्रतिष्ठा को भी गंभीर नुकसान पहुँच सकता है.

नक्शे से मिट जाएगा मैक्सिको का नाम, कनाडा को चुकानी होगी कीमत; शपथ से पहले फिर बरसे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी।
डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही अमेरिका के नए राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालेंगे। 20 जनवरी को अपने शपथ ग्रहण से पहले ट्रंप अपने बयानों को लेकर और आक्रामक होते जा रहे हैं। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कई देशों पर एक साथ हमला बोला है। इनमें कनाडा, मैक्सिको और ग्रीनलैंड भी शामिल हैं जिनपर वह बीते कुछ सप्ताह से लगातार निशाना साध रहे हैं। मंगलवार को डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर 'अमेरिका की खाड़ी' रख देंगे। इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने दोहराया था कि कनाडा को अमेरिका का 51 वां राज्य बन जाना चाहिए।

ट्रंप ने मंगलवार को कहा, हम मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने जा रहे हैं। यह बहुत सारे क्षेत्रों को कवर करता है। अमेरिका की खाड़ी कितना सुंदर नाम है। और यह बिल्कुल उचित नाम है। उन्होंने आगे कहा, मेक्सिको बड़े संकट में है। यह बहुत खतरनाक जगह है। ट्रंप ने मंगलवार को मार-ए-लागो एस्टेट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जहां उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब दिए।

अवैध प्रवासियों के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मेक्सिको को लाखों लोगों को हमारे देश में आने की इजाजत देना बंद करना होगा। वे उन्हें रोक सकते हैं। हम मेक्सिको और कनाडा पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। ट्रंप इससे पहले भी अवैध प्रवासियों को लेकर गंभीर चेतावनी दे चुके हैं। हाल के दिनों में यह बात उन्होंने कई बार दोहराई है जो संकेत दे रहा है कि ट्रंप इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं।

सोमवार को उन्होंने पनामा नहर को लेकर चीन को भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर अमेरिकी नियंत्रण पाने के लिए वह सैन्य कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटेंगे। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के पनामा नहर का नियंत्रण वापस लौटने के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को इस सौदे में धोखा दिया गया।

साइबरट्रक को उड़ाने के लिए हुआ था चैटजीपीटी का इस्तेमाल, लासवेगस ब्लास्ट में बड़ा खुलासा

वॉशिंगटन , एजेंसी।
न्यू ईयर के दिन लासवेगस में ट्रंप इंटरनेशनल होटल के बाहर टेस्ला साइबरट्रक में हुए ब्लास्ट मामले में अहम जानकारी सामने आई है। इस धमाके की प्लानिंग के लिए पॉपुलर चैटबॉट चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया गया था।

अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संदिग्ध ने चैटजीपीटी से पूछा कि ब्लास्ट करने के लिए कितने एक्सप्लोजिव की जरूरत होती है और इसे कैसे इस्तेमाल करते हैं। इस मामले की जांच फिलहाल एफबीआई कर रही है।

टेस्ला साइबरट्रक में हुए धमाके में संदिग्ध की मौत हो गई थी। उसकी पहचान 37 वर्षीय मैथ्यू लिवेल्सबर्गर के तौर पर हुई थी। वह सेना में काम कर चुका था। एफबीआई ने कहा कि घटना को अंजाम देने में वह अकेले ही शामिल था और यह सुसाइड का केस लगता है।

लासवेगस मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने मंगलवार को कहा कि साइबरट्रक ब्लास्ट यूएस की धरती पर पहला मामला था, जब विस्फोटक सामग्री बनाने के लिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया गया हो। एआई की आलोचना करने वाले लोगों ने पहले ही इसे खतरनाक बताया है।

हमारे पास इस बात के पक्के सबूत हैं कि संदिग्ध ने चैटजीपीटी एआई का इस्तेमाल अटैक के लिए किया था। अमेरिका की धरती पर यह इस तरह का पहला मामला है।

चैटजीपीटी पर लग रहे आरोपों के बाद अब कंपनी का भी बयान सामने आया है। चैटजीपीटी को बनाने वाली ओपनएआई ने कहा कि कंपनी एआई टूल का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसका मॉडल खतरनाक निर्देश देने से मना करने के लिए डिजाइन किया गया है।

कंपनी ने कहा कि इस मामले में चैटजीपीटी ने जिम्मेदारी के साथ वही जानकारी दी, जो पहले से इंटरनेट पर उपलब्ध है। साथ ही एक वार्निंग भी जारी की कि किसी गैरकानूनी गतिविधि के लिए इसका इस्तेमाल न हो।

एफबीआई ने कहा है कि साइबर में ब्लास्ट की घटना का न्यू ऑर्लिन्स में हुए हमले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध की अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति कोई दुश्मनी नहीं थी।

एफबीआई ने कहा कि यह संभवतः पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर का मामला है। वहीं पुलिस ने यह भी कहा है कि संदिग्ध के फोन से 6 पेज का मेनिफेस्टो भी बरामद हुआ है।

सिंध प्रांत में हिंसक हुआ अतिक्रमण हटाने का अभियान, अधिकारियों-भीड़ के बीच झड़प

हैदराबाद शहर के कासिमाबाद इलाके में हुई झड़प

इस अभियान का नेतृत्व सिंचाई विभाग कर रहा है

कराची , एजेंसी।
पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अतिक्रमण हटाने का अभियान हिंसक हो गया है, जिससे अधिकारियों और भीड़ के बीच झड़प हो गई। इस झड़प में कम से कम 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। ये झड़पें मंगलवार को हैदराबाद शहर के कासिमाबाद इलाके में हुईं।

अधिकारियों को स्थानीय लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जब वे एक सिंचाई चैनल को बहाल करने और जमीन पर 24 फुट चौड़ी सड़क बनाने के लिए अतिक्रमण और संरचनाओं को हटाने के लिए एक मजबूत पुलिस बैकअप के साथ पहुंचे। अतिक्रमित संरचनाओं के निवासियों ने अधिकारियों पर पथराव किया, जिससे कुछ सरकारी गाड़ियों के शीशे टूट गए। जब कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की और भारी आंसू गैस के गोले छोड़े तो प्रदर्शनकारी भीड़ के लगभग 12 नागरिक भी घायल हो गए।

हैदराबाद के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) जैनुल आबिदीन मेमन ने हिंसा की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, भीड़ के साथ-साथ कुछ नागरिकों की तरफ से की गई हिंसा में लगभग 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा कि पिछले दिन की झड़प के बाद आज बुधवार को भी अभियान जारी था।

इस अभियान का नेतृत्व सिंचाई विभाग कर रहा है। मेमन के मुताबिक, कासिमाबाद सहायक आयुक्त के सर्वेक्षण के अनुसार क्षेत्र में 350-400 अतिक्रमित संरचनाएं मौजूद थीं। निवासी एक अलग कहानी का दावा करते हैं।

ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका, पैसे देकर चुप कराने के मामले में नहीं मिली राहत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. चुप रहने के लिए पैसे देने के मामले में सजा पर सुनवाई पर रोक को लेकर उनकी याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है. न्यूयॉर्क अपील कोर्ट के जज ने ट्रंप के अनुरोध को खारिज कर दिया. मामले में शुक्रवार सजा पर फैसला सुनाया जाना है. ट्रंप अब अपीलीय अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं और सजा पर स्टे लगाने का अनुरोध कर सकते हैं.

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार एसोसिएट जस्टिस एलेन गेस्मर ने मंगलवार दोपहर मामले पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद ट्रंप के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया. ट्रंप ने मंगलवार को चुप रहने के लिए धन देने के मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया था. ट्रंप के वकील टॉड ब्लैंच ने मंगलवार को अदालत से कहा कि उन्हें ट्रंप की सजा पर रोक लगा देनी चाहिए. उन्होंने कहा कि स्थिति अभूतपूर्व थी. ट्रंप ने टॉड ब्लैंच को नई सरकार के लिए प्रशासन में डिप्टी अटॉर्नी जनरल के रूप में चुना है. सुनवाई की अध्यक्षता करने वाले गेस्मर ने ट्रम्प के वकील से पूछा कि क्या उनके अनुरोध के लिए कोई मिसाल है कि राष्ट्रपति पद की छूट को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति तक बढ़ाया जा सकता है.

जवाब में उन्होंने कहा, इस तरह का मामला पहले कभी नहीं हुआ है, इसलिए नहीं. मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय के अपील प्रमुख स्टीवन वू ने कहा कि ट्रम्प के वकीलों ने कोई तर्क प्रस्तुत नहीं किया है कि सजा पर सुनवाई से ट्रंप की अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारियों में बाधा उत्पन्न होगी. वू ने कहा, अब ऐसा करने का सबसे अच्छा समय है.

वू ने कहा, किसी न किसी समय तो सजा सुनाई ही जानी चाहिए, है न ब्लैंच ने सजा सुनाए जाने को ट्रंप पर असाधारण आरोप बताया और कहा कि आपराधिक सजा सुनाए जाने से किसी के जीवन में बड़ी बात होती है, भले ही इसमें एक घंटा भी क्यों न लगे.

मर्चेन ने इन दोनों दलीलों को खारिज कर दिया है. साथ ही शुक्रवार को सजा सुनाने की तारीख तय की है. इसके बाद ट्रंप के वकीलों ने सजा को रोकने के लिए अपील कोर्ट का रुख किया. हालांकि, मर्चेन ने संकेत दिया है कि वह ट्रंप को कोई सजा नहीं सुनाएंगे. जब उनसे पूछा गया कि क्या मर्चेन के इस कथन को महत्व दिया जाना चाहिए कि वह कोई कारावास की सजा नहीं देंगे, तो ब्लैंच ने कहा, मुझे नहीं पता कि कोई भी इस बात को कैसे महत्व दे सकता है क्योंकि यह काल्पनिक है. यह मामला 2016 के चुनाव प्रचार के दौरान एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप कराने के लिए किए गए भुगतान को छिपाने की योजना से संबधित है. ट्रंप ने इन आरोपों से इनकार किया है.

युगांडा में एमपॉक्स से मरने वालों की संख्या हुई 10 : स्वास्थ्य मंत्रालय

कंपाला, एजेंसी।
पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में पिछले पांच दिनों में चार लोगों की मौत रिपोर्ट हुई। इसके बाद एमपॉक्स से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। एक रिपोर्ट में युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले पांच दिनों में कम से कम 156 नए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। जिससे देश में संक्रमण से जूझ रहे लोगों की कुल संख्या 1,571 हो गई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि पिछले 24 घंटों में 19 नए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 17 मामले वाकिसो के केंद्रीय जिले में, एक युगांडा की राजधानी कंपाला में और एक लीरा में दर्ज किए गए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और साझेदारों के सहयोग से मंत्रालय ने रोग के प्रसार को रोकने के लिए रोकथाम उपायों को तेज कर दिया है, जिसमें निगरानी, मामला प्रबंधन, स्वास्थ्य बैठकें आयोजित करना, जोखिम संचार और सामुदायिक सहभागिता तथा जन जागरूकता अभियान शामिल हैं।

एमपॉक्स एक बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होती है। यह एक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से निकट संपर्क के माध्यम से लोगों के बीच फैल सकता है। एमपॉक्स के सामान्य लक्षणों में दाने, बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, कम ऊर्जा और ग्रंथियों में सूजन शामिल हैं।

पिछले महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि अफ्रीका में एमपॉक्स की महामारी संबंधी स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बनी हुई है, तथा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी), बुरुंडी और युगांडा में इसके मामले अधिक संख्या में देखे गए हैं। डब्ल्यूएचओ की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 15 दिसंबर तक अफ्रीका में 20 देशों में 13,769 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें 60 मौतें शामिल हैं। सबसे अधिक प्रभावित देश डीआरसी है, जहां 9,513 पुष्ट मामले पाए गए हैं।

हालांकि डीआरसी में हाल के सप्ताहों में अपेक्षाकृत स्थिर महामारी की प्रवृत्ति देखी गई है, फिर भी डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि संभावित रिपोर्टिंग देरी को देखते हुए स्थिरता और गिरावट की प्रवृत्ति की सावधानीपूर्वक व्याख्या की जानी चाहिए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डीआरसी के बाहर क्लेड 1बी एमपॉक्स वायरस (एमपीएक्सवी) के भौगोलिक विस्तार की रिपोर्ट जारी है, साथ ही कहा कि अफ्रीका के बाहर आठ देशों में इस वायरस का पता चला है।

लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भीषण आग ने मचाई तबाही, 30 हजार लोगों को सुरक्षित निकालने की तैयारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दक्षिणी कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में लगी भयंकर आग विकराल रूप ले चुकी है। हजारों लोगों को रिहायशी इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जा गया है। लॉस एंजिल्स के पहाड़ी इलाकों में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन दल ने कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। आग की लपटें मीलों तक फैली हुई हैं। लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट की फायर चीफ क्रिस्टिन क्राउली ने बताया कि 10,000 से अधिक घरों और 13,000 से अधिक इमारतों में रहने वाले करीब 26,000 लोग आग से प्रभावित हुए हैं। बड़ी तादात में लोग अपनी कारों को छोड़कर पैदल ही सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं, क्योंकि सड़कें भीषण आग के चलते अवरुद्ध हैं। आग को तेज हवाओं ने और बढ़ा दिया है। कैलिफोर्निया के लाखों लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही लोगों को आग के और फैलने का खतरे से आगाह किया गया है। इसके साथ ही बड़े इलाके की बिजली सप्लाई को बंद कर दिया गया है। जिसके चलते करीब पांच लाख लोग प्रभावित हुए हैं। पश्चिमी लॉस एंजिल्स के पैसिफिक पैलिसेड्स में आग ने लगभग 2 वर्ग मील से अधिक जंगल को जला दिया है। जिससे पूरे शहर में धुएं गुबार देखा जा सकता है। खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैलिफोर्निया के रिवरसाइड काउंटी की यात्रा रद्द कर दी हैं।

अंडर-23 वनडे क्रिकेट ट्रॉफी

सेमीफाइनल में गुजरात ने रोका हिमाचल का रथ, खिताब की दौड़ से बाहर

शिमला, एजेंसी। बीसीसीआई की ओर से आयोजित अंडर-23 वनडे क्रिकेट ट्रॉफी में गुजरात ने हिमाचल का फाइनल में खेलने का सपना तोड़ दिया। मंगलवार को कोलकाता में हुए सेमीफाइनल में गुजरात ने हिमाचल को पांच विकेट से हराकर न केवल फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वर्ष 2017-18 के बाद हिमाचल पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा था। सेमीफाइनल में हिमाचल ने पहले खेलते हुए 241 रन बनाए। लक्ष्य गुजरात ने पांच विकेट खोकर 43वें ओवर में ही पूरा कर लिया। सेमीफाइनल में गुजरात ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी को उतरी हिमाचल की टीम 48वें ओवर में 240 रनों पर आलआउट हो गई। हिमाचल की ओर टीम के कप्तान मृदुल सरोच ने 61 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

वहीं, कुशल पाल ने 33 और इनेश महाजन ने 32 रन बनाए। इस मैच में हिमाचल के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए। क्वार्टर फाइनल मैच में चार विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिकेत को सेमीफाइनल में एक भी विकेट नहीं मिला। वहीं, गुजरात की टीम से गेंदबाज शेन पटेल ने चार विकेट चटकाए जबकि जयमीत पटेल ने 89 रन की पारी खेलकर हिमाचल के फाइनल के सपने को तोड़ने में अहम भूमिका निभाई । एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि हिमाचल ने अंडर-23 ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन, सेमीफाइनल में गुजरात ने हिमाचल को हराकर टीम के सफर को रोक दिया।

विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट में खेलेंगे प्रसिद्ध, अभिमन्यु और पडिक्कल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा रहे देवदत्त पडिक्कल, प्रसिद्ध कृष्णा और अभिमन्यु ईश्वरन विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट चरण में तथा वॉशिंगटन सुंदर सेमीफाइनल से तमिलनाडु की टीम से खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। पडिक्कल और प्रसिद्ध सिडनी से बुधवार को भारतीय टीम के साथ प्रस्थान करेंगे लेकिन अभिमन्यु को एक दिन पहले ही भारत आने की अनुमति मिल गई थी। क्रिकेट एसोशिएशन ऑफ बंगाल ने उनकी उड़ान का टिकट एक दिन पहले ही बुक कर दिया था। वह ऑस्ट्रेलिया से पहले सिंगापुर और फिर अहमदाबाद आएंगे, इसके बाद वहां से बड़ौदा आकर अपनी टीम के साथ जुड़ेंगे। अभिमन्यु के लिए ऐसा पहली बार होगा कि वह दो महीनों के बाद किसी मैच का हिस्सा बनेंगे। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टेस्ट मैच में खेलने का अवसर नहीं मिला। केएल राहुल ने ब्रेक का अनुरोध किया है।

प्री-क्वार्टरफाइनल में बंगाल का मुकाबला हरियाणा के साथ है। अभिमन्यु आज टीम के साथ अभ्यास भी करेंगे। बंगाल की टीम के एक और सदस्य आकाशदीप पीठ में लगी हल्की चोट के कारण विजय हजारे ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। इसी चोट के कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट का हिस्सा नहीं ले पाये थे। स्वदेश लौटने के बाद वह सीधे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरू जाएंगे।

बीजीटी नहीं, न्यूजीलैंड से घर में हारना ज्यादा पीड़ादायक : युवराज सिंह

दुबई, एजेंसी। विश्व कप विजेता पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर सूपड़ा साफ होना भारतीय टीम के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की हार से भी बड़ी असफलता है। भारत को पिछले कुछ महीनों में टेस्ट क्रिकेट में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। उसे घरेलू मैदान पर कमजोर न्यूजीलैंड से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जो टीम के टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ था। इसके बाद उसे पांच मैच की बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से उसकी धरती पर 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। बहरहाल, युवराज ने कहा कि मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड से हारना अधिक पीड़ादायक है। क्योंकि वे घरेलू मैदान पर 3-0 से हार गए। आप जानते हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। इसे (बीजीटी हारना) तब भी स्वीकार किया जा सकता है क्योंकि आप ऑस्ट्रेलिया में दो बार इस जीत चुके हैं और इस बार आपको हार का सामना करना पड़ा।

सभी खेलों की राष्ट्रीय स्पर्धाओं के ट्रायल अब कैमरे की निगरानी में होंगे, विभाग ने लिया फैसला

शिमला, एजेंसी। अब खेल विभाग की ओर से सभी खेलों की राष्टीय स्पर्धाओं के ट्रायल में वीडियोग्राफी करवाने का फैसला लिया है। इसको लेकर युवा सेवा एवं खेल विभाग ने सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है और जल्द इसकी अधिसूचना जारी होगी।

नेशनल वॉलीबाल टूर्नामेंट के लिए टीम के चयन पर उठे विवाद के बाद अब खेल विभाग की ओर से सभी खेलों की राष्टीय स्पर्धाओं के ट्रायल में वीडियोग्राफी करवाने का फैसला लिया है। इसको लेकर युवा सेवा एवं खेल विभाग ने सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है और जल्द इसकी अधिसूचना जारी होगी। जयपुर में मंगलवार से शुरू हुए नेशनल वॉलीबाल टूर्नामेंट के लिए 26 दिसंबर को शिमला के इंदिरा गांधी खेल परिसर में ट्रायल हुए थे। ट्रायल के बाद खिलाड़ियों की सूचना जारी होने के बाद कुछेक खिलाड़ियों ने चयन पर सवाल उठाए और योग्य खिलाड़ियों को बाहर करने का आरोप लगाया। मामला मुख्यमंत्री के पास पहुंचा तो उन्होंने ट्रायल नए सिरे से करवाने के निर्देश दिए।

खेल विभाग ने ट्रायल रद्द किए और रविवार को नए सिरे से खिलाड़ियों के ट्रायल लिए गए। चयन समिति ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए ट्रायल के दौरान वीडियोग्राफी भी करवाई। इसी तर्ज पर अब खेल विभाग ने अन्य खेलों की राष्टीय स्पर्धाओं के ट्रायल के दौरान वीडियोग्राफी करवाने का प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा है, ताकि चयन समिति पर किसी तरह के आरोप न लगे। युवा सेवा एवं खेल विभाग के अतिरिक्त निदेशक हितेश आजाद ने बताया कि कैमरे से चयनकर्ताओं के निर्णय को रिकॉर्ड किया जा सकेगा।

यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो यह दस्तावेज के रूप में प्रमाणित किया जा सकेगा। इसके साथ ही खिलाड़ियों को भी विश्वास होगा कि उनका प्रदर्शन निष्पक्ष तरीके से मूल्यांकित किया गया। राज्य में सभी खेलों की राष्टीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए ट्रायल के दौरान वीडियोग्राफी करवाने की व्यवस्था को लागू किया जाएगा। इस प्रक्रिया के बाद ट्रायल में शामिल खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और चयन प्रक्रिया पर भी किसी तरह के सवाल नहीं उठेंगे। जल्द से जल्द इसे लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

अफगानिस्तान टीम में इस पद पर शामिल होंगे यूनिस खान, चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अफगानिस्तान टीम में मेंटर के तौर पर शामिल होंगे। यूनिस इससे पहले 2022 में एक अल्पकालिक अनुबंध पर अफगानिस्तान के बल्लेबाजी कोच के तौर पर काम कर चुके हैं। यह पुष्टि हो गई है कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यूनिस अफगानिस्तान टीम के मेंटर के तौर पर टीम के साथ होंगे। वह पाकिस्तान में होने वाले टूर्नामेंट से पहले अफगानिस्तान टीम के तैयारी और कंडीशनिंग कैंप में शामिल होंगे और चैंपियंस ट्रॉफी के अंत तक टीम के साथ रहेंगे। यूनिस ने 118 टेस्ट मैचों में 10,099 रन बनाने के बाद 2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया जिसमें 313 का करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी शामिल है। पूर्व दाएं हाथ के बल्लेबाज ने पाकिस्तान के लिए 246 एकदिवसीय मैचों में 31.24 की औसत से 7249 रन बनाए जिसमें सात शतक और 48 अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 2009 में इंग्लैंड में अपने पहले पुरुष टी 20 विश्व कप जीत में पाकिस्तान की कप्तानी भी की।

अपने कोचिंग करियर में यूनिस ने पाकिस्तान की सीनियर पुरुष टीम के साथ उनके बल्लेबाजी कोच के रूप में काम किया, लेकिन 2021 के मध्य में सिर्फ छह महीने बाद इस्तीफा दे दिया। फ्रैंचाइजी क्रिकेट में यूनिस ने पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जालमी के साथ कोचिंग की और अबू धाबी टी10 लीग में बांग्ला टाइगर्स के मुख्य कोच के रूप में काम किया। 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और दुबई में आयोजित होने वाली 2025 चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार होगी जब अफग़ानिस्तान आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में खेलेगा। उन्हें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया है, जबकि ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं। अफगानिस्तान के साथ पहले काम कर चुके एक भारतीय कोच ने बताया कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यूनिस को मेंटर नियुक्त करना टीम की उस अनूठी प्रवृत्ति का हिस्सा है जिसमें वे उन देशों से मेंटर या सलाहकार नियुक्त करते हैं जहां वे अपने आईसीसी टूर्नामेंट खेलने जाते हैं। पिछले आईसीसी टूर्नामेंट इस बात का सबूत हैं कि यह नीति अब तक अफगानिस्तान के लिए काफी कारगर साबित हुई है। 2023 में उन्होंने भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा को वनडे विश्व कप के लिए अपना मेंटर बनाया, जहां उन्होंने अपनी खेल शैली से सभी को प्रभावित किया और अपने लीग चरण में चार जीत हासिल की, जिसमें नई दिल्ली में गत चैंपियन इंग्लैंड पर शानदार जीत हासिल करना भी शामिल है।

2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले पुरुष टी20 विश्व कप में उन्होंने दिग्गज तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अपने गेंदबाजी सलाहकार के रूप में शामिल किया। इस कदम से उन्हें बहुत फायदा हुआ क्योंकि अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह देखना दिलचस्प होगा कि 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में यूनिस की भागीदारी अफगानिस्तान के लिए समान सकारात्मक परिणाम लाती है या नहीं।

फुटबॉलः

अगले फीफा विश्व कप के बाद फ्रांस का साथ छोड़ेंगे महान कोच डेशॉ

- टीम को विश्व कप और यूरो कप जिता चुके

पेरिस, एजेंसी। फ्रांसीसी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्रांस के महान कोच दिदिएर डेशॉ अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के बाद फ्रांस टीम का साथ छोड़ देंगे। वह बुधवार को इसकी घोषणा कर सकते हैं कि वह अगले विश्व कप के बाद अपने पद पर बने नहीं रहेंगे। डेशॉ न सिर्फ फ्रांस को बतौर कोच फीफा विश्व कप जिता चुके हैं, बल्कि फ्रांस के एक खिलाड़ी के तौर पर भी विश्व कप जीत चुके हैं। उनका पद छोड़ना फ्रांस के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। ला-इक्विपे और आरएमसी स्पोर्ट उन आउटलेट्स में से है, जिन्होंने बताया कि 56 वर्षीय डेशॉ का अनुबंध 2026 के फीफा विश्व कप के बाद समाप्त हो जाएगा। एक खिलाड़ी के रूप में विश्व कप जीत चुके डेशॉ ने जुलाई 2012 में फ्रांस फुटबॉल टीम के कोच के रूप में पदभार संभाला था और 2018 में फाइनल में क्रोएशिया को हराकर फ्रांस को विश्व कप खिताब दिलाया था। कतर में 2022 विश्व कप में फ्रांस फाइनल में पहुंच गया था और उसे अर्जेंटीना से ऐतिहासिक खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अगला फीफा विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी में होना है। इसमें कुल 48-टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें से 16 टीमें यूरोप की होंगी।

आईसीसी रैंकिंग में बाबर आजम की दमदार वापसी, विराट कोहली को छोड़ा काफी पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा. इस सीरीज में विराट कोहली का बल्ला पूरी तरह शांत रहा. दूसरी ओर पाकिस्तान को भी साउथ अफ्रीका में हार झेलनी पड़ी. लेकिन इस सीरीज में बाबर आजम बतौर बल्लेबाज काफी कामयाब रहे. इस दमदार प्रदर्शन के चलते उन्हें आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में काफी फायदा हुआ है. बाबर टेस्ट में बल्लेबाजों की रैंकिंग में विराट कोहली से काफी आगे निकल गए हैं. दूसरी ओर विराट को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है.

आईसीसी रैंकिंग में बाबर आजम की दमदार वापसी - बाबर आजम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज की 4 पारियों में 48.25 की औसत से 193 रन बनाए थे. इस दौरान उन्होंने 3 अर्धशतक भी जड़े थे. जिसके चलते वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग 5 स्थानों की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं. इससे पहले वह 17वें स्थान पर थे. इसके अलावा बाबर आजम की रेटिंग अब 697 हो गई है. बता दें, इस सीरीज से पहले बाबर टॉप-20 बल्लेबाजों की लिस्ट में भी शामिल नहीं थे. लेकिन उन्होंने इस सीरीज में दमदार वापसी की.

विराट कोहली को हुआ भारी नुकसान - विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी खराब रहा. वह 5 टेस्ट मैचों की 9 पारियों में एक ही शतक जड़ सके, इसके अलावा किसी भी पारी में वह 50 रन का आंकड़ा नहीं छू सके. उन्होंने इस दौरान सिर्फ 190 रन ही बनाए. इस खराब प्रदर्शन के चलते विराट अब आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में तीन स्थान नीचे खिसक गए हैं. वह अब 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं, उनकी रेटिंग 614 हो गए हैं. ऐसे में अब विराट कोहली पर टॉप-30 से बाहर होने का भी खतरा मंडरा रहा है.

दूसरी ओर, जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं. दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन, चौथे स्थान पर यशस्वी जायसवाल और 5वें स्थान पर ट्रेविस हेड हैं. इनके अलावा साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा छठे नंबर पर पहुंच गए हैं. ये उनकी ऑलटाइम हाई रैंकिंग. उनकी रेटिंग भी 769 हो गए हैं, जो उनकी ऑलटाइम हाई रेटिंग है ।

पाकिस्तान की चैंपियंस ट्रॉफी टीम

चोट के बाद भी सैम अयूब का होगा चयन, 14 महीने बाद वापसी कर सकता है यह खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के चयनकर्ताओं ने चोटिल बल्लेबाज सैम अयूब को प्रोविजनल टीम में चुनने का फैसला किया है, जिसे 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को भेजा जाएगा। पीटीआई के अनुसार राष्टीय चयनकर्ताओं के एक करीबी सूत्र ने कहा कि हाल के महीनों में सैम का फॉर्म और विशेष रूप से 50 ओवर के प्रारूप में ओपनर बल्लेबाज के रूप में उनके सुधार ने चयनकर्ताओं को आश्वस्त किया है कि दुर्भाग्यपूर्ण चोट के बावजूद उन्हें प्रोविजनल टीम में होना चाहिए। फखर जमां की 14 महीने बाद वापसी हो सकती है। सूत्र ने बताया, चयनकर्ता उन्हें प्रोविजनल टीम में रखेंगे क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सैम को टखने की चोट पर मेडिकल एडवाइस लेने के लिए लंदन भेजा है ताकि पता चल सके कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए समय पर फिट हो सकते हैं या नहीं। पिछले सप्ताह साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन सैम का टखना फ्रैक्चर हो गया था, उन्हें रिहैब के लिए छह सप्ताह का समय दिया गया है और उनके पैर में एंकल मेडिकल मून बूट लगाया गया है।

12 फरवरी तक करनी है टीम घोषित - सूत्र ने बताया, पीसीबी को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए प्रोविजनल टीम की घोषणा 12 फरवरी तक करनी है, लेकिन इसके लिए उसे टूर्नामेंट तकनीकी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।÷ उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को लगता है कि अगर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सैम समय पर फिट नहीं हो पाते हैं, तो उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल किया जा सकता है।

फखर जमां को 15 सदस्यीय प्रोविजनल टीम में चुनने की योजना - चयनकर्ताओं ने सैम के साथ ओपनर बल्लेबाज के तौर पर फखर जमां को 15 सदस्यीय प्रोविजनल टीम में चुनने की योजना बनाई है, लेकिन अगर सैम समय पर फिट नहीं होते हैं तो उनकी जगह अब्दुल्ला शफीक या इमाम उल हक को शामिल किए जाने की संभावना है। हाल के सीमित ओवरों के मैचों में फखर की अनुपस्थिति में सैम ने खूब रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के दौरों पर प्रभावित किया - अयूब ने ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के दौरों पर प्रभावित किया है। उन्होंने एकदिवसीय सीरीज में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 शतक बनाए, जिससे पाकिस्तान 3-0 से जीत दर्ज करने में सफल रहा। फखर ने भारत में 2023 के अंत में होने वाले विश्व कप के बाद से पाकिस्तान के लिए 50 ओवर का कोई मैच नहीं खेला है क्योंकि वह फिटनेस, चोट और अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

ICC बैटर्स रैंकिंग में पंत को 3 स्थान का फायदा

जायसवाल चौथे नंबर पर, बुमराह टॉप पर, ऑस्ट्रेलियाई बोलैंड की 29 पायदान की छलांग

नईदिल्ली, एजेंसी। बुधवार को बैटर्स रैंकिंग में पंत के अलावा ओपनर यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर काबिज है। वहीं बॉलर्स टॉप-10 रैंकिंग में स्पिनर रवींद्र जडेजा को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह अब नौवें स्थान पर आ गए हैं। बुमराह पहले पायदान पर मौजूद है। ऑस्ट्रेलियाई पेसर स्कॉट बोलैंड ने 29 स्थान की छलांग लगाई हैं। वह अब दसवें स्थान पर हैं।

पंत और अफ्रीका के कप्तान को 3-3 स्थान का फायदा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के आखिरी मुकाबले में ऋषभ ने पहले इनिंग में 40 और दूसरे इनिंग में 61 रन की तेज पारी खेली थी। जिससे रैंकिंग में उनकी रेटिंग 739 की हो गई है। वहीं साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ऑलटाइम हाई रेटिंग पर पहुंच गए हैं। उन्हें रैंकिंग में 3 स्थानों का उछाल मिला है। वह अब 769 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। बावुमा की कप्तानी में ही साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को लगातार दो टेस्ट मैच हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की है।

बेन स्टोक्स को हॉस्पिटल में कराना पड़ा एडमिट, हुआ बड़ा ऑपरेशन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड की टीम पिछले साल दिसंबर के महीने में न्यूजीलैंड के दौरे पर गई थी. इस टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में उन्हें हैमस्ट्रिंग की इंजरी हो गई थी. अब इस इंजरी की वजह से उन्हें हॉस्पिटल में जाकर एक बड़ी सर्जरी करानी पड़ी है. उन्होंने इसे लेकर अपने सोशल मीडिया पर ताजा अपडेट दिया है. स्टोक्स ने सर्जरी के बाद अपने पांव की तस्वीर शेयर की, जिसमें वह पैर में ब्रेस लगाए हुए नजर आ रहे हैं. वो कार में हैं और अपने पांव के नीच तकिया भी रखा हुआ है. तस्वीर को देखकर कहा जा सकता है कि इंजरी गंभीर थी, जिसके लिए बड़ा ऑपरेशन करना पड़ा. अब सवाल है कि आखिर अब वो मैदान पर कब तक वापसी करेंगे?

सर्जरी के बाद बेन स्टोक्स के पांव में लगे मशीन को देखने के बाद सवाल गहरा गया कि आखिर वो कब तक मैदान से बाहर रहेंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पूरी तरह से रिकवरी करने में 3 महीने का समय लगेगा. हालांकि, उन्होंने अपनी पोस्ट में हिंट देते हुए बताया है कि वो जल्दी ही एक्शन में देखेंगे. इंग्लैंड के कप्तान ने लिखा 'सर्जरी हुई है. इसलिए कुछ दिनों के लिए बायोनिक मैन बना हुआ हूं. जल्दी ही वापसी करुंगा.' उनकी पोस्ट पर कई फैंस ने उनके जल्दी ठीक होने की कामना की है.

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर स्टोक्स - बेन स्टोक्स इंग्लैंड की टीम का अहम हिस्सा हैं. श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वो इंजरी का शिकार थे. इसके बाद वो न्यूजीलैंड दौरे पर पूरी तरह फिट होकर कप्तान और ऑलराउंडर की भूमिका में लौटे. लेकिन हेमिल्टन में मैच के दौरान उन्होंने अचानक हैमस्ट्रिंग की समस्या हुई बीच में ही मैच छोड़कर जाना पड़ा. वो 2023 वनडे वर्ल्ड कप हिस्सा था और पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने वाले थे. लेकिन इंजरी के कारण हुई सर्जरी के बाद उन्हें रिकवरी में थोड़ा समय लग सकता है. इसलिए फरवरी में शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट से उन्हें पहले ही बाहर कर दिया गया है. इंग्लैंड ने अपने स्क्वॉड में उन्हें जगह नहीं दी है. वहीं मई तक कोई भी टेस्ट मैच नहीं होने के कारण वो इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर ही रहेंगे और अपनी रिकवरी पर फोकस करेंगे.